राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 73 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,14 सितम्बर 2021 , मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

शैलेंद्र सिंह कृषि उत्पादन आयुक्त पदस्थ

भोपाल, (प्रसं)। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शैलेंद्र सिंह को कृषि उत्पादन आयुक्त के पद पर पदस्थ किया है। शैलेंद्र सिंह अब तक केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ थे, लगभग एक पखवाड़ा पहले उन्होंने मप्र में ज्वाइनिंग दे दी थी, उन्हें पदस्थ नही किया जा सका था। आखिरकार प्रतीक्षारत शैलेंद्र सिंह को अब एपीसी बनाया गया है। केके सिंह के पिछले माह सेवानिवृत्त होने के बाद कृषि उत्पादन आयुक्त का पद रिक्त पड़ा था।

प्रियंका ने भी भवानीपुर से भरा नामांकन

कोलकाता, (एजेंसी)। प.बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी की प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ मैदान में उतरी भाजपा की उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल ने भवानीपुर सीट पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सुश्री टिबरेवाल के साथ विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेन्दु अधिकारी भी थे। नंदीग्राम सीट से हार का सामना करने के कारण सुश्री बनर्जी को उपचुनाव में उतरना पड़ा है। सुश्री टिबरेवाल ने कहा कि उनकी लड़ाई लोकतंत्र को बहाल करने की है। दक्षिण कोलकाता निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं पर उनके संघर्ष को आगे बढ़ाने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

टेनिस यूएस ओपन के मेदवेदेव बने विजेता

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। विश्व के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव यहां रविवार रात को विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को पुरुष एकल फाइनल मुकाबले में हरा कर यूएस ओपन 2021 के विजेता बने। इसी के साथ जोकोविच का इतिहास रचने का सपना भी टूट गया। मेदवेदेव ने शानदार खेल दिखाते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 के सीधे सेटों से हराया। इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन फाइनल में जोकोविच से हारने वाले मेदवेदेव ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। (स्पोर्ट्स-पेज भी देखें)

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढही, तीन मरे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को मलका गंज इलाके में एक चार मंजिला इमारत गिर गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक मां और उसके दो बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, मलबे में से दो लोगों को बाहर निकाला गया है। पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है और राहत व बचाव कार्य जारी है। दमकल की सात गाड़ियां भी मौके पर पहुंची हुई हैं। दिल्ली पुलिस के डीसीपी नॉर्थ एंटो अल्फोंस ने कहा कि आईपीसी की धारा 304 में मामला दर्ज किया गया है। पहले दो बच्चों के शव मिले थे, इनके अलावा मलबे में कोई और आदमी या शव नहीं मिला।

रेल मंत्री ने वंदे भारत में किया सफर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को जम्मू से कटरा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में सफर किया। इस दौरान उन्होंने ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि यात्रियों ने वंदे भारत ट्रेनों को लेकर संतुष्टि व्यक्त की है। लोगों ने ट्रेनों में साफ रेल मंत्री ने साझा किया वीडियो: रेल मंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस का अपनी यात्रा की कुछ झलकियां भी ट्विटर पर साझा की। वीडियो में अश्विनी वैष्णव एक महिला यात्री से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। महिला ने वंदे भारत ट्रेन में सफर के अपने अनुभव को रेल मंत्री के साथ साझा किया।

गुजरात में भूपेंद्र पटेल ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

अमित शाह समेत पार्टी के कई दिग्गज नेता रहे मौजूद, चुनाव से पहले बड़ा बदलाव

गांधीनगर ■ एजेंसी

अब गुजरात के नए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बन गए हैं। सोमवार को उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के कई दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में सीएम पद की शपथ ली है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ये अहम बदलाव माने जा रहे हैं।

दरअसल, विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा अपनी रणनीति में कई अहम बदलाव कर रही है। राज्यों में शासित मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ संगठन में भी बड़े फेरबदल किए जा रहे हैं। रविवार को गुजरात के नए मुख्यमंत्री के तौर पर भूपेंद्र पटेल के नाम की घोषणा की गई थी। शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अचानक सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद विधायक दलों की बैठक में पटेल के नाम का ऐलान किया गया। पटेल के नाम का प्रस्ताव पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रखा था। भूपेंद्र पटेल पहली बार विधायक 2017 विधानसभा चुनाव में बने थे। हालांकि, उनका पार्टी और शासन में लंबा अनुभव रहा है। वहीं, इससे पहले माना जा रहा था कि इस बार डिप्टी सीएम नितिन पटेल को प्रदेश की कमान मिल सकती है लेकिन उनको निराशा हाथ लगी। इस बारे में नितिन पटेल ने कहा कि वह लोगों के दिलों में रहते हैं, उन्हें कोई बाहर नहीं कर सकता। मेहसाणा शहर में एक कार्यक्रम के दौरान पटेल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह अकेले नहीं हैं, जिनकी बस छूट गई। उनके जैसे कई और भी हैं। नितिन पटेल ने कहा कि और भी लोग थे जिनकी बस छूट गई, मैं अकेला नहीं था, इसलिए विकास को इस तरह से न देखें। उन्होंने कहा कि पार्टी निर्णय लेती है, लोग गलत अनुमान लगाते हैं। मैंने (विधायकों की बैठक के बाद) यादवजी से कहा कि मुझे इस कार्यक्रम में शामिल होना है। यदि यह महत्वपूर्ण न होता तो मैं उदघाटन करने न आता।

शपथ समारोह में शामिल हुए सीएम शिवराज सिंह

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को अहमदाबाद में गुजरात के नव नियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। श्री चौहान ने शपथ समारोह में गृह मंत्री अमित शाह और अन्य अतिथियों से भी मुलाकात की। चौहान ने गुजरात के नव नियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को नए दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

नाराजगी के बीच शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे नितिन पटेल

भूपेन्द्र पटेल के मुख्यमंत्री बनने से कथित तौर पर 'नाराज' राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तथा दिग्गज पाटीदार नेता नितिन पटेल सोमवार को उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद रहे। आम तौर पर हँसते मुस्कराते रहने वाले श्री नितिन पटेल का चेहरा हालांकि मुरझाया ही था पर उन्होंने पत्रकारों से कहा की अपने ही समुदाय के श्री पटेल उनके क़रीबी मित्र हैं। वह जरूरत पड़ने पर उन्हें मार्गदर्शन भी देंगे। उन्होंने शपथ लेने के बाद श्री पटेल को मंच पर गर्मजोशी से बधाई भी दी।

'अपने असफल मुख्यमंत्रियों को बदलने में बिजी है भाजपा: पी चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को अचानक हटाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ अपने असफल मुख्यमंत्रियों को बदलने में व्यस्त है और भाजपा शासित राज्यों में ऐसे मुख्यमंत्रियों की लिस्ट लम्बी है. विजय रूपाणी पांच साल से गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर काम कर रहे थे. उनकी जगह भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया है.

हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में मुख्यमंत्री पद से विजय रुपाणी को हटा दिया है. उनकी जगह भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाया गया है. विजय रुपाणी पिछले छह महीनों में हटाए जाने वाले बीजेपी के चौथे मुख्यमंत्री बन गए हैं. जिसके बाद पी चिदंबरम ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद से रूपाणी को हटाने और उनकी जगह पर पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर चुटकी ली. उन्होंने सोमवार को ट्वीट किया, भाजपा अपने नाकाम मुख्यमंत्रियों को हटाने में व्यस्त है. आखिर भाजपा को यह एहसास कब हुआ कि मुख्यमंत्री ठीक से काम नहीं कर रहे हैं.

विजय रुपाणी पिछले छह महीनों में हटाए जाने वाले भारतीय जनता पार्टी के चौथे मुख्यमंत्री बन गए हैं. इस बारे में ट्वीट करते हुए पी चिदंबरम ने कहा, काम अच्छा नहीं करने के कारण बीजेपी कई राज्यों के मुख्यमंत्री बदल चुकी है. उन्होंने कहा कि और भी कई दूसरे राज्य हैं जहां असफल मुख्यमंत्री हैं और उनको बदले जाने की जरूरत है. संबंधित राज्य के लोग जानते थे कि बीएस येदियुरप्पा, दो रावत और रूपाणी कई महीनों से खराब प्रदर्शन कर रहे थे, कई और हैं जिन्हें बदला जाना चाहिए. लिस्ट लम्बी है जिनमें हरियाणा, गोवा, त्रिपुरा शामिल हैं.

गुजरात में रूपाणी से पहले, भारतीय जनता पार्टी ने बी एस येदियुरप्पा की जगह कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में बसवराज एस बोम्मई को नियुक्त किया था. उत्तराखंड को चार महीने के अंदर तीन अलग-अलग मुख्यमंत्री मिले, जब भाजपा ने पुष्कर सिंह धामी को लाने से पहले त्रिवेंद्र सिंह रावत को तीरथ सिंह रावत से बदल दिया था.

बधाई भारत ! वैक्सीनेशन अभियान में 75 करोड़ डोज का आंकड़ा पार

टीकाकरण की रफ्तार देख भारत का मुरीद हुआ डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीनेशन का अभियान तेज गति से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया है कि देश में कुल वैक्सीन का आंकड़ा 75 करोड़ को पार कर गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने ट्वीट किया, बधाई भारत!

उन्होंने बताया कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका प्रयास के मंत्र के साथ विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान निरंतर नए आयाम गढ़ रहा है, आजादी का अमृत महोत्सव यानी आजादी के 75वें वर्ष में देश ने 75 करोड़ टीकाकरण के आंकड़े को पार कर लिया है। जिस रफ्तार से देश में वैक्सीनेशन का अभियान बढ़ रहा है उसे देखते हुए लग रहा है कि महीने भर में देश के 100 करोड़ लोगों तक वैक्सीन की कम से कम एक डोज जरूर पहुंच जाएगी। अबतक जो टीकाकरण हुआ है उसमें लगभग 57 करोड़ लोगों को सिर्फ एक डोज मिली है और करीब 18 करोड़ को दोनों डोज मिल चुकी है। संक्रमण के खिलाफ भारत द्वारा चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान का विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी मुरीद हो गया है। डब्ल्यूएचओ ने भारत के वैक्सीनेशन अभियान की तारीफ की है। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि भारत ने कोरोना टीकाकरण में अभूतपूर्व गति हासिल की है। इसके लिए डॉक्टर पूनम खेत्रपाल सिंह ने डब्ल्यूएचओ की ओर से भारत को बधाई दी।

डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि डब्ल्यूएचओ ने अभूतपूर्व गति से कोविड-19 टीकाकरण को बढ़ाने के लिए भारत को बधाई दी। भारत में पहली 100 मिलियन खुराकें देने में 85 दिन लगे थे जबकि अब सिर्फ 13 दिनों में खुराकों की संख्या 650 मिलियन से 750 मिलियन तक पहुंच गई है।

मप्र : 17 को 32 लाख को लगेगा टीका

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को कोविड -19 वैक्सीनेशन का महा अभियान चलेगा। इस दिन प्रदेश में 32 लाख लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी, जो कि एक नया रिकार्ड होगा। कैबिनेट में सोमवार को इस संबंध में प्रेजेंटेशन दिया गया, जिसमें 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर होने वाले कार्यक्रमों और वैक्सीनेशन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

देश में 24 घंटे में 27,254 नए मामले

भारत में पिछले एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 27,254 नए मामले सामने आए जिसके बाद कुल मामले बढ़कर 3,32,64,175 हो गए। इसका साथ ही इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 3,74,269 रह गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों में सोमवार को यह जानकारी सामने आई। सुबह आठ बजे प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से 219 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या 4,42,874 पर पहुंच गई।

टीकों की आपूर्ति के लिए ड्रोन इस्तेमाल की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में टीकाकरण अभियान की रफ्तार को बढ़ाने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार के केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, मणिपुर और नगालैंड में सुदूर इलाकों में टीकों के वितरण के लिए ड्रोन के इस्तेमाल की सशर्त मंजूरी दे दी है। आईसीएमआर को टीकों के वितरण के लिए 3,000 मीटर तक की ऊंचाई पर ड्रोन के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। बता दे कि दो दिन पहले, केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तेलंगाना के विकाराबाद में अपनी तरह की पहली 'मेडिसिन्स फ्रॉम द स्काई' (आसमान से दवाएं) परियोजना शुरू की जिसके तहत ड्रोन की मदद से दवाओं और टीके की आपूर्ति की जाएगी।

गांधी परिवार के करीबी रहे कांग्रेस नेता ऑस्कर फर्नांडिस का निधन

योग करते समय सिर पर लगी थी चोट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कर्नाटक के मंगलुरु के एक निजी अस्पताल में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑस्कर फर्नांडिस का निधन हो गया है। यह जानकारी पारिवारिक सूत्रों द्वारा इसकी पुष्टि की गई है।

80 वर्ष ऑस्कर फर्नांडिस को जुलाई में घर पर योग करते समय गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके मस्तिष्क में एक थक्का हटाने के लिए उनकी एक सर्जरी भी हुई थी। जिसके बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑस्कर फर्नांडिस के निधन पर दुख जताया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। बता दें कि ऑस्कर फर्नांडिस की गिनती कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबियों में की जाती थी। वह यूपीए सरकार के दौरान सड़क परिवहन मंत्री भी रह चुके हैं। अभी ऑस्कर फर्नांडिस राज्यसभा के सांसद थे। ऑस्कर फर्नांडिस का जन्म 27 मार्च 1941 को कर्नाटक के उडुप्पी में हुआ था। 1980 में कर्नाटक की उडुप्पी लोकसभा सीट से वह सांसद चुने गए थे। उसके बाद 1996 तक यहां से लगातार जीतते आए थे। 1998 में कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया। तब से वह बतौर राज्यसभा सांसद ही संसद के सदस्य बने हुए थे।

सीए न्यू कोर्स में प्रदेश की दो बेटियां अव्वल

नई दिल्ली, (एजेंसी) इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने सीए फाइनल (ओल्ड एवं न्यू कोर्स) और फाउंडेशन कोर्स के परीक्षा परिणाम सोमवार को जारी कर दिए। सीए रिजल्ट में ऑल इंडिया लेवल पर टॉप करने वाले दो टॉपर्स की डिटेल्स भी इंस्टीट्यूट ने जारी की हैं।

सीए ओल्ड कोर्स रिजल्ट के टॉपर: आईसीएआई से मिली सूचना के अनुसार, ओल्ड कोर्स में मंगलुरु के रुथ क्लेयर डीसिल्वा ने 472/800 यानी 59 फीसदी मार्क्स के साथ परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल की है। वहीं रैंक-2 में पलक्कड़ शहर के मलविका आर कृष्णन आए हैं। ।

सीए (न्यू कोर्स) रिजल्ट 2021 के टॉपर: ऑल इंडिया टॉपर रैंक-1 नंदिनी अग्रवाल मुरैना मप्र, मार्क्स -614/800, 76.75 फीसदी, ऑल इंडिया रैंक-2 साक्षी एरन , इंदौर मप्र, मार्क्स -613/800, 76.63 फीसदी, ऑल इंडिया रैंक-3बागरेचा साक्षी राजेंद्रकुमार बेंगलुरु, मार्क्स -605/800, 75.63 हासिल किए हैं।

नीट से छूट : तमिलनाडु विस में विधेयक पारित

12वीं के अंकों के आधार पर मिलेगा दाखिला

चेन्नई ■ एजेंसी

तमिलनाडु विधानसभा में सोमवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट से छूट देने वाला विधेयक पास कर दिया गया। सदन में बीजेपी को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों ने एक प्रस्ताव का समर्थन किया। इस विधेयक में राज्य के मेडिकल स्टूडेंट्स को नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) से स्थायी छूट देने के लिए राष्ट्रपति की सहमति मांगी गई है। अब कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर ही एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश को सक्षम बनाएगा।

विधेयक पेश करते हुए तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा था कि आज मैंने नीट के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया है। आप (एआईएडीएमके) भी यह प्रस्ताव लेकर आए। मैं विपक्षी दलों से इस प्रस्ताव को अपना समर्थन देने का आग्रह करता हूं। बता दें कि रविवार को देश भर में हुई नीट परीक्षा के एक दिन पहले शनिवार को राज्य में एक नीट अभ्यर्थी की आत्महत्या मामले ने राजनीतिक तूफान ख?ा कर दिया था।

नीट अभ्यर्थी की आत्महत्या से राज्य में मचे राजनीतिक तूफान के बीच सोमवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। सत्तारूढ़ डीएमके और विपक्षी एआईएडीएमके ने एक दूसरे पर आरोप लगाए। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके नेता ईके पलानीस्वामी ने कहा कि नीट को लेकर छात्र और अभिभावक पूरी तरह कंफ्यूज हैं। डीएमके नीट पर कोई स्पष्ट फैसला नहीं ले सकी। उन्होंने नीट अभ्यर्थी की आत्महत्या का जिम्मेदार डीएमके को ठहराते हुए कहा कि डीएमके ने कहा था कि वह नीट को राज्य से खत्म करेगी। इसके चलते स्टूडेंट्स नीट परीक्षा की तैयारी अच्छी तरह नहीं कर पाए। हमने इसके विरोध में सदन से वॉकआउट का फैसला किया है। हम प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

अफगानों के साथ पहले की ही तरह खड़ा रहेगा भारत

संयुक्त राष्ट्र की हाईलेवल बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अफगानिस्तान में गंभीर मानवीय संकट के बीच भारत ने सोमवार को कहा कि वह पहले की तरह ही अफगानों के साथ खड़ा रहेगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान एक अहम और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है और वहां बेहतर माहौल बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक साथ आना चाहिए। अफगानिस्तान में मानवीय हालात पर संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान के भविष्य में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका का सतत समर्थन किया है। उन्होंने कहा, कि अफगानिस्तान के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा इसके लोगों के साथ हमारी ऐतिहासिक मित्रता द्वारा निर्देशित होता रहा है, आगे भी ऐसा ही रहेगा। जयशंकर ने कहा कि वैश्विक आम-सहमति बनाने के लिए देशों के छोटे-छोटे समूहों के बजाय एक बहुपक्षीय मंच हमेशा प्रभावशाली रहता है। अफगानिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा हालात में व्यापक बदलाव देखा गया है।

आफत जामनगर में ओवरफ्लो हुए 18 बांध, 35 गांवों से संपर्क नहीं

गुजरात में भारी बारिश से तीन की मौत

अहमदाबाद ■ एजेंसी

- पद संभालते ही एक्शन में सीएम भूपेंद्र पटेल
- जामनगर बाढ़: वायुसेना ने 24 लोगों का किया रेस्क्यू

गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में सोमवार को भारी बारिश के चलते हुई घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। राजकोट और जामनगर में नदियां उफान पर आ गईं और निचले इलाकों में लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा।

इसके चलते विभागों को चेतावनी जारी करनी पड़ी और बचाव एवं राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया। जिला प्रशासन के मुताबिक, जामनगर और राजकोट में लोगों को निकालने के लिए वायुसेना के हेलिकॉप्टरों को की मदद ली गई। गुजरात के राजकोट और जामनगर में भारी बारिश के चलते बुरा हाल है। जामनगर में अब तक 35 गांवों से संपर्क नहीं हो पाया है। वहीं जलभराव की वजह से गांव के ज़्यादातर लोग घर की छतों पर मदद के इंतजार में बैठे हैं। एमडीआरएफ की टीम को यहां तैनात किया गया है। साथ ही एयरफोर्स के प्लेन के जरिए लोगों को रेस्क्यू किया जा रहा है। अब तक एयरफोर्स के चार हेलिकॉप्टर से लोगों को रेस्क्यू करने में लगे हैं। अब तक कई लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। जामनगर में वायुसेना ने 24 लोगों को रेस्क्यू किया। एनडीआरएफ ने जामनगर के कालावाड में रेस्क्यू करते हुए 31 लोगों की जान बचाई। जामनगर जिले में 18 बांध ओवरफ्लो हो चुके हैं और कई गांवों को अलर्ट किया गया है। इसके अलावा गृहमंत्री शाह और सीएम भूपेन्द्र पटेल के बीच बातचीत के बाद दिल्ली और पंजाब से पांच एनडीआरएफ की टीम जामनगर भेजी गई।

ज्ञानी जैल सिंह के पोते भाजपा में शामिल कांग्रेस पर लगाया सनसनीखेज आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनावों के पहले पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह के पोते सरदार इंदरजीत सिंह सोमावार को भाजपा में शामिल हो गये और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके दादा जी का जानबूझ कर एक्सीडेंट करवा कर उनकी हत्या कराई गई थी। भाजपा के यहां स्थित केन्द्रीय कार्यालय में पार्टी के महासचिव एवं पंजाब के प्रभारी डॉ. दुष्यंत गौतम तथा केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने श्री इंदरजीत सिंह को अंगवस्त्र पहना कर पार्टी में स्वागत किया और सदस्यता की पर्ची प्रदान की। इस मौके पर श्री इंदरजीत सिंह ने कहा कि आज उनके स्वर्गीय दादा जी की मनोकामना वर्षों बाद पूरी हुई है।

सार समाचार

रॉकेट हमले के जवाब में इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

यरुशलम। हमास शासित क्षेत्रों से सिलसिलेवार दागे गए रॉकेट के जवाब में सोमवार को इजराइली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी पर कई ठिकानों पर हमला किया। लगातार तीन रातों से यह लड़ाई जारी है। गत सप्ताह इजराइल की एक जेल से छह फलस्तीनी कैदियों के भागने के बाद से तनाव बढ़ गया है। पिछले महीने 11 दिन तक चले युद्ध के मद्देनजर मिस्र ने दीर्घकालिक शांति के लिए मध्यस्थता करने की पेशकश की थी। इजराइली सेना के अनुसार, हमास ने रविवार और सोमवार को रॉकेट से तीन अलग-अलग हमले किये जिनमें से कम से कम दो को नाकाम कर दिया गया। सेना ने बताया कि इसके जवाब में इजराइल ने हमास के ठिकानों को अपना निशाना बनाया। दोनों पक्ष से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र ने सोमाली नेताओं से राजनीतिक कलह से दूर रहने का आग्रह किया

मोगादिशू। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे. मोहम्मद ने सोमाली राजनीतिक नेताओं से राजनीतिक कलह से दूर रहने का आह्वान किया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को मोगादिशु की एक दिवसीय यात्रा करने वाले मोहम्मद ने कहा कि सोमालिया ने अपनी चल रही चुनावी प्रक्रिया के साथ काफी गति हासिल की है और नेताओं से देश में राजनीतिक तनाव को कम करने का आग्रह किया है। राष्ट्रपति मोहम्मद फरमाजो और प्रधान मंत्री मोहम्मद रोबले से मुलाकात करने वाले संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह गति बनी रहे और महत्वपूर्ण चुनाव निर्धारित समय पर आगे बढ़ें, मुझे उन सभी से प्रतिबद्धता सुनने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे सोमालिया के नेतृत्व में किसी भी तरह के तनाव को कम करने और हिंसा का कारण बनने वाली कार्रवाई से बचने के लिए कहा गया है। सोमालिया वर्तमान में अपने उच्च सदन के लिए चुनाव कर रहा है और अपने निचले सदन के चुनाव की तैयारी कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय साझेदार देश के चुनावों को आगे बढ़ाने के राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करने में लगे हुए हैं।

टेक्सास तट के कुछ हिस्सों में तूफान आने की आशंका

ह्यूस्टन। दक्षिण-मध्य टेक्सास तट के कुछ हिस्सों में तूफान आने की आशंका है, जो कि ट्रॉपिकल स्टॉर्म निकोलस की तैयारी कर रहे हैं। इसके सोमवार को मजबूत होने की आशंका है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर (एनएचसी) ने कहा कि तूफान के कारण सोमवार को 65 मील प्रति घंटे की निरंतर हवाएं चल सकती है, जिसमें तूफान का केंद्र मैक्सिको की खाड़ी और दक्षिणी टेक्सास के पूर्व में स्थित है। एनएचसी ने कहा, हालांकि तीव्रता के पूर्वानुमान में स्पष्ट रूप से नहीं दिखाया गया है, निकोलस उत्तर पश्चिमी खाड़ी तट के पास तूफान की ताकत तक पहुंच सकता है, खासकर अगर यह एनएचसी पूर्वानुमान ट्रैक के दाईं ओर बढ़ता है और अगर बारिश ज्यादा होती है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक तूफान घड़ी का मतलब है कि स्थिति (कम से कम 74 मील प्रति घंटे की निरंतर हवाएं) घड़ी जारी होने के 48 घंटों के भीतर संभव है। निकोलस, अटलांटिक तूफान के मौसम का 14वां नामित तूफान, रविवार को पहले मैक्सिको की खाड़ी में बना है। अटलांटिक बेसिन में एक 14वां नामित तूफान, एक औसत मौसम में तूफानों की कुल संख्या, आमतौर पर 18 नवंबर तक नहीं बनी है।

24 दिसंबर को लीबिया में पश्चिमी दूतावासों के चुनाव होंगे

त्रिपोली। लीबिया में फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्रिटेन और अमेरिका के दूतावासों ने 24 दिसंबर को होने वाले संसदीय और राष्ट्रपति चुनावों के आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए सभी लीबिया हितधारकों को बुलाया है। समाचार एजेंसी ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में दूतावासों का हवाला देते हुए कहा, सभी हितधारकों को यह समझना चाहिए कि अब लीबिया के लोगों की सभी वैध चिंताओं को ध्यान में रखते हुए चुनावी ढांचे को अंतिम रूप देने का समय है। बयान में जोर देकर कहा गया है कि नवंबर 2020 में संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित लीबिया राजनीतिक वार्ता मंच के रोडमैप में निर्धारित और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2570 में दिए गए चुनाव, लीबिया को और अधिक स्थिर और एकजुट करने के लिए जरूरी कदम हैं। उनके परिणाम का सभी को सम्मान करना चाहिए। आम चुनाव शुरू में 2019 की शुरूआत में होने वाले थे, इससे पहले दिसंबर 2018 के लिए योजना बनाई गई थी। चुनावों का उद्देश्य राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों को शामिल करना है।

न्यूजीलैंड अफगानिस्तान को 3 मिलियन डॉलर मानवीय सहायता प्रदान करेगा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री नानैया महुता ने सोमवार को कहा कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के रूप में 3 मिलियन डॉलर (2 मिलियन डॉलर) देने की घोषणा की है। महुता ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान में महत्वपूर्ण मानवीय आवश्यकता है, इस संकट से महिलाओं और लड़कियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि मई के बाद से अफगानिस्तान में विस्थापित हुए दस लाख लोगों में से 80 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। महुता ने कहा, आज अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों को जिन खतरों का सामना करना पड़ रहा है, उन संगठनों का समर्थन करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जो बहुत जरूरी मानवीय सहायता और सुरक्षा प्रदान कर रहे हैं। न्यूजीलैंड यूनिसेफ और यूएन पॉपुलेशन फंड को फंड मुहैया करा रहा है। मंत्री ने कहा कि ये दोनों संगठन महिलाओं और बच्चों के समर्थन पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी स्तर पर तत्काल जरूरतों को पूरा कर रहे हैं।

खाने को पैसे नहीं लेकिन फिर भी अपनी हरकतों से नहीं सुधर रहा किम जोंग उन, अब किया कुछ ऐसा जिसे अमेरिका ने दुनिया के लिए बताया खतरा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी ताकत दिखाई है। नॉर्थ कोरिया की तरफ से लॉन्ग रेंज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। खबरों की माने तो इस क्रूज मिसाइल ने करीब 15 हजार किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर सटीक वार किया। उत्तर कोरिया ने इस मिसाइल को रणनीतिक हथियार करार देते हुए बेहद अहम बताया है। मिसाइल के परीक्षण के बाद नॉर्थ कोरिया और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। नॉर्थ कोरिया ने नई मिसाइलों को ''बेहद महत्वपूर्ण सामरिक हथियार'' बताया जो सेना को मजबूत करने के देश के नेता किम जोंग उन के आह्वान के अनुरूप है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मिसाइल परीक्षण की तस्वीरें जारी कीं।

अमेरिका ने दी चेतावनी

नॉर्थ कोरिया के मिसाइल परीक्षण पर अमेरिका ने चेतावनी दी है। पेंटागन की तरफ से गया कि नॉर्थ कोरिया का मिसाइल परीक्षण दुनिया के लिए खतरा है। अमेरिका के सैन्य जनरल ग्लेन वानहेर्क की तरफ से कहा गया कि नॉर्थ कोरिया की ओर से दागी जाने वाली किसी भी मिसाइल का जवाब देने के लिए अमेरिका तैयार है। गौरतलब है कि अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वार्ता में 2019 से गतिरोध बना हुआ है, जब अमेरिका ने पाबंदियों में बड़ी राहत देने का उत्तर कोरिया का अनुरोध ठुकरा दिया था। अब किम की सरकार बाइडन प्रशासन के वार्ता के अनुरोध को ठुकरा रही है, उसका कहना है कि पहले वाशिंगटन अपनी 'शत्रुतापूर्ण' नीतियों को छोड़े।

नॉर्थ कोरिया की आर्थिक हालात खराब

नॉर्थ कोरिया गंभीर आर्थिक और खाद्य संकट से गुजर रहा है। वहां लोगों के लिए पेट भरना भी मुश्किल हो गया है। कुछ वक्त पहले खुद तानाशाह किम ने चेतावनी दी थी कि हालात खराब होते जा रहे हैं। जून में आई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि देश में खाने-पीने की वस्तुओं के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। डिमांड के मुकाबले सप्लाई कम होने की वजह से हालात बिगड़ रहे हैं। लेकिन फिर भी किम जोंग उन मिसाइल परीक्षण में पैसा खर्च करने में लगे हैं।

रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के 3 दावेदारों ने की बाइडन की कड़ी आलोचना

नेब्रास्का सिटी (अमेरिका)। अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के तीन दावेदारों ने अफगानिस्तान में युद्ध समाप्त करने के तरीके को लेकर रविवार को राष्ट्रपति जो बाइडन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह बाइडन प्रशासन ने सेना की वापसी की प्रक्रिया को अंजाम दिया वह खुद को कमजोर और विरोधियों का उत्साह बढ़ाने वाला था। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डिसेंटिस, टेक्सास के सीनेटर टेड क्रूज और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस, नेब्रास्का सिटी में गवर्नर पीट रिकेट्स द्वारा आयोजित चंदा एकत्र करने के एक वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए। रिपब्लिकन पार्टी से 2024 चुनाव के तीन दावेदारों ने नेब्रास्का में एक हजार से अधिक समर्थकों को संबोधित किया। तीनों नेताओं ने अफगानिस्तान में सेवा देने वाले अमेरिकी सेना के जवानों की प्रशंसा की लेकिन वह राजनीतिक एकता प्रदर्शित नहीं कर पाए जो 9/11 की घटना के बाद देखने को मिली थी। डिसेंटिस ने कहा, 'चीन, ईरान, उत्तर कोरिया और मास्को में जो कुछ भी होगा वे उसे देख रहे हैं। ये देश डोनाल्ड ट्रंप से डरते थे। वे जो बाइडन से नहीं डरते, न ही उनकी इज्जत करते हैं।' क्रूज ने अफगानिस्तान पर तालिबान के पुनः कब्जे पर बाइडन प्रशासन की प्रतिक्रिया को एक 'आपदा' करार दिया।

श्रीलंका के पीएम ने कोविड पर काबू पाने के लिए आंतरिक सहयोग का किया आह्वान

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने सभी देशों के बीच घनिष्ठ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अनुरोध किया है ताकि वे कोविड-19 महामारी से बच सकें और सामान्य जीवन फिर से शुरू कर सकें।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को इटली के बोलोग्ना में जी 20 इंटरफेथ फोरम में बोलते हुए, राजपक्षे ने कहा कि इस समय दुनिया जिस गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना कर रही है, वह सभी देशों के लिए एकजुट होने के बंधन को रेखांकित करता है। कोविड -19 धर्म, राष्ट्रीयताओं और सभ्यताओं में कोई अंतर नहीं करता है। यह पूरी मानवता के लिए एक घातक आघात है।

राजपक्षे ने मंच को संबोधित करते हुए कहा, महामारी से बचने और हमारे जीवन को एक बार फिर से शुरू करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। आधुनिक चिकित्सा द्वारा संभव किए गए टीके और अन्य सुरक्षा, कम संपन्न देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों द्वारा सहायता प्रदान करने के लिए मजबूत व्यवस्था के साथ दुनिया भर में उपलब्ध होनी चाहिए।

राजपक्षे ने कहा, यह एक ऐसी लड़ाई है जिसे किसी एक को नहीं, बल्कि सभी को जीतना है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वायरस को रोकने के लिए देशों के अस्थायी रूप से अपनी सीमाओं को बंद करना वैध हो सकता है, लेकिन अलग होना इसका जवाब नहीं है। उन्होंने कहा, दुनिया की वास्तविकताओं में से एक जिसमें हम रहते हैं, राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल, सेवाओं और लोगों की मुक्त आवाजाही है।

राजपक्षे ने कहा, बेहतर जीवन की तलाश में प्रवासन आज की परिस्थितियों से चुनौती है, लेकिन समान आधार पर रोजगार के अवसर मुक्त रूप से उपलब्ध होते रहना चाहिए। 2021 जी 20 इंटरफेथ फोरम 12 सितंबर को शुरू हुआ और टाइम टू हील-पीस अमंग कल्चर्स, अंडरस्टैंडिंग बिटवीन रिलिजंस थीम के तहत मंगलवार को खत्म होगा। राजपक्षे के कार्यालय ने कहा कि वह कई देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए मंच के इतर विश्व के अन्य नेताओं से मिलेंगे।

काबुल की झंडों की दुकान में अफगानिस्तान का इतिहास दर्ज

काबुल। (एजेंसी)।

काबुल में एक बाजार के कोने में झंडों की छोटी सी दुकान में अफगानिस्तान के दशकों का उथल-पुथल भरा इतिहास वहां बेचे जाने वाले अनेक उत्पादों में दर्ज है। अब दुकान सफेद तालिबानी झंडों से भरी हुई है जिसमें काले रंग में अरबी में कुरान की आयतें लिखी हैं। रविवार को चार किशोर फ्लोरेसेंट रोशनी से चमकती मेज पर रखे सफेद कपड़े पर लिखी कुरान की आयातों के खांचे में काली स्याही भरकर उसे सूखने के लिए बालकनी की रेलिंग पर डालते नजर आए।

दुकान के मालिक 58 वर्षीय वहीदुल्ला होनारवर ने बताया कि तालिबान के काबुल पर संभावित कब्जे को देखते हुए 15 अगस्त को राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। इससे पहले वह सभी देशों के झंडे बनाते थे जिनके अफगानिस्तान के साथ राजनयिक संबंध रहे हैं। होनारवर के पास अब भी उन झंडों का भंडार है। दुकान में कंप्यूटर के सामने बैठे होनारवर ने बताया,'' तालिबान लड़ाके यहां आए और उन झंडों को देखने के बाद कुछ नहीं कहा।'' उन्होंने बताया कि तालिबान ने कहा कि उन झंडों को स्थिति सामान्य होने तक रख लें। होनारवर ने बताया कि उन्होंने अपना कारोबार तब शुरू किया था जब वर्ष 1980 में सोवियत समर्थित सरकार थी। सोवियत ने 1989 में वापसी की और उनके कम्युनिस्ट साझेदार वर्ष 1992 में गए। इसके बाद देश में गृहयुद्ध छिड़ गया। तालिबान का 1996 से 2001 तक सत्ता पर कब्जा रहा और उसे अमेरिका नीत सेना ने सत्ता से बाहर किया। अगस्त के आखिर में अमेरिका और नाटो के जाने के बाद तालिबान की वापसी हुई। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान में रहेंगे भले किसी का भी शासन आए। होनारवर ने कहा,'' मैं अफगानिस्तान से प्यार करता हूं और यहीं रहना चाहता हूं। चाहे किसी की भी सत्ता आए, मेरा कारोबार चल रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

तालिबान के शासन से पाकिस्तान की आधी से अधिक आबादी खुश, 36 फीसदी महिलाओं का भी मिला साथ

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का गठन हो चुका है और इससे पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बहुत ज्यादा खुश है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के भविष्य को लेकर पड़ोसी मुल्कों के साथ वार्ता की थी। इस दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह अहमद कुरैशी ने अफगानिस्तान से आतंकवाद को समाप्त करने की बात कही थी। इसी बीच एक सर्वे सामना आया है, जिसके मुताबिक पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अफगानिस्तान में तालिबान के पक्ष में है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में 2400 से अधिक लोगों से तालिबान को लेकर सवाल पूछे गए। यह सर्वे 13 अगस्त से लेकर 5 सितंबर तक चला। जिसमें पूछा गया कि क्या अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के गठन से आप लोग खुश हैं। इसके जो नतीजे सामने आए वो चौंका देने वाले थे। 15 अगस्त को काबुल में तालिबान की एंट्री हुई थी और इसी के साथ राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया। विगत समय में तालिबान के शासन से हर अफगानी वाकिफ था लेकिन इस बार तालिबान ने खुद को बदला हुआ बताया था लेकिन परिस्थितियां कुछ और ही हैं।

वहीं, तालिबान के शासन से पाकिस्तान के 55 फीसदी लोग खुश हैं। जबकि 25 फीसदी लोग नाखुश हैं और 20 फीसदी लोगों ने तो कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी। सर्वे में बताया गया कि तालिबान को पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के लोगों का सबसे ज्यादा समर्थन प्राप्त हुआ है। यहां के 65 फीसदी लोग तालिबानियों के पक्ष में हैं। जबकि पंजाब और सिंध के 54 फीसदी और शहरी क्षेत्र के 59 फीसदी लोगों ने उनके समर्थन में अपनी राय दी।

36 फीसदी महिलाएं भी खुश

महिलाओं के साथ अत्याचार करने वाले तालिबान के समर्थन में पाकिस्तान की महिलाएं भी हैं। 58 फीसदी पुरुषों ने तो 36 फीसदी महिलाओं ने उनका समर्थन किया है।

लगातार सामने आ रही है तालिबान की क्रूरता, अफगान सैनिक का सिर कलम कर मनाया जश्न

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान का राज स्थापित होने के साथ ही उनकी सच्चाई एक बार फिर से लोगों से सामने आने लगी है। पिछली बार की तरह इसबार भी तालिबान ने क्रूरता और अत्याचार की सारी हदें पार कर दी है। इसी बीच तालिबान की क्रूरता का एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में तालिबानी लड़ाके अफगानी सैनिक का सिर कलम करने के बाद जश्न मनाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबानी लड़ाके अफगानी सैनिक का सिर हाथ में लेकर जश्न मना रहे हैं और मुजाहिदीन चिल्ला रहे हैं। 30 सेकंड का जो वीडियो सामने आया है उसमें पांच तालिबानी लड़ाके दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा एक लड़ाके के हाथ में खून से सने हुए दो चाकू देखे जा सकते हैं।

तालिबान बेरहमी से कर रहा कत्ल

तालिबान ने काबुल में एंट्री के साथ ही दावा किया था कि वो पिछली बार की तुलना में काफी अलग है। इस बार महिलाओं और अफगानी लोगों को सरकार में शामिल किया जाएगा। लेकिन तालिबान की सारी बातें धरी की धरी रह गईं। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का गठन हो गया और इसमें अफगानियों और महिलाओं को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल, तालिबान अमेरिका की मदद करने वालों को तलाश रहा है और बेरहमी से उनका कत्ल कर रहा है।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने लंबी दूरी की नई क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। बीते कई महीनों में उत्तर कोरियाई मिसाइल परीक्षण की यह पहली ज्ञात गतिविधि है जो रेखांकित करती है कि किस तरह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध के बीच उत्तर कोरिया सैन्य क्षमताओं का विस्तार कर रहा है।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने सोमवार को कहा कि क्रूज मिसाइल विकसित करने का काम बीते दो साल से चल रहा था और शनिवार तथा रविवार को परीक्षण के दौरान उसने 1,500 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्य पर मार करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उत्तर कोरिया ने नई मिसाइलों को ''बेहद महत्वपूर्ण सामरिक हथियार'' बताया जो सेना को मजबूत करने के देश के नेता किम जोंग उन के आह्वान के अनुरूप है।

इसका मतलब यह है कि ऐसी मिसाइलें विकसित करने के पीछे उनका इरादा सेना को परमाणु हथियारों से लैस कराने का है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मिसाइल परीक्षण की तस्वीरें जारी कीं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा के जरिए उत्तर कोरिया के परीक्षणों का विश्लेषण कर रहा है। अमेरिकी हिंद प्रशांत कमान ने कहा कि वह सहयोगियों के साथ मिलकर हालात पर नजर रख रही है और उत्तर कोरिया की गतिविधियां बताती हैं कि उसका ध्यान निरंतर 'सैन्य कार्यक्रम को विकसित करने और पड़ोसियों तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरे उत्पन्न करने पर है।''

जापान ने इसे 'अत्यंत चिंताजनक बताया।'' उत्तर कोरिया के मजबूत सहयोगी माने जाने वाले चीन ने इस संबंध में पूछे जाने परकोई टिप्पणी नहीं की। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता झाओ लिजियन ने केवल ''सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने, एक ही दिशा में आगे बढ़ने, सक्रिय रूप से बातचीत और संपर्क में रहने'' का आग्रह किया ताकि एक राजनीतिक समझौते पर पहुंचा जा सके। उत्तर कोरिया द्वारा परीक्षण गतिविधियां फिर शुरू करना बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास माना जा सकता है। यह खबर ऐसे समय में आई जब कुछ घंटों बाद बाइडन के उत्तर कोरिया के लिए विशेष प्रतिनिधि संग किम को तोक्यों में उत्तर कोरिया के साथ परमाणु कूटनीति पर बने गतिरोध के बारे में अपने दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ बात करनी है।

इससे पहले, उत्तर कोरिया ने लगभग एक साल के अंतराल के बाद, इसी साल मार्च में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का सागर में परीक्षण किया था। केसीएनए ने कहा कि मिसाइलों ने अपने निशानों पर मार करने से पहले उत्तर कोरिया की भूमि और जल क्षेत्र के ऊपर 126 मिनट तक उड़ान भरी। इसमें बताया गया कि किम के शीर्ष सैन्य अधिकारी पाक जॉग चोन ने परीक्षण का अवलोकन किया और देश के रक्षा वैज्ञानिकों से कहा कि वे उत्तर कोरिया की क्षमताओं में वृद्धि के लिए सभी प्रयास करें। ऐसा लगता है कि किम मिसाइल परीक्षण देखने के लिए नहीं पहुंचे थे।

अमेरिका और उत्तर कोरिया के बीच वार्ता में 2019 से गतिरोध बना हुआ है, जब अमेरिका ने पाबंदियों में बड़ी राहत देने का उत्तर कोरिया का अनुरोध ठुकरा दिया था। अब किम की सरकार बाइडन प्रशासन के वार्ता के अनुरोध को ठुकरा रही है, उसका कहना है कि पहले वाशिंगटन अपनी 'शत्रुतापूर्ण' नीतियों को छोड़े।

संक्षिप्त खबर

सावधान! कहीं आप भी ना हो जाएं इनकी तरह सस्ते लोन के चक्कर में ठगी का शिकार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के आउटर नॉर्थ जिला अंतर्गत नरेला इलाके में एक दर्जन से ज्यादा लोगों को सस्ता लोन दिलाने पर ठगी करने का मामला सामने आया है. संस्था लोन दिलाने का लालच देकर ठगी करने वाले लोग उनको अपने जाल में फंसा कर फरार हो गये हैं. सस्ता लोन लेने के कारण उन्होंने कंपनी को उधार पैसे लेकर दिए और अब कंपनी के कर्मचारी उनका फोन भी नहीं उठा रहे हैं. इस मामले में लोगों ने अपनी शिकायत दिल्ली पुलिस और साइबर सेल दोनों को दी है. पुलिस ने इन शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है. ठगी का शिकार हुए नरेला इलाके के पीड़ित सुभाष अमरोही व सरदार मलकीत सिंह ने बताया कि उनके पास बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ और एडलविस कंपनी के नाम पर फोन आए. उन्हें सस्ता लोन दिलाने की बात की जाती थी. एक बार उनके झांसे में कोई व्यक्ति फंस जाए तो लगातार उससे संपर्क कर लोन दिलाने की बात की जा रही थी. लोग धीरे-धीरे उनके जाल में फंसते चले गए और उन्होंने उनके नियम व शर्तों को पूरा करने के साथ-साथ उन्हें पैसे भी दिए.

लोगों ने बताया कि ऐसे कई लोग उनके संपर्क में हैं, जिन्हें बड़ी कंपनी के नाम पर ठगा गया. लेकिन वह कैमरे के सामने नहीं आ रहे हैं. पीड़ित ने अपनी शिकायत अलीपुर थाना, साइबर सेल और कंपनी को मेल के जरिए भी दर्ज कराई है, ताकि कंपनियों को भी पता लगे कि उनके नाम पर किस तरह से लोगों के साथ फर्जीवाड़ा किया जा रहा है.

आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने प्रेसवार्ता कर दो राज्यों में मुख्यमंत्री बदलने पर भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने उत्तराखंड और गुजरात में मुख्यमंत्री बदले जाने को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। चड्ढा ने कहा है कि भाजपा समझ ले कि मुख्यमंत्री की नेम प्लेट बदलने से लोगों का उसके प्रति गुस्सा और आक्रोश नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के रूप में एक मजबूत विपक्ष से चुनौती मिलने पर भाजपा सीएम बदलने के लिए मजबूर हुई है। अब बीजेपी के सामने कांग्रेस नहीं विपक्ष के रूप में आम आदमी पार्टी से चुनौती है।

राघव चड्ढा ने रविवार को प्रेसवार्ता कर कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक अप्रभावी और असफल विपक्ष साबित हुई है। जिसे आम आदमी पार्टी ने सफलतापूर्वक राजनीति में साइड कर दिया है। भाजपा और कांग्रेस के बीच म्यूजिकल चेयर का खेल भी आप के आने से खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास भाजपा की राजनीतिक सत्ता पलटने की क्षमता नहीं है। उत्तराखंड और गुजरात दोनों राज्यों में ना भाजपा ने मजबूत सरकार दी और ना ही कांग्रेस ने मजबूत विपक्ष दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जितने लोग वोट नहीं देना चाहते हैं, उससे भी ज्यादा लोग कांग्रेस को भी वोट नहीं देना चाहते हैं। अब आप ही एकमात्र उम्मीद है। दोनों राज्यों में ऐसे लोग जो ना तो भाजपा को वोट देना चाहते हैं और ना कांग्रेस को वोट देना चाहते हैं। वे आम आदमी पार्टी की ओर देख रहे हैं।

राघव चड्ढा ने कहा कि गुजरात को भाजपा की राजनीतिक प्रयोगशाला और गढ़ कहा जाता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह दोनों गुजरात सूबे से आते हैं। यहां भाजपा अब आप से डर गई है। गुजरात में अचानक मुख्यमंत्री बदलना भाजपा की मजबूरी है और आगामी चुनावों में आम आदमी पार्टी को इसका फायदा मिलेगा।

भाजपा कार्यकर्ता मेहनत और मन से समर्पित होकर करते हैं पार्टी की सेवा - सिद्धार्थन

नई दिल्ली। यमुना विहार स्थित बैंक्वेट हाल में उत्तर पूर्वी लोकसभा क्षेत्र के आजीवन सहयोग निधि अभियान के लिए एक बैठक आयोजित हुई। उसमें भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जो पूंजीपतियों से चंदा नहीं लेती। हम समर्पित भाजपा कार्यकर्ताओं से समर्पण निधि के लिए आग्रह करते हैं और पारदर्शिता के साथ समर्पण निधि का संग्रह करते हैं। कार्यकर्ता सिर्फ निधि से समर्पित नहीं होता, मेहनत और मन से पार्टी की सेवा करता है।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि हमें गर्व है कि हम भाजपा के सिपाही है, क्योंकि यह विश्व का सबसे मजबूत संगठन है, जिसका प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। देश मजबूत है तो हम मजबूत हैं। हमारे सपनों के घर, गाड़ी और जिंदगी तभी सुरक्षित है, जब हमारा देश सुरक्षित है। वहीं, प्रदेश कोषाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने कहा कि इस बार से हर जिले की एफडी बनेगी और कोई भी राशि बिना चेक के नहीं ली जाएगी। हर बूथ पर समर्पण निधि अभियान चलाया जाएगा। समस्त राष्ट्र, प्रदेश, जिला और मंडल के कार्यकर्ता, सांसद, विधायक व पार्षद जीते हुए और लड़े हुए भी, सब अपना समर्पण अपने अपने मंडल में ही करेंगे।

बैठक में जिलाध्यक्ष मोहन गोयल, मास्टर विनोद, वीरेंद्र सचदेवा, जिला प्रभारी सत्य नारायण गौतम, विधायक मोहन सिंह बिष्ट, अजय महावर, जितेंद्र महाजन,दिनेश धामा, डा. यूके चौधरी, प्रवेश शर्मा, दीपक चौहान सहित समस्त मंडल अध्यक्ष व निगम पार्षद आदि मौजूद रहे।

बता दें कि भाजपा इस बार निगम चुनाव के लिए पूरी तरह कमर कस कर तैयार है। इसके लिए हाल में ही राज्य से बाहर एक बैठक भी हुई थी। हालांकि, इधर आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी लगातार जहां भारतीय जनता पार्टी पर सही से निगम नहीं चलाने का अरोप लगाती रही है वहीं कांग्रेस वापस से सत्ता में आने के लिए दोनों की पार्टियों पर जोरदार हमले कर रही है।

बारिश से फिर बढ़ी लोगों की मुसीबत, गलियों में भरा सीवर व नाले का पानी

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को हुई बारिश से लोग अभी संभले भी नहीं थे कि रविवार को एक बार फिर बारिश ने लोगों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी। पूरे दिन गलियों में जलभराव की समस्या बनी रही। राहगीरों के साथ वाहन चालकों को भी दिक्कतें हुई। लाहौरी गेट, मटिया महल, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार और सदर बाजार की गलियों में जलभराव से लोग जूझते दिखे। वहीं, कई गलियों में सीवर और नाले का पानी भी आ गया। खारी बावली स्थित गली बतासे वाली में बरसात के पानी से हुए कीचड़ ने लोगों को परेशान किया। स्थानीय निवासी राहुल ने बताया कि बारिश के कारण दिनभर लोग घरों से नहीं निकल पाए। मुझे दवाई लेने जाना था, लेकिन जलभराव से गली का बुरा हाल है। वहीं, पारस ने बताया कि इस गंदगी के बीच से निकलने की हमारी मजबूरी बन गई है। गली में जगह-जगह पानी जमा हुआ है। निगम कर्मचारी इधर देखने तक नहीं आ रहे हैं। सीवर व नाले की बदबू के कारण सांस लेना मुश्किल हो गया है। जलजमाव से चारों तरफ मच्छरों का प्रकोप होने से बीमारी होने की आशंका है।

ग्राहक के साथ-साथ दुकानदार भी परेशान-चावड़ी बाजार में भी दिनभर जलजमाव की समस्या बनी रही। लोग बरसात के पानी के बीच से निकलते दिखे। बाजार में खरीदारी करने आए लोग भी इससे दो-चार होते नजर आए। दुकानदार हरिओम ने बताया कि यहां हर जगह जलजमाव की समस्या है। उन्होंने कहा कि मैं दुकान खोलने आ रहा था, लेकिन बारिश से जाम इतना लगा हुआ है कि मैं अपना वाहन अंदर नहीं ला सका। इसलिये पैदल चलकर आना पड़ रहा है। आरोप है कि शिकायत के बाद भी निगम कर्मचारी जलजमाव की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। नई सड़क स्थित अपना बाजार में गली के हालात को दिखाते केवल कुमार ने बताया कि यहां इतनी संकरी गलियां हैं, जिनमें कोई निगम कर्मी काम करने नहीं आता। अभी तो बारिश हल्की हो रही है, लेकिन तेज बारिश होने पर सीवर का पानी हमारे घरों में घुस जाता है।

कीचड़ से फिसलने का डर-वहीं, सदर बाजार की गलियों में भी कीचड़ से बुरा हाल दिखा। यहां कई दुकानदार और स्थानीय लोग जमे पानी और कीचड़ को साफ करते दिखे। स्थानीय निवासी ने बताया कि गलियों में इतने गड्ढे हो गए हैं कि इसमें लोग गिर जाते हैं। कीचड़ से फिसलने का डर बना रहता है। कई बार यहां स्कूटी गिर जाती है। उन्होंने बताया कि कल ही यहां एक रिक्शा पलट गया था। जलजमाव के कारण वाहन पलटने से कई लोगों के साथ हादसा हो चुका है।

दिल्ली के किसानों को अब पराली जलाने की कोई जरुरत नहीं, दूसरे राज्य भी करें ये काम- सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा किए गए एक ऑडिट में पराली प्रबंधन में पूसा बायो डी-कंपोजर का उपयोग अत्यधिक प्रभावी पाया गया है जो एक माइक्रोबियल घोल है. केजरीवाल ने साथ ही केंद्र से आग्रह किया कि वह पड़ोसी राज्यों से इसे किसानों को मुफ्त में वितरित करने के लिए कहे. सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार समाधान निकालने में विश्वास रखती है और पराली की समस्या को लेकर उसने पिछले साल समाधान निकाला था. उन्होंने कहा कि पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा तैयार बायो डी-कंपोजर बनाया गया, जिससे किसानों को बड़ी राहत मिली है.

सीएम केजरीवाल ने कहा कि पिछले साल दिल्ली सरकार ने पराली को लेकर बड़ा काम किया था. तब दिल्ली सरकार ने दिल्ली के 39 गांव में 1935 एकड़ जमीन पर बायो डी-कंपोजर का छिड़काव कराया था. उनकी मानें तो इन गांवों में किसान आज बहुत खुश हैं. उन्होंने कहा कि आज पराली जलाने की आवश्यकता दिल्ली के किसानों को नहीं है. साथ ही सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार पड़ोसी राज्य सरकारों को भी निर्देश दें कि वे भी बायो डी-कंपोजर का छिड़काव कराएं. केंद्र सरकार के द्वारा बनाए गए एयर क्वालिटी कमीशन में दिल्ली सरकार द्वारा यह जानकारी भी दी गई कि अब पराली का समाधान मिल गया है.

बहुत उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं- केजरीवाल ने कहा कि अक्टूबर में पड़ोसी राज्यों द्वारा पराली जलाना दिल्ली में वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के पीछे एक प्रमुख कारक है. केजरीवाल ने कहा कि किसानों की गलती नहीं है. सरकारों की गलती है क्योंकि उन्हें समाधान पेश करना था. उन्होंने कहा कि पिछले साल, दिल्ली सरकार ने बायो डी-कंपोजर मुफ्त में वितरित किया, जिसका उपयोग किसानों ने 39 गांवों में 1,935 एकड़ भूमि पर पराली को खाद में बदलने के लिए किया. केंद्र सरकार की एक एजेंसी, डब्ल्यूएपीसीओएस द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में बायो डी-कंपोजर के उपयोग पर बहुत उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं.

मामले में उनके निजी हस्तक्षेप का अनुरोध करेंगे- उन्होंने कहा कि नब्बे प्रतिशत किसानों ने दावा किया कि घोल 15-20 दिनों में पराली को खाद में बदल देता है. उन्होंने कहा कि साथ ही मिट्टी में कार्बन की मात्रा 40 फीसदी, नाइट्रोजन 24 फीसदी, बैक्टीरिया सात गुना और फंगस तीन गुना बढ़ गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि गेहूं के अंकुरण में भी 17-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई. उन्होंने कहा कि हम केंद्र से अपील करते हैं कि वह राज्यों से कहे कि वे किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए बायो-डीकंपोजर मुफ्त में बांटें. केजरीवाल ने कहा कि वह ऑडिट रिपोर्ट के साथ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से मुलाकात करेंगे और मामले में उनके निजी हस्तक्षेप का अनुरोध करेंगे.

मंदिर परिसर में गणेशोत्सव पर अभावग्रस्त परिवारों की दो कन्याओं का कराया विवाह

नई दिल्ली। दिल्ली में गणेश उत्सव के मद्देनजर लोगों द्वारा घरों में गणेश मूर्ति की स्थापना कर पूजा अर्चना की जा रही है. लेकिन इस पावन दिनों में ऐसे कार्य भी कएि जा रहे हैं जोकि अभावग्रस्त परिवारों की गरीब कन्याओं का परिणय सूत्र में बांधने वाले हैं. स्वामी राजेश्वरानन्द महाराज ने शाहदरा गोरखपार्क स्थित श्रीराजमाता झंडेवाला मंदिर के गणेशोत्सव के दिन अभावग्रस्त परिवारों की दो कन्याओं का विवाह कराने का पुण्यकार्य किया है.

स्वामी राजेश्वरानंद महाराज का कहना है कि ध्यान रखें कि भगवान की जो भी पूजा अर्चना रूपी पुण्यकार्य करें उसमें परहित अवश्य समाहित हो. संस्थान के सहप्रबन्धक रामवोहरा ने बताया कि पूरे भारत में गणेशोत्सव पूरी श्रद्धा से मनाया जा रहा है.

गणेश पूजन के दिनों में गणेशजी की पूजा अर्चना करने के साथ स्वामी श्री राजेश्वरानन्द महाराज के पावन सान्निध्य में अभावग्रस्त परिवारों की दो कन्याओं का विवाह सनातन संस्कृति के अनुसार सम्पन्न कराए गए. इसमें एक कन्या निशा तलाकशुदा थी. उसके जीवन में फिर से खुशहाली की भावना से उसका विवाह कीर्तिप्रसाद के साथ किया गया.

इनके परिजनों ने कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते हम बेटियों के हाथ पीले करने की चिंता से परेशान थे. लेकिन जब स्वामीजी के सम्पर्क में आये तो हमारी चिंता का निवारण हुआ और हमें बहुत खुशी मिली. पंडित राम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वर-वधुओं कि जयमाला कराई. वर-वधू दोनों पक्षों के लिए सुन्दर भोजन की व्यवस्था की गई थी. संस्थान की ओर से नवदम्पत्तियों को विदाई के समय पंखे, बिस्तर, वस्त्र, बर्तन, आभूषण, पलंग, घरेलू उपयोग की चीजें उपहार स्वरूप दी गई.

इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानन्द महाराज ने कहा कि भगवान के विभिन्न रूपों की पूजा अर्चना के रूप में महोत्सव मनाते हुए प्रयासरत रहें कि मात्र इच्छाओं से ऊँचा उठकर कुछ ऐसे कार्य भी किए जाएं जिससे किसी अभावग्रस्त को सहायता भी मिल जाए. कन्यादान महादान की विचारधारा से विवाह करने के बाद मन को ऐसा महसूस हो रहा है जैसे गणेशजी के साथ रिद्धि सिद्धि की भक्ति भी प्राप्त हो गई हैं.

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, आइए और चांदनी चौक की बदली हुई तस्वीर को अनुभव कीजिए

नई दिल्ली। दिल्ली में राज कर रही आम आदमी पार्टी राजधानी को और सुंदर बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में सबसे पुराने चांदनी चौक के एक हिस्से को सुंदर और आकर्षक बनाने का काम किया गया है। रविवार को सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस सुंदरीकरण का बकायदा उद्घाटन किया और उसे जनता को समर्पित किया। अब स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने इसका एक वीडियो भी ट्वीट किया है। इसी ट्वीट के साथ उन्होंने लिखा है कि न टूटी सड़कें, न ट्रैफिक जाम और न कोई भीड़-भाड़, कुछ ऐसा दिखता है अब हमारा चांदनी चौक!

इससे पहले नई दिल्ली लाल किला से फतेहपुर मस्जिद तक वाहनों की पार्किंग व रेहड़ी-पटरी वालों के कारण पूरा मार्ग हमेशा जाम की जद में रहता था। इसके साथ ही लटकते तार, सीवर का बहता पानी, कूड़े के ढेर इसकी पहचान बन चुके थे, लेकिन अब इसकी तस्वीर बदल गई है। यह आकर्षक होने के साथ ही आरामदेह हो गई है। इस तस्वीर को बदलने का सपना तो कांग्रेस सरकार में भी देखा गया था, लेकिन इसे अमलीजामा पहनाने का काम मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में हुआ है। 27 अगस्त 2018 को चांदनी चौक के पुनर्विकास का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया था। मुख्य परियोजना पर मार्च 2019 में कार्य शुरू किया गया। चांदनी चौक कारिडोर का नोटिफिकेशन जून 2021 में हुआ था। कारिडोर की लंबाई 1.4 किलोमीटर है और चौड़ाई 26 से 30 मीटर है।

सुविधाओं का रखा ख्याल- चांदनी चौक के पुनर्विकास में आम जनता की सुविधाओं का भी पूरा ख्याल रखा गया है। चांदनी चौक कारिडोर की लंबाई के साथ बलुआ पत्थर के बोलर्ड लगाकर जोनों को अलग किया गया है। लोगों की सहूलियत का ख्याल रखते हुए चार शौचालय व दो पुलिस पोस्ट बनाए गए हैं।

साथ ही, वाटर एटीएम, एसएस कूड़ेदान और बैठने के लिए पत्थर की सीटें लगाई गई हैं।

पर्यटकों की सुरक्षा के लिए ये इंतजाम किए गए हैं- 197 इलेक्ट्रिक पोल लगाए गए हैं।124 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 100 बुलेट कैमरे लगाए गए है, इससे चोरी व झपटमारी पर लगाम लगाई जा सकेगी 23 एनपीआर कैमरे यातायात को नियंत्रित करने के लिए लगाए गए हैं 01 आरएलवीडी कैमरा लाल किला जंक्शन पर लगा है। 17 बूम बैरियर यातायात की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए सड़कों पर लगाए गए हैं।17 एनपीआर कैमरे बूम बैरियर वाले स्थानों पर अभी लगाए जाने हैं, इससे यातायात नियमों का उल्लंघन रुकेगा

साफ-सफाई की व्यवस्था- नियमित रूप से साफ-सफाई के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चांदनी चौक कारिडोर के एरिया में प्रतिदिन सफाई की जाएगी। पर्यावरण के अनुकूल बैट्री चालित स्क्रबर और स्वीपर के माध्यम से मशीन से सफाई की जाएगी। साथ ही, सड़क पर लगाए गए सभी फर्नीचर जैसे- बोलसर्ड और बेंचों की नियमित सफाई और धुलाई की जाएगी।

गोल्फ कार्ट और रिक्शे से करें सफर- वाहनों का प्रवेश बंद है तो आने जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए गोल्फ कार्ट और पैडल रिक्शे की व्यवस्था रहेगी। खास बात यह है कि रिक्शों के लिए नंबर और रिक्शा चालकों के लिए प्रवेश पत्र जारी किया गया है। इनका किराया भी 10 रुपये व 20 रुपये निर्धारित है।

महिला शक्ति का सपना हुआ साकार- पुनर्विकास परियोजना में महिला शक्ति का दम दिखा। इस परियोजना को साकार करने में परियोजना की मुख्य नोडल अधिकारी रेनू शर्मा, एसआरडीसी की प्रबंध निदेशक गरिमा गुप्ता, पीडब्ल्यूडी की सचिव दिलराज कौर, नगर निगम की उपायुक्त शशांका आला और मध्य दिल्ली की जिलाधिकारी आकृति सागर का बड़ा योगदान रहा। उद्घाटन अवसर पर इन अधिकारियों की मौजूदगी आकर्षण के केंद्र में रहीं।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2 करोड़ की हेरोइन के साथ तीन शातिर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने यहां हेरोइन की कथित रूप से आपूर्ति करने को लेकर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारियों ने रविवार को बताया कि कुल 1.1 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गयी, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो करोड़ रुपये से अधिक आंकी गयी है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुल्तानपुरी निवासी हुकुम चंद (45) और रोहित (32) तथा उत्तर प्रदेश में बरेली जिले के निवासी शाहिद खान (58) के रूप में हुई है.

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि हुकुम चंद हेरोइन की आपूर्ति करने के लिए सुल्तानपुरी के धन धन सतगुरु पार्क में आएगा. उन्होंने बताया कि इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 16 अगस्त को पहली गिरफ्तार हुई. पुलिस उपायुक्त (अपराध), चिन्मय बिस्वाल ने बताया कि हुकुम चंद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई. उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान चंद ने बताया कि उसने हेरोइन रोहित से खरीदी थी. रोहित को 18 अगस्त को सुल्तानपुरी इलाके से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 100 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी. पुलिस ने बताया कि रोहित से पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने खान से दो किलोग्राम हेरोइन खरीदी थी.

उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में छापे मारे जा रहे हैं- उन्होंने बताया कि यह पाया गया कि बरेली पुलिस ने 18 अगस्त को खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी, और वह तभी से जेल में बंद है. उसके खिलाफ बरेली के फतेहगंज पूर्व थाने में मामला दर्ज किया गया है. बिस्वाल ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने एक सितंबर को खान को गिरफ्तार किया और जांच के लिए उसे यहां लेकर आयी. पुलिस ने बताया कि खान से पूछताछ में पता चला कि वह हेरोइन विनिर्माता है और उसमें उसके रिश्तेदार तथा कुछ सहयोगी मदद करते हैं. उन्होंने बताया कि खान के सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए बरेली और उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में छापे मारे जा रहे हैं.

राकेश टिकैत ने यूपी गेट पर संभाला मोर्चा, भारत बंद को सफल बनाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आगामी 27 सितंबर को भारत बंद का एलान किया गया है। इस बाबत संयुक्त किसान मोर्चा के साथ-साथ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत की सक्रियता भी बढ़ गई है। पिछले कई दिनों से किसान नेता राकेश टिकैत यूपी गेट पर धरनारत किसान प्रदर्शनकारियों के बीच मौजूद हैं और 27 सितंबर को आयोजित भारत बंद को सफल बनाने की रणनीति पर काम हो रहा है।

शुरू हुआ बैठकों का दौर- भारत बंद को सफल बनाने की रणनीति के तहत भारतीय किसान यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा ने बैठकों का दौर तेज कर दिया है। पिछले दिनों गाजीपुर बार्डर पर आंदोलन कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि गाजीपुर बार्डर पर किसानों की संख्या को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के जिलों में ब्लॉक स्तर पर बैठक करके रोटेशन व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके साथ ही इस व्यवस्था को और मजबूत किया किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि भारत बंद को सफल बनाने के लिए एक बार फिर यूपी गेट पर किसानों की संख्या में इजाफा हो सकता है। अब तक जितने भी भारत बंद हुए हैं, वह दिल्ली-एनसीआर में बेअसर साबित हुए हैं। क्य और ख्यरूने भी दिल्ली में भारत बंद कराने पर जोर नहीं दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि किसान दिल्ली को भारत बंद से मुक्त रख सकते हैं। वहीं, भारत बंद के मद्देनजर यूपी बार्डर के अलावा शाहजहांपर,टीकरी और सिंघु बार्डर पर किसान प्रदर्शनकारियों में इजाफा हो सकता है। इस बाबत संयुक्त किसान मोर्चा के गाजीपुर बॉर्डर पर मौजूद प्रवक्ता किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने बताया कि उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के जिलों में 11 तारीख से ही बैठकों का दौर प्रारंभ हो गया है, जिसमें किसानों मजदूरों ने सरकार के रवैये को देखते हुए लंबी लड़ाई का मन बना लिया है। उन्होंने जानकारी दी है कि आंदोलन के साथ-साथ खेती भी जारी रहे, इसलिए क्षेत्रवार रोटेशन व्यवस्था बनाई गई है।

जगतार सिंह बाजवा की मानें तो संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भारत बंद शांतिपूर्वक होगा। इस दौरान यानी 27 सितंबर को किसी भी तरह की हिंसा भारत बंद के दौरान नहीं हो, इसका भी पुख्ता इंतजाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत बंद के दौरान आंदोलन को बदनाम करने के उद्देश्य से साजिशन हिंसा कराने की फिराक में जो लोग होंगे उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

तीनों निगमों के विलय की मांग को लेकर पीएम मोदी को पत्र, लिखा- बंटवारे से बढ़ी अव्यवस्था

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम कर्मचारी महासंघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तीन नगर निकायों- उत्तर, पूर्व और दक्षिण के विलय की मांग की है. एमसीडी कर्मचारी संघ के परिसंघ ने अपने पत्र में कहा है कि उन्होंने 1957 और 2012 के बीच वेतन में और पेंशन में देरी की समस्याओं का सामना कभी नहीं किया, लेकिन नगर निगम के विभाजन के बाद ये स्थिति उत्पन्न होने लगी है. बता दें कि भाजपा शासित तीनों नगर निकायों के चुनाव अगले छह महीनों में होने वाले हैं.

दिल्ली नगर निगम को अप्रैल 2012 में शीला दीक्षित सरकार द्वारा तीन भागों में विभाजित किया गया था. नॉर्थ एमसीडी की ओर से वेतन भुगतान में हो रही देरी के कारण पिछले दो वर्षों में, डॉक्टरों, नर्सों, शिक्षकों और स्वच्छता कर्मचारियों की यूनियनों द्वारा कम से कम 12 हड़तालें और विरोध प्रदर्शन हुए हैं. यूनियन ने कहा है

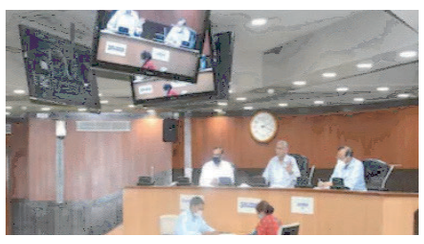

कि नगर निगम के तीन भाग में बंटवारे के कारण संसाधनों का असमान वितरण हो गया है और तीन कार्यालयों को अनावश्यक रूप से चलाने के कारण धन की बर्बादी हो रही है.

दिल्ली में वित्तीय बोझ भी तीन गुना बढ़ा- पत्र में कहा गया है, 'दक्षिण दिल्ली नगर निगम को छोड़कर, उत्तर और पूर्व की वित्तीय स्थिति बहुत गंभीर है. दक्षिण में पड़ने वाले अधिकांश क्षेत्रों में उच्च सर्किल दरें हैं, जिसके कारण क्षेत्र में विभिन्न नगरपालिका करों द्वारा वहां राजस्व वसूली भी अधिक है.' कंफेडरेशन ने कहा है कि विभाजन के बाद से, वित्तीय बोझ कम से कम तीन गुना बढ़ गया, क्योंकि तीन नागरिक निकायों को आयुक्तों और अन्य उच्च अधिकारियों, तीन महापौरों और उप महापौर, अध्यक्ष स्थायी समितियों के अध्यक्ष और उनके उपाध्यक्षों के साथ-साथ क्षेत्रीय विशेष समितियों के तीन प्रशासनिक ढांचों को पूरा करना पड़ रहा है.

पत्र में कहा गया है, 'पुरानी 20 एमसीडी समितियां तीन गुना से अधिक बढ़कर अब 75 समितियों तक पहुंच गयी हैं. तीन भाग में विभाजित किये जाने से पहले, एकीकृत एमसीडी के कामकाज को नियंत्रित करने के लिए केवल एक महापौर, एक आयुक्त और स्थायी समिति का एक अध्यक्ष होता था. उनके कार्यालयों और अन्य कार्यों पर होने वाला खर्च मौजूदा निगमों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ है.'

सब्जी मंडी इमारत हादसे में अब तक 2 बच्चों की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक भीषण हादसा हुआ है. सब्जी मंडी इलाके में एक चार मंजिला इमारत सोमवार को अचानक भर भराकर ढह गई. इस हादसे से आसपास के लोग दहशत में है. वहीं, सूचना के बाद मौके पर बचाव दल पहुंच गया है. रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. अभी तक मलबे के नीचे दबे 2 बच्चों सहित कुल 3 लोगों को बचाया गया है. इनमें से एक व्यक्ति के सिर में चोटें आई हैं. उसे अस्पातल में भर्ती कराया गया है.

बचाव अभियान के लिए स्थानीय पुलिस, एमसीडी, एनडीआरएफ सहित अन्य की टीमें मौके पर मौजूद हैं. वहीं, ज्वाइंट सीपी एनएस बुंदेला ने बताया कि हमें मलबे में फंसे लोगों की संख्या का आकलन करने के लिए थोड़ा समय चाहिए. सूचना के मुताबिक, नीचे दुकानें थीं और ऊपर की मंजिलों में लोग रह रहे थे. वहीं, हादसे की वजह से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया है. इस वक्त मौके पर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद हैं. इसके अलावा मौके पर दमकल की कई गाडियां मौजूद हैं.

इस मामले में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मेयर राजा इकबाल सिंह ने न्यूज़ 18 से कहा कि दिल्ली पुलिस और एमसीडी के लोग लगे हुए हैं. जहां हादसा हुआ है वह मार्केट 100-150 साल पुरानी है. अचानक बारिश की वजह ये हाल हुआ है.

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग में निर्माण कार्य चल रहा था. जिस समय हादसा हुआ, उस समय अंदर कई मजदूर थे. यही नहीं, इस बिल्डिंग की पहली और दूसरी मंजिल पर कई परिवार रहते हैं. जबकि नीचे दुकानें थीं. इसके अलावा बिल्डिंग के संकरी गलियों में होने के कारण दमकल विभाग को भारी मशीनरी के परिवहन ले जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ा. अब रेस्क्यू ऑपरेशन मशीनों के जरिए किया जा रहा है.

ईडी के नोटिस पर आप विधायक राघव चड्ढा ने कहा- अरविंद केजरीवाल के बढ़ रहे प्रभाव से घबराई भाजापा

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र सरकार के बीच एक बार फिर राजनीतिक जंग शुरू होने के आसार नजर आ रहे हैं। ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी को नोटिस जारी किया है। सोमवार दोपहर में आप विधायक राघव चड्ढा ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार एजेंसियों का गलत उपयोग कर रही है। मोदी जी की केंद्र सरकार कितने भी नोटिस भेज ले, हम डरने वाले नही हैं। उन्होंने कहा कि ईडी मोदी जी की पसंदीदा एजेंसी है। नोटिस पंकज गुप्ता के नाम से भेजा गया है। मनी लान्ड्रिंग मामले में यह नोटिस आया है। उनसे बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि यह एजेंसी भाजपा के प्रकोष्ठ की तरह काम कर रही है। साथ ही कहा कि अरविंद केजरीवाल के बढ़ रहे प्रभाव से भाजपा घबरा गई है, इसलिये ऐसे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

इससे पहले ईडी के नोटिस मिलने पर आप विधायक राघव चड्ढा ने ट्वीट कर कहा- मोदी सरकार की फेवरेट एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से आम आदमी पार्टी को लव लेटर मिला है। मैं आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पर दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा और आप के खिलाफ बीजेपी की बदले की कार्रवाई को एक्पोज करूंगा।

मिली जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय ने आम आदमी पार्टी को चार फर्जी कंपनियों के जरिए चंदा लेने के आरोप में नोटिस भेजा है। पूरा मामला फरवरी, 2014 का बताया जा रहा है। इस मामले में आरओसी ने 4 फर्जी कंपनियों के जरिये आम आदमी पार्टी को 2 करोड़ रुपये मिलने की शिकायत पुलिस से की थी।

संपादकीय

विस्तार की राह पर आरक्षण

पिछड़ी और अनुसूचित जातियों की सूची में आना-जाना, जुड़ना-घटाना वस्तुत- जनतंत्र में राज्य द्वारा प्रदत्त अवसरों, सुविधाओं एवं सामाजिक समूहों को गतिमान बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ा है। ऐसे में, राज्यों को ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियों) की सूची बनाने और उसमें जोड़-घटाव करने की शक्ति का मिलना एक सकारात्मक कदम है। राज्य सरकारें तुलनात्मक रूप से राज्य की जनता के अधिक करीब होती हैं, वे उनमें हो रहे बदलावों को पास से देख एवं समझ रही होती हैं। ऐसे में, ओबीसी में किन जातियों को जुड़ना चाहिए या किन्हें अलग करना चाहिए, यह अधिकार केंद्र से राज्यों को स्थानांतरित होना जरूरी ही था। साथ ही, उन्हें इसमें बदलाव करने की वैधानिक शक्ति का दिया जाना भी भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक जरूरी और निर्णायक कदम है।

ओबीसी से किसी जाति या समूह का जुड़ना भारतीय जनतंत्र द्वारा प्रदत्त विकास के अवसरों से जुड़ जाना है, इसीलिए कई प्रभावी जातियां जो पहले ऊंचे सामाजिक ओहदे पर बैठी (ऊंची जातियां) मानी जाती रही हैं, वे अब 'अन्य पिछड़ी जातियों' की श्रेणी में आना चाहती हैं। पहले भारतीय समाज में ऊंची जाति होने की होड़ थी, अब ओबीसी एवं अनुसूचित जाति की सूची में आने की प्रतिद्वंद्विता मची है।

ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि जनतंत्र ने शक्ति एवं सम्मान के प्रतीकों में बड़ा बदलाव किया है। पहले की समाज व्यवस्था में ऊंचे पायदान पर खड़ी जातियों को जो सामाजिक अवसर व सम्मान हासिल था, वह क्षरित तो हुआ ही है, साथ ही, जनतंत्र एवं आधुनिकता ने विकास, गतिशीलता व सम्मान के नए अवसर निर्मित किए हैं, जो ओबीसी और अनुसूचित जाति जैसी कोटियों में शामिल होने से ही मिल सकता है। यूं तो ओबीसी की प्रभावी जातियां अंग्रेजों के जमाने में ही अपनी विकसित हो रही राजनीतिक व जनतांत्रिक आकांक्षाओं के कारण ऊंचे पायदान पर बैठी जातियों से प्रतिद्वंद्विता करने लगी थीं, किंतु आजादी के बाद देश के बड़े नेता राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में संगठित एवं गोलबंद हो, विकास के अवसरों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग रखी थी। उस वक्त एक नारा पिछड़ा मांगे सौ में साठ देश के गांव-गांव में गूंजने लगा था। मध्यवर्ती जातियों में आगे बढ़ने एवं ऊंची जातियों के सामाजिक-राजनीतिक महत्व को चुनौती देने की चाह बढ़ने लगी थी। हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणु का उपन्यास मैला आंचल व अन्य कहानियां अत्यंत सजीव ढंग से आजादी के बाद के इस परिवर्तन को रेखांकित कर रही थीं। इसी चाहत ने आगे चलकर इतनी बड़ी राजनीतिक शक्ति प्राप्त कर ली कि इन सामाजिक समूहों के अपने नेता व अपनी पार्टियां बनने लगीं। इन्हीं बढ़ती हुई 'अन्य पिछड़ी जातियों' की राजनीतिक शक्ति व आकांक्षाओं के दबाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गईं। इसने ओबीसी से जुड़ने को एक बड़े अवसर में बदल दिया। परिणाम यह हुआ कि कई जातियां और सामाजिक समूह ओबीसी श्रेणी से जुड़ने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने लगे। महाराष्ट्र में मराठा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा में जाट, कर्नाटक में लिंगायत, गुजरात में पटेल अपने-अपने राज्य में प्रभावी सामाजिक समूह हैं। ये जातियां पिछले दशकों से ओबीसी श्रेणी में आने की लड़ाई लड़ रही हैं। इन राज्यों में किसी की भी सरकार हो, वह इन समूहों को नाराज नहीं करना चाहेगी। फलत- कई बार इन्हें ओबीसी श्रेणी में लाने की चाहत राज्य सरकारों ने जाहिर की, लेकिन सांविधानिक अड़चनों और उनके अपने दायरों के कारण यह संभव न हो सका। अब संसद से पारित इस बिल से ऐसी अड़चनें दूर होंगी और ऐसे कई समूहों का ओबीसी श्रेणी से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

किंतु राज्यों को यह अधिकार मिलने की कुछ सीमाएं भी हैं और इससे कुछ प्रश्न भी उभरते हैं। पहली समस्या तो यही उभरती है कि अगर प्रभावी जातियां ओबीसी श्रेणी में आती हैं, तो क्या ओबीसी कोटि के प्रभावी सामाजिक समूहों के साथ इनका जनतांत्रिक सुविधाओं व अवसरों पर दावों के लिए टकराव बढ़ेगा। अगर ऐसा हुआ, तो एक राजनीतिक गोलबंदी तो बन सकती है, पर क्या इससे एक सामाजिक टकराव की स्थिति बनेगी? ऐसा हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे दैनिक जीवन के अपने दबाव समाज में स्वत- एक प्रकार का 'एडजस्टमेंट' या समायोजन पैदा कर देते हैं। फलत- ऐसे टकराव अगर हुए भी, तो शायद ज्यादा दिन नहीं चल पाएंगे। ऐसे तनाव संभव है, भीतर-भीतर तो प्रवाहित होते रहें, पर खुलकर सामने न आ पाएं। दूसरी स्थिति यह बनती है कि राज्यों को ऐसे अधिकार मिलने पर संभव है, राजनीतिक रूप से प्रभावी समूह ही इस कोटि में जुड़ने की लड़ाई जीत पाएं। ऐसे में, राज्य सरकारों को यह ध्यान रखना होगा कि संख्या बल में छोटे व कम प्रभावी सामाजिक समूहों को भी इस स्थिति का लाभ मिले। ऐसे में, राज्य सरकारों का यह नैतिक और वैधानिक दायित्व बनता है कि वे ओबीसी श्रेणी की छोटी-छोटी जातियों एवं सामाजिक समूहों को भी जनतांत्रिक सुविधाओं और अवसरों में उचित हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। उन्हें यह देखना होगा कि चंद प्रभावी सामाजिक समूह ही सामाजिक न्याय के अवसरों के अधिकांश पर कब्जा न कर लें। इस प्रक्रिया में एक और अहम बात यह है कि राज्यों को मिल रहे ओबीसी निर्धारण अधिकार के न्यायपरक उपयोग के लिए जाति आधारित जनगणना अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद जरूरी हो जाएगी। यदि जाति-जनगणना होती है, तो सत्ता और सरकारों को यह देखना होगा कि इससे जो सामाजिक समूह संख्या बल में प्रभावी होकर उभरेंगे, उन्हीं सामाजिक समूहों के हाथों में शक्ति व विकास के अवसर न केंद्रित हो जाएं। ऐसे में, आंकड़े और संख्या को हमें सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन की स्थिति से जोड़कर रखना, समझना व समझाना होगा, ताकि छोटे संख्या बल वाले सामाजिक समूहों के हितों की रक्षा हो सके। भारतीय जनतंत्र में कई बार संख्या बल मुक्तिकारी होता है, तो कई बार वह दमित करता है। हमें जनतंत्र के हर लाभ को नियोजित करते वक्त यह देखना होगा कि किस प्रकार राज्य द्वारा प्रदत्त लाभ समाज के सीमांत पर बैठे आदमी तक पहुंच पाए, जो गांधी व आंबेडकर जैसे महापुरुषों का सपना रहा है। संभव है, ऐसे सुधारों को अगर सम्यक ढंग से लागू किया जाए, तो भारत का जनतंत्र सही मायने में सामाजिक जनतंत्र का रूप ले पाएगा।

प्रवीण कुमार सिंह

संस्कृत भारत की सभ्यता और संस्कृति के मूल को करती है परिभाषित

यही नहीं वैचारिक सहिष्णुता जिस तरह संस्कृत की समृद्ध और विद्वता से परिपूर्ण परंपरा में निरंतर प्रवाहित और पोषित होती रही वैसा उदाहरण दूसरी जगह नहीं मिलता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि संस्कृत से जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। यह वैचारिक खुलापन ही है कि संस्कृत विद्या में विभिन्न मत-मतांतर निरंतर विकसित होते रहे हैं। अत- संस्कृत के अध्ययन को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना लाभकारी होगा। आज विश्व जिन चुनौतियों से जूझ रहा है उनके लिए जिस वैश्विक दृष्टि की आवश्यकता है उसके सूत्र भी संस्कृत की ज्ञान परंपरा में हैं। संस्कृत विचारों की विविधता का स्वागत करते हुए विश्व के लिए सामंजस्य का मंत्र देती है।

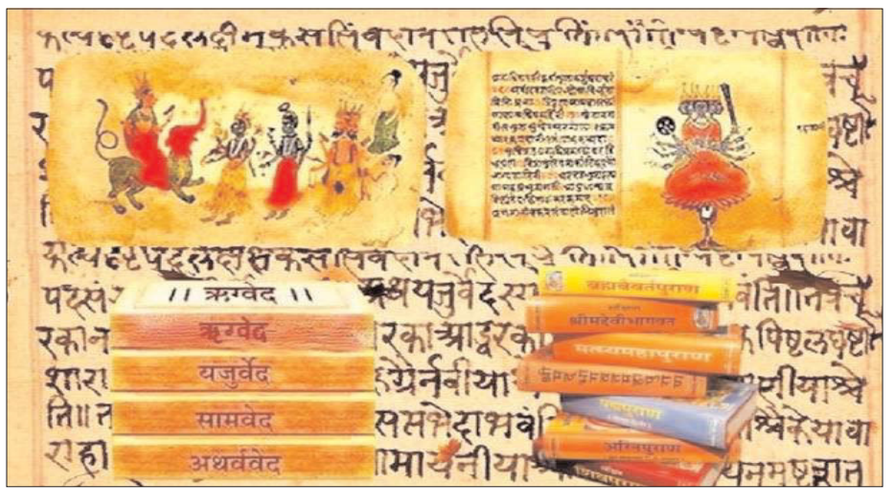

भाषा और विचार एक-दूसरे से गुंथे रहते हैं। हम जो बोलते हैं वह सिर्फ हमारे सोच को ही नहीं बताता, बल्कि हमारे सोच को प्रभावित भी करता है। शब्दों का अर्थ-विस्तार भी अद्भुत होता है। उदाहरण के लिए धर्म, आत्मा, योग, प्राण, रस और ब्रह्म जैसे शब्दों की व्याख्या युगों-युगों से होती आ रही है। अभी भी इनके नए-नए अर्थ खुलते जा रहे हैं। इस दृष्टि से संस्कृत भाषा का अकूत शब्द भंडार विचार, ज्ञान और बौद्धिक विमर्श की दुनिया को विलक्षण रूप से विस्तृत करता है। भारतीय समाज के पढ़े-लिखे तबके में खासतौर पर वे लोग जिन्हें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा मिली है, उनके मन में संस्कृत को लेकर एक बिदकन है। वे उसकी ओर हिकारत भरी नजरों से देखते हैं। परिणामस्वरूप बिना जाने-समझे ही पूर्वाग्रह के चलते संस्कृत को दकियानूसी, पुरातात्विक, अवैज्ञानिक, पारलौकिक, अव्यावहारिक और उन्नति में अवरोधक आदि मानने वालों की बड़ी भारी संख्या हो चली है। ऐसे लोग यह भूल जाते हैं कि देशवासी होने के नाते यदि सिर्फ भारत और भारतीयता का अर्थ ही समझना हो तो भी उन्हें संस्कृत के पास ही आना पड़ेगा।

वास्तव में संस्कृत भारत की सभ्यता और संस्कृति के मूल को परिभाषित करती है। यह अलग बात है कि भारत को अंग्रेजों ने 'इंडिया' का नाम दे दिया था। नियति का खेल ऐसा हुआ कि उसे ही मूल मान लिया गया। देश के संविधान में भारत उसका अनुवाद हो गया (इंडिया, दैट इज भारत!)। मालूम हो कि अंग्रेजी शब्दकोश 'इंडियन' शब्द को अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडीज (ईस्ट तथा वेस्ट) और दक्षिण अफ्रीका के मूल निवासियों के अर्थ में प्रयोग का उल्लेख करते हैं। अंग्रेज भारत को इसी तरह की पिछड़ी जनजाति के समूह के अर्थ में प्रयोग कर रहे थे जिसमें औपनिवेशिक अधीनता की ध्वनि गूंजती है और एक सीमित दृष्टि स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। दूसरी तरफ 'भारत' शब्द देश की प्राचीनता और सभ्यतामूलक अर्थ को दर्शाता है। वेद, पुराण, महाकाव्य और जन साधारण में 'भारत' का व्यापक अर्थ अभी भी मौजूद है। उनकी व्याख्या अंग्रेजी के 'इंडियन' से निश्चित ही अधिक पुरानी और प्रामाणिक है। हमारे मन में 'भारत' जिस जीवंत परिकल्पना को जन्म देता है वह चिरंतन, व्यापक, समावेशी, स्वायत्त और समृद्ध है, जबकि 'इंडिया' एक चुनिंदा आधुनिक फैशन को याद दिलाता है। अर्थात एक शब्द हमें उदार बनाता है तो दूसरा संकोची मन को जन्म देता है। दरअसल संस्कृत की अज्ञानता से ही इसके बारे में फैले भ्रमों को बड़ा बल मिला है, जो अंग्रेजों द्वारा स्थापित भारत की शिक्षा व्यवस्था का एक स्वाभाविक कुपरिणाम है।

अंग्रेजों का सबसे बड़ा अपकार (जिसे हममें से अनेक लोग उपकार भी समझते हैं!) यही है कि उन्होंने हमको हमसे छीन लिया, हमारी पहचान बदल दी, हमें नया इतिहास दे दिया और दुनिया देखने का एक दूसरा चश्मा थमा दिया। उन्होंने हमें अपने स्वरूप को भी समझने के लिए एक पराया आईना पेश कर दिया। इस तरह हम भारतवासी स्वयं को न सिर्फ कमतर आंकते गए, बल्कि कमतर भी होते गए, क्योंकि हमारे नए आईने और नजरिये ने हमारे स्वरूप का रूपांतरण कर दिया। हम खुद को नापसंद करने लगे और दोयम दर्जे से ऊपर उठने के लिए पश्चिम की अंधाधुंध नकल करने में व्यस्त होते गए।

इसका असर कुछ ऐसा हुआ कि गांधी जी के 'स्वराज' का प्रकाश स्वतंत्रता के बाद की अवधि में ओझल होता गया। 'भारत' नामक अग्नि की चिंगारी राख में दब गई। स्वराज का अर्थ अपना और अपने ऊपर राज था। यह आत्मनियंत्रण, चरित्र निर्माण और मूल्यबोध की अपेक्षा करता था। इसका अर्थ निरपेक्ष स्वतंत्रता या स्वच्छंदता तो कदापि न था, पर हमने स्वाधीनता का अर्थ 'इंडिपेंडेंस' लगाया। दुर्भाग्यवश अंग्रेजों द्वारा गुलाम देश के लिए जिस अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजी शिक्षा को लागू किया गया था वह संस्कृत के प्रति दुर्भावनाग्रस्त थी। उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा अनुपस्थित थी। थोड़े बहुत हेर-फेर के साथ हमने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी उसे ही बदस्तूर जारी रखा। हालांकि इसके लाभ मिले, पर कुछ चुने हुए लोगों को न कि आम जन को। भारतीय भाषाओं की उपेक्षा का परिणाम यह हुआ कि वे उस गति से आगे नहीं बढ़ सकीं कि अंग्रेजी का स्थान ले पातीं। जीवन के मूल आधारों को छोड़कर विकास की कोई परिकल्पना दिग्भ्रमित करने वाली होती है।

देखा जाए तो संपूर्ण मानव सभ्यता को आगे बढ़ाने में संस्कृत भाषा ने अनेक प्रकार के योगदान दिए हैं। योग, आयुर्वेद, वेदांत, व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष के ज्ञान की उपयोगिता सर्वविदित है। इनके तमाम ग्रंथ अमूल्य थाती हैं, जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं। इनके अतिरिक्त संस्कृत जिन प्रवृत्तियों का पोषण करती है, वे बिना किसी पूर्वाग्रह के लोक कल्याण को बढ़ावा देती हैं। सृष्टि केंद्रित विश्व दृष्टि, प्रकृति के साथ सतत सामंजस्य, मनुष्य के स्वभाव तथा स्वरूप में उदात्तता, चैतन्य का विस्तार, पुरुषार्थ तथा सृजनात्मकता, परिष्कार की सतत आकांक्षा तथा संभावना जिस तरह संस्कृत की रचनाओं में अभिव्यक्त हुई हैं वैसा उदाहरण अन्यत्र दुर्लभ है। यही नहीं वैचारिक सहिष्णुता जिस तरह संस्कृत की समृद्ध और विद्वता से परिपूर्ण परंपरा में निरंतर प्रवाहित और पोषित होती रही वैसा उदाहरण दूसरी जगह नहीं मिलता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि संस्कृत से जीवन में सकारात्मकता का संचार होता है। यह वैचारिक खुलापन ही है कि संस्कृत विद्या में विभिन्न मत-मतांतर निरंतर विकसित होते रहे हैं। अत- संस्कृत के अध्ययन को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना लाभकारी होगा। आज विश्व जिन चुनौतियों से जूझ रहा है उनके लिए जिस वैश्विक दृष्टि की आवश्यकता है उसके सूत्र भी संस्कृत की ज्ञान परंपरा में हैं। संस्कृत विचारों की विविधता का स्वागत करते हुए विश्व के लिए सामंजस्य का मंत्र देती है।

अफवाहों की सबसे बड़ी विशेषता प्रामाणिक लगना और बड़े-बड़े आ जाते हैं उसके झांसे में

कुछ लोग अफवाहों की ऐसी एकल फैक्ट्री चलाते हैं कि पूछिए मत। उससे निकलने वाला झूठ देखते ही देखते ऐसा वायरल होता है कि लोगों की खोपड़ी घूम जाती है। अफवाहों की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि वे बड़ी प्रामाणिक भी लगती हैं। उनमें तारीख होती है। किसी पत्र या पत्रिका का जिक्र भी होता है। बाकायदा पृष्ठ संख्या भी होती है, जिसे पढ़कर व्यक्ति को लगता है, बात तो सही है। पिछले दिनों इसी फैक्ट्री से निकले एक समाचार पर मेरी नजर पड़ी। खबर चिरकुटलाल जी की फैक्ट्री में तैयार हुई थी। समाचार यह था, '1920 में अमेरिका के पेंसिलवेनिया में रहने वाले राबर्ट डिकोस्टा ने अपनी पुस्तक-फ्यूचर वर्ल्ड के पेज नंबर सत्रह में साफ-साफ लिख दिया था कि इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में क्योरोना नामक वायरस पूरी दुनिया में फैलेगा, जिसके शिकार होकर करोड़ों लोग मर जाएंगे। यह वायरस दो साल तक अपना असर दिखाएगा। फिर सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

इस समाचार को जब रामलाल ने वाट्सएप पर पढ़ा तो उसने श्यामलाल को फारवर्ड कर दिया। श्यामलाल ने उसे रामस्वरूप को भेज दिया। रामस्वरूप ने फलस्वरूप तक पहुंचा दिया। फलस्वरूप ने देवानंद को भेज दिया। देवानंद ने कलाकंद को और कलाकंद ने परमानंद के पास भेजकर कहा कि 'देखो पार्टनर, कोरोना के बारे में सौ साल पहले ही भविष्यवाणी हो गई थी।' इसके बाद उनके द्वारा बनाए कई और झूठ पक-कर बारी-बारी से देश-भ्रमण के लिए निकले। धड़ाधड़ वायरल होने लगे। अब किसको फुरसत है कि गूगल में जाकर उनकी सच्चाई को खंगाले।

उस दिन चिरकुटलाल जी से हमारी भेंट हो गई। हमने उनसे पूछ लिया, 'आप तो गजब की फैक्ट्री चलाते हैं। कमाल है।' मेरी बात सुनकर उन्होंने कहा, 'मगर, मेरी तो कोई फैक्ट्री नहीं है। मैं तो बेरोजगार संघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष हूं। गांव में खेती-बाड़ी है। साल भर का अनाज आ जाता है। उसे खाकर मगन रहता हूं और मुन्नाभाई और सर्किट के माफिक दिन भर लगा रहता हूं वाट्सएप में।' हमने कहा, 'लगे रहते हैं, यह तो बड़ी दुर्लभ घटना है। लगे ही रहना चाहिए, लेकिन अफवाह फैलाना ठीक बात नहीं। ऐसी कोई मनगढ़ंत कहानी नहीं लिखनी चाहिए, जिसे पढ़कर लोगों में भ्रम की स्थिति बन जाए। किसी की छवि खराब हो। इस काम से बचना चाहिए। किसी दिन लेने-के-देने न पड़ जाएं।' चिरकुटलाल मुस्कुराते हुए बोले, 'आज तक तो हमारा बाल भी बांका नहीं हो सका। होता भी कैसे? हम तो गंजे हैं। कहिए तो आपके बारे में भी कोई स्टोरी बना दूं।' मैंने उनको नमन किया और कहा, 'भगवान के लिए यह सब बंद करो। अफवाह फैलाना सबसे बड़ा पाप है।'

एक अफवाह के सिलसिले में जब मैंने चिरकुटलाल जी से पूछा, 'यह जानकारी आपको कहां से मिली', तो उन्होंने कहा, 'एक अखबार है-केम छे सारो छे। उसके पेज नंबर तीन पर यह खबर है।' मैंने गूगल में सर्च किया तो इस नाम का कोई अखबार ही नजर नहीं आया। मैंने डपटते हुए कहा, 'ऐसा तो कोई अखबार नहीं है!' इस पर चिरकुटलाल जी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'कल सपने में मैंने यह अखबार देखा था। और वह खबर भी मैंने देखी थी। यह सपना मैंने सुबह-सुबह देखा था और सुबह का सपना सच होता है, इसीलिए खबर बनाई है।' मैंने कहा, 'एक मछली भी सारे तालाब को गंदा कर देती है। एक झूठ दिल्ली से चलता है और पूरे देश में धीरे-धीरे फैल जाता है। अगर वायरल करने का शौक ही है तो अच्छी-अच्छी बातें वायरल कीजिए।' मेरी बात सुनकर चिरकुटलाल जी सिर खुजाने लगे और बोले, 'बाप रे! यह सब तो मुझसे न हो सकेगा। हम ठहरे उलटी खोपड़ी के आदमी और आप मुझे सीधी खोपड़ी का काम करने को कह रहे हैं।' इतना बोलकर वे श्याममुख हो गए। यानी चले गए। हम भी अपने काम में लग गए। कुछ दिनों बाद अखबार में छपी खबर देखी कि 'फर्जी खबरें वायरल करने वाले चिरकुटलाल पुलिस की गिरफ्त में।' यानी जिसका डर था बेदर्दी, वही बात हो गई।

तालिबान में फूट?

अमेरिकी फौज की वापसी के बाद तालिबान ने जितनी आसानी से काबुल पर कब्जा किया, उससे आगे की उसकी राह उतनी ही मुश्किल लग रही है। पिछले शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद नई सरकार का ऐलान किया जाने वाला था, लेकिन वह समयसीमा कब की खत्म हो चुकी। अभी तक यह भी साफ नहीं हुआ है कि अगली सरकार के स्वरूप को लेकर कोई सहमति बन पाएगी या नहीं और बनेगी तो कब तक। इस बीच तालिबान के विभिन्न धड़ों में मतभेद इतने गहरा गए हैं कि वे हिंसक संघर्ष के रूप में प्रकट होने लगे हैं।

काबुल से आ रही खबरों के मुताबिक हक्कानी ग्रुप के लड़ाकों से हुई ऐसी ही एक झड़प में मुल्ला अब्दुल गनी बारादर जख्मी हो गए और उनका पाकिस्तान में इलाज चल रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए कि अब तक खुद को अफगानिस्तान में शांति स्थापना की कामना तक सीमित बताने वाले पाकिस्तान को तत्काल अपनी कथित न्यूट्रल भूमिका से कूद कर ट्रबलशूटर के रोल में आना पड़ा। आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद शनिवार को ही काबुल पहुंच गए और सभी पक्षों से बातचीत के जरिए बीच का कोई रास्ता निकालने में लग गए।

इस बीच तालिबान लड़ाकों ने पंजशीर घाटी पर अपने कब्जे का दावा पेश कर दिया है। हालांकि नैशनल रेजिस्टेंस फ्रंट ने इन दावों को गलत बताते हुए लड़ाई जारी रखने की बात कही है, लेकिन तालिबान की ओर से जारी किए गए विडियो से साफ लगता है कि पंजशीर के प्रमुख ठिकानों पर वे काबिज हो चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस कब्जे के पीछे भी पाकिस्तान का हाथ बताया जा रहा है। नैशनल रेजिस्टेंस की तरफ से कहा गया है कि तालिबान के वेश में पाकिस्तान वायुसेना के जवान लड़ रहे हैं। तालिबान के साथ पाकिस्तान की सांठगांठ इस कदर उजागर हो चुकी है कि अब उसके खंडन का कोई खास मतलब नहीं रह गया है। फिर भी यह कहना मुश्किल है कि पाकिस्तान की मदद तालिबान के आपसी मतभेदों को सुलझा पाएगी या जाने अनजाने इसे और उलझा देगी। फिलहाल हक्कानी नेटवर्क ने साफ कर दिया है कि अखुंदजादा को सुप्रीम लीडर बनाने का प्रस्ताव उसे मान्य नहीं है। अन्य ग्रुपों की भी अपनी अलग प्राथमिकताएं हैं। इनमें से कौन-कौन स्वेच्छा से अपनी प्राथमिकताओं को छोड़ने के लिए राजी होगा और क्यों यह देखने वाली बात होगी। आम तौर पर अगर मतभेदों को बंदूक के सहारे सुलझाने की आदत हो जाती है तो शांतिपूर्ण बातचीत के रास्ते किसी हल तक पहुंचना लगभग नामुमकिन हो जाता है। अफगानिस्तान में होम करते हुए हाथ जलाने वालों की संख्या कम नहीं है। देखना यह होगा कि अमेरिका की ताजा मिसाल के बाद भी अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में नाक घुसाने वाले पाकिस्तान की आगे क्या गति होती है।

एनएमपी योजना आर्थिक-सामाजिक विकास और नए रोजगार पैदा करने वाली सिद्ध होगी

इनमें कर्ज संबंधी, पर्यावरण संरक्षण कानून, कर कानून जैसे अनुपालन जोखिम शामिल हैं। इसके अलावा मौद्रीकरण वाली संपत्ति के जीवन काल और क्षमता को लेकर भी विभिन्न जोखिमों पर ध्यान देना होगा। सरकार को सावधान रहना होगा कि संपत्ति मौद्रीकरण के लाभ का इस्तेमाल विकास के लिए हो। इस धन का उपयोग राजकोषीय घाटे और अन्य सरकारी व्यय की भरपाई में नहीं हो।हम उम्मीद कर सकते हैं कि मौद्रीकरण योजना से अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता में वृद्धि होगी। यह योजना देश के आर्थिक-सामाजिक विकास और नए रोजगार अवसरों को निर्मित करने वाली सिद्ध होगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल में एक महत्वाकांक्षी योजना का एलान किया है। इसे राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का नाम दिया गया है। इसके अंतर्गत चार वर्षों के दौरान सरकारी संपत्तियों से छह लाख करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी है। सरकारी संपत्तियों से धन जुटाने के लिए अब तक आई विभिन्न योजनाओं की तुलना में एनएमपी योजना कहीं व्यापक और बहुआयामी है। इसके तहत केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2024-25 तक सूचीबद्ध की गई रेल, सड़क और बिजली सेक्टर सहित 20 तरह की बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के लिए चरणबद्ध तरीके से काम करेगी। इसमें केवल उन्हीं परिसंपत्तियों को शामिल किया जाएगा जो पहले से परिचालन के स्तर पर हैं। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र को निर्धारित की गई सार्वजनिक अचल संपत्ति को सिर्फ संचालित करने और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। उनका मालिकाना हक सरकार के पास बना रहेगा। एक निर्धारित समयावधि के बाद संपत्ति सरकार को वापस सौंपी जानी होगी। ऐसे में उनका पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर भी सरकार के पास आ जाएगा।

संपत्ति मौद्रीकरण राजस्व जुटाने से संबंधित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य नया बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए निजी क्षेत्र से निवेश आकर्षित करना और सरकारी बुनियादी ढांचे का प्रभावी प्रबंधन भी है। वस्तुत- एनएमपी के तहत संपत्तियां बेची नहीं जा रही हैं, बल्कि उन्हें पट्टे पर दिया जा रहा है। इससे प्राप्त होने वाले धन को सरकारी क्षेत्र द्वारा अन्य पूंजी निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके जरिये सरकार जो धन जुटाएगी, उसका उपयोग बुनियादी ढांचा निर्माण एवं विकास कार्यों पर किया जाएगा। यदि हम सूचीबद्ध की गई आधारभूत संपत्तियों को देखें तो पाते हैं कि सरकार केवल उन्हीं संपत्तियों को निजी क्षेत्र को निवेश के लिए सौंपेगी, जिनका अभी सही तरीके से उपयोग नहीं हो पा रहा है।

ऐसा किए जाने से सड़क परियोजनाओं, बिजली आपूर्ति लाइनों, प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों, रेलवे स्टेशनों, यात्री रेलगाड़ियों, माल गोदामों, दूरसंचार टावरों, विमानन, जहाजरानी, कोयला खनन क्षेत्र, दो राष्ट्रीय खेल स्टेडियमों आदि संपत्तियों के मौद्रीकरण से बड़े पैमाने पर निजी निवेश मिल सकेगा। जिन संपत्तियों के मौद्रीकरण से छह लाख करोड़ रुपये अनुमानित किए गए हैं, वह राशि सांकेतिक है। वास्तविक मूल्य प्रतिस्पर्धी बोली की प्रक्रिया से मालूम हो पाएगा।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन योजना और विनिवेश कार्यक्रम में बड़ा अंतर है। सरकारी कंपनियों में सरकार की हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया विनिवेश कहलाती है। विनिवेश की इस प्रक्रिया के जरिये सरकार अपने शेयर बेचकर संबंधित कंपनी में अपना मालिकाना हक घटा देती है। इससे सरकार को दूसरी योजनाओं पर खर्च करने के लिए धन मिलता है। वहीं राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन योजना में सार्वजनिक क्षेत्र की बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों को कुछ समय के लिए निजी क्षेत्र को संचालित करने तथा रखरखाव के लिए दिया जाता है और सरकार का संपत्ति पर मालिकाना हक बना रहता है। ऐसे में परिसंपत्ति मौद्रीकरण से बिना बजट पर दबाव डाले सार्वजनिक निवेश के लिए संसाधन जुटाए जा सकते हैं। इसमें दो मत नहीं है कि सरकारी परिसंपत्तियों का मौद्रीकरण अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी होगा।

इसमें विकास को गति देने वाले पूंजीगत व्यय में वृद्धि होगी। वैसे इस समय देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हो रहा है। देश में विदेशी निवेश बढ़ता जा रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है। शेयर बाजार छलांग लगाकर आगे बढ़ रहा है। वहीं निजी क्षेत्र का सार्वजनिक क्षेत्र की आधारभूत परिसंपत्तियों में निवेश का रुझान बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। ज्ञात हो कि पावर ग्रिड कारपोरेशन से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट को अच्छी सफलता मिली है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भी शीघ्र ही निवेश पाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट शुरू करने वाला है।

हालांकि एनएमपी योजना की सफलता के लिए कई बातों पर ध्यान भी देना होगा। सरकार पिछले कई वर्षों से बजट में घोषित विनिवेश लक्ष्य पाने में पिछड़ती रही है। चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 1.75 लाख करोड़ रुपये के विनिवेश लक्ष्य को पाने के मामले में सरकार बहुत पीछे है। ऐसे में विनिवेश की तुलना में सरकारी परिसंपत्ति का मौद्रीकरण और अधिक चुनौतीपूर्ण एवं जटिल होगा। विगत दशकों में सरकारी संपत्तियों से धन जुटाने के कुछ प्रयास उपयुक्त तैयारियों और क्रियान्वयन संबंधी कमियों के कारण वांछित सफलता से दूर रहे हैं। कई प्रशासनिक चुनौतियां भी हैं। ऐसे में एनएमपी को सफलतापूर्वक लागू किया जाना प्रभावी प्रशासनिक ढांचे के साथ प्रगति की समयानुसार निगरानी पर निर्भर होगा। इस मामले में कुछ जोखिमों पर भी विचार करना होगा। इनमें कर्ज संबंधी, पर्यावरण संरक्षण कानून, कर कानून जैसे अनुपालन जोखिम शामिल हैं। इसके अलावा मौद्रीकरण वाली संपत्ति के जीवन काल और क्षमता को लेकर भी विभिन्न जोखिमों पर ध्यान देना होगा। सरकार को सावधान रहना होगा कि संपत्ति मौद्रीकरण के लाभ का इस्तेमाल विकास के लिए हो। इस धन का उपयोग राजकोषीय घाटे और अन्य सरकारी व्यय की भरपाई में नहीं हो।हम उम्मीद कर सकते हैं कि मौद्रीकरण योजना से अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता में वृद्धि होगी। यह योजना देश के आर्थिक-सामाजिक विकास और नए रोजगार अवसरों को निर्मित करने वाली सिद्ध होगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पीलीभीत सांसद वरुण गांधी ने लिखी सीएम योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी, बोले- 400 रुपए प्रति कुंतल घोषित किया जाए गन्ने का मूल्य

बरेली। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने किसानों की समस्याओं को लेकर अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। जिसमें विगत दिल्ली स्थित निवास पर जनपद के किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान उठाई गई समस्याओं के निराकरण के लिए सुझाव दिए गए हैं। सांसद ने इस पत्र को ट्वीट भी किया है। इसके अलावा इंटरनेट मीडिया पर भी यह पत्र वायरल हो रहा है। भाजपा सांसद वरुण गांधी किसानों की समस्याओं के निराकरण करने की मांग समय समय पर उठाते रहे हैं। विगत अगस्त माह के अंतिम सप्ताह में पीलीभीत जिले के किसानों का प्रतिनिधिमंडल उनके दिल्ली स्थित निवास पर मिला था। किसानों ने समस्याओं के बारे में वरुण गांधी से विस्तृत चर्चा की थी। तब सांसद ने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री तथा प्रधानमंत्री को समस्याओं से अवगत कराने का आश्वासन दिया था। इसी सिलसिले में सांसद ने सीएम योगी को शनिवार को पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है कि पिछले चार सत्र से गन्ना मूल्य में सिर्फ दस रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी की गई है जबकि महंगाई के कारण फसल की लागत काफी बढ़ गई है लिहाजा गन्ने का मूल्य कम से कम चार सौ रुपये प्रति कुंतल घोषित किया जाए। साथ ही किसानों का गन्ने का बकाया भुगतान तत्काल किया जाए। साथ ही बटाईदार किसानों को चीनी मिलों के लिए गन्ना आपूर्ति की सुविधा तथा उन्हे उचित मात्रा में सस्ता बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि सरल प्रक्रिया के माध्यम से उपलब्ध कराया जाए।

बिहार में मुर्दों को भी मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, शिवहर का मामला

शिवहर । शिवहर में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। गलत तरीके से योजना का लाभ दिया गया है। पिपराही प्रखंड की मोहनपुर पंचायत में नाबालिग और मृतकों के नाम पर भी आवास योजना की राशि का भुगतान किया गया है। यहां नाम किसी का और राशि किसी और के खाते में हस्तांतरित की गई है, जबकि दूसरे के मकान के सामने फोटो लेकर राशि का भुगतान करा लिया गया है। ऐसे 25 से अधिक मामले सामने आए हैं। एक पंचायत में इतने मामले सामने आने के बाद विभाग में हलचल है। इसमें आवास सहायक निशाने पर हैं। डीडीसी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई है। बात जिलाधिकारी तक पहुंची है। हालांकि, पिपराही बीडीओ मो. वाशिक हुसैन ने कहा हैं कि, गलत तरीके से भुगतान की गई राशि की रिकवरी कराई जा रही है। शिवहर जिले का मोहनपुर पंचायत आवास योजना के फर्जीवाड़े को लेकर सुर्खियों में हैं। यहां गलत तरीके से लोगों के नाम पर आवास योजना की राशि का भुगतान कर दिया गया है। न्यूनतम बीस हजार रुपये रिश्वत लेकर मुर्दों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि का भुगतान कर दिया गया है। इतना ही नहीं नाबालिग, दूसरे पंचायत के लोग और फर्जी नाम पर आवास स्वीकृत कर सरकारी राशि लुटाए गए है। किसी के नाम स्वीकृत आवास की राशि दूसरे के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी गई। वह भी एक बार नहीं बल्कि, तीन-तीन किस्तों में। दूसरे के मकान के सामने व्यक्ति की तस्वीर लेकर जियो टैगिंग करा दिया गया। लंबे समय से सरकारी राशि की लूट होती रही। जिम्मेदार अधिकारी चैन से सोते रहे। सूत्र बताते हैं कि, अधिकारी के डोंगल और पासवर्ड का उपयोग कर यह फर्जीवाड़ा किया गया। जबकि, आवास सहायक, पर्यवेक्षक, कार्यपालक सहायक, एकाउंटेंट और बिचौलियों ने कमीशन लेकर गलत तरीके से राशि की लूट कर ली। मोहनपुर पंचायत के वार्ड 11 निवासी कबूतरी देवी पति राम भरोस को बीएच 651111604 के तहत आवास योजना का लाभ दिया गया। जबकि, कबूतरी देवी कब की परलोक सिधार चुकी है। कबूतरी देवी के नाम की राशि देववती देवी पति राम गुलाम राय के खाते नाम कर दिया गया।

भोजपुर में पुलिस कस्टडी में महिला के फांसी लगाने के मामले में पीरो थानाध्यक्ष सहित दो निलंबित

आरा। भोजपुर जिले के पीरो थाना पुलिस की कस्टडी में रविवार को महिला शोभा देवी की संदेहास्पद मौत के मामले में अंततः अफसरों पर भी विभागीय कार्रवाई की गाज गिर गई। पीरो डीएसपी अशोक कुमार आजाद की जांच रिपोर्ट के आधार पर भोजपुर एसपी विनय तिवारी ने पीरो थानाध्यक्ष अशोक चौधरी और ओडी पदाधिकारी दारोगा हेब्रम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इससे पूर्व तीन महिला सिपाहियों नैना, प्रियंका व खुशबू को निलंबित किया गया था। अफसरों पर हत्या के मामले में लाई गई महिला को चौबीस घंटे से अधिक चार दिनों तक थाने में बंद कर रखने और लापरवाही बरते जाने का गंभीर आरोप है। आपको बता दें कि रविवार की सुबह करीब आठ बजे पीरो थाना परिसर स्थित दो मंजिल क्वार्टर स्थित महिला आवास के शौचालय से मोथी गांव निवासी मुन्ना प्रसाद की पत्नी शोभा देवी का शव मिला था। महिला ने गले में गमछा बांधकर खुदकुशी कर ली थी। घटना के बाद शिव सेना के कार्यकर्ताओं एवं मृतका के स्वजनों ने सदर अस्पताल में जमकर हंगामा किया था। स्वजनों द्वारा पीरो थानाध्यक्ष सहित दोषी पुलिसकर्मियों को तत्कालीन निलंबित करने की मांग की गई थी। एसपी ने तत्कालीन पीरों डीएसपी को 24 घंटे के अंदर जांच रिपोर्ट देने का आदेश दिया था । पुलिस हिरासत में मरी महिला शोभा देवी को पुलिस ने गत आठ सितंबर को ही हिरासत में लिया था। इस दौरान चार-पांच दिनों तक उसे पीरो थाना परिसर स्थित एक महिला सिपाही के क्वार्टर में रखकर पूछताछ की जा रही थी। ये सब नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा था। नियमानुसार किसी भी संदिग्ध या आरोपित को पुलिस 24 घंटे से अधिक समय तक अपने हिरासत में नहीं रख सकती है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति को 24 घंटे के अंदर न्यायालय में पेश किए जाने का प्रावधान है लेकिन यहां ऐसे मामलों में पुलिस की मनमर्जी चलती है।

आम आदमी पार्टी भी भगवान श्रीराम की शरण में, अयोध्या पहुंचे दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया

अयोध्या । उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करने में लगी आम आदमी पार्टी भी भगवान श्रीराम की शरण में है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 403 सीट पर लडने का एलान करने वाली आम आदमी पार्टी अयोध्या से मंगलवार को तिरंगा संकल्प यात्रा शुरू करेगी। इसका शुभारंभ करने दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी अयोध्या पहुंचे हैं। अयोध्या में आम आदमी पार्टी की तिरंगा संकल्प यात्रा मंगलवार को गुलाब बाड़ी मैदान से निकलेगी। इसका समापन गांधी पार्क में होगा।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर लगभग सभी दल अयोध्या से अपना अभियान शुरू कर रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी के बाद रघुराज प्रताप सिंह के जनसत्ता दल और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपनी पार्टी आल इंडिया ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन(एआइएमआइएम) के चुनावी अभियान की शुरुआत अयोध्या से की है। अब बारी आम आदमी पार्टी की है।

उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी का चुनावी अभियान मानी जा रही तिरंगा यात्रा की शुरुआत करने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सभाजीत सिंह सोमवार को अयोध्या पहुंचे हैं। सिसोदिया अब यहां से मंगलवार को आम आदमी पार्टी की तिरंगा यात्रा की शुरुआत करेंगे।

सोमवार को दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ सांसद संजय सिंह हनुमान गढ़ी के साथ ही राम लला का दर्शन करेंगे। राम लला व हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के बाद यहां के संत-महंतों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी करेंगे। सिसोदिया व संजय सिंह अयोध्या में रात्रि विश्राम के बाद 14 सितंबर को तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे।

तिरंगा यात्रा की यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह अपनी टीम के साथ इन दिनों अयोध्या में ही कैंप कर रहे हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन पूजन के बाद जानकी घाट, बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण, महंत दिलीप दास व पवन शास्त्री आदि से मुलाकात भी की।

एक महीने में चौथी बार सीएम पहुंचे अलीगढ़, प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लेंगे जायजा

अलीगढ़ । सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को पिछले एक महीने में चौथी बार अलीगढ़ आए हैं। दोपहर में वे हेलीकाप्टर से लोधा के मूसेपुर में पहुंचे। उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर मंच की व्यवस्थाओं को परखा। अफसरों को दिए बेहतर तैयारियों के निर्देश सीएम ने एक महीने में ही चौथी बार अलीगढ़ आकर एक नया रिकार्ड बना दिया है। काफी सालों से तो पूरे कार्यकाल में ही कोई सीएम पांच-छह बार ही पाता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ का सोमवार को पिछले एक महीने में यह चौथा दौरा है। सबसे पहले वह पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन के दौरान पार्थिव देह के साथ अलीगढ़ आए थे। वह इस दौरान लगातार दो दिन तक जिले में रहे थे। इसके बाद सीएम पूर्व सीएम की अरष्टि में भी शामिल हुए थे। इसके कुछ दिन बाद ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 14 सितंबर वाला कार्यक्रम आ गया है। ऐसे में सीएम आठ सितंबर को यहां पर तैयारियों को परखने के लिए अलीगढ़ आ गए। यह सीएम का तीसरा दौरा था। वह इस दिन करीब चार घंटे तक जिले में रुके थे। अब सोमवार को फिर से अलीगढ़ आए हैं। 12:30 बजे इनका हेलीकाप्टर लोधा मूसेपुर स्थित कार्यक्रम स्थल पर उतरा। यहां से करीब 50 मिनट तक सीएम कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण एवं तैयारियों की समीक्षा करेंगे। अफसरों के साथ बैठक करेंगे। करीब डेढ़ बजे यहां से रवाना हो जाएंगे।

तैयारियों में जुटे अफसर- सीएम के कार्यक्रम आने के बाद पुलिस-प्रशासनिक अफसर देर रात तैयारियों में जुटे रहे। इसके चलते रविवार को रात में भी काम चलता रहा। साफ-सफाई से लेकर अन्य सभी काम पूरे किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सभा के हर कार्य को अफसर अब अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं।

वाराणसी में नीट में साल्वर गैंग का राजफाश, पटना निवासी मां और बेटी गिरफ्तार, पिता बेचते हैं सब्जी

वाराणसी। क्राइम ब्रांच ने नीट परीक्षा में एक साल्वर गैंग का राजफाश किया है। इस सम्बन्ध में पटना, बिहार की बी एच यू के बीडीएस द्वितीय वर्ष की छात्रा जूली व उसकी मां बाबिता कुमारी को पकड़ा है। गैंग का सरगना पटना का पीके है।

पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में दबिश दे रही है। पटना के संदलपुर वैष्णवी कॉलोनी की रहने वाली आरोपित दूसरे की जगह परीक्षा दे रही थी। उसकी परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उसके पिता पटना में सब्जी बेचते हैं। इसी का फायदा उठाकर सॉल्वर गैंग ने जूली की मां बबिता से संपर्क किया और 5 लाख रुपए का लालच दिया। कहा कि अगर तुम्हारी बेटी हमारी कैंडिडेट की जगह बैठ कर परीक्षा दे देगी तो सेंटर से बाहर निकलते ही 5 लाख रुपए थमा दिए जाएंगे। बबिता पैसे के लालच में आ गई और अपनी बेटी जूली को दूसरी कैंडिडेट की जगह परीक्षा में बैठने के लिए राजी कर लिया।

सारनाथ स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल में बनाए गए सेंटर में रविवार को आयोजित नीट यूजी में बबिता अपनी बेटी जूली को लेकर गई। कक्ष निरीक्षकों को जूली पर शक हुआ तो सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के आधार पर शाम के समय क्राइम ब्रांच प्रभारी अश्वनी पांडेय अपनी टीम के साथ गए और जूली से पूछताछ की तो उसका फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। जूली के साथ ही उसकी मां भी पकड़ ली गई। बबिता के मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली गई तो दो दलालों का पता लगा।

बबिता और जूली से पूछताछ में 2 दलालों का पता लगा। इस पर क्राइम ब्रांच ने बबिता के मोबाइल की कॉल डिटेल की मदद से शहर से ही बिहार के खगड़िया निवासी विकास को पकड़ा। फिर, गाजीपुर के मोहम्मदाबाद क्षेत्र से ओसामा शाहिद पकड़ा गया। ओसामा और विकास से अलग से पूछताछ की जा रही है। प्रथम दृष्टया पूछताछ में यही सामने आया कि मूल अभ्यर्थी के चेहरे से जूली का चेहरा मिलता-जुलता है। दोनों की फोटो फोटोशॉप की मदद से ऐसे तैयार की गई कि कोई भी देख कर जूली और मूल अभ्यर्थी को अलग-अलग न समझे। इसके बाद जूली को मूल अभ्यर्थी के दस्तखत की सैकड़ों बार प्रैक्टिस कराई गई थी।

गिरफ्तार चारों आरोपियों से पूछताछ और उनके मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने के बाद पुलिस का शक लखनऊ स्थित चत्तरूके एक डॉक्टर पर गहराया है। उस डॉक्टर से पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच की एक टीम लखनऊ रवाना की जाएगी। इसके साथ सॉल्वर गैंग के इस गिरोह का सरगना पटना निवासी पीके है। पीके पटना सहित देश के अन्य अलग-अलग स्थानों में ठिकाने बदल कर रहता है। पीके की तलाश में क्राइम ब्रांच की एक टीम पटना भी रवाना की गई है। इस संबंध में पुलिस कमिश्नर ए. सतीश गणेश ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है। हमारा मुख्य उद्देश्य सॉल्वर गैंग के सरगना तक पहुंचना है। पूछताछ पूरी होने के बाद घटना का राजफाश किया जाएगा।

गंगाजल कोरोना से जंग में प्रभावी, हाई कोर्ट के एमिकस क्यूरी ने अनुसंधान पर दिया जोर

प्रयागराज । गंगा जल की महत्ता और इसके औषधीय गुणों के बारे में पहले भी कई शोध हो चुके हैं और कई तरह के दावे किए जा चुके हैं। गंगा जल में स्नान की अहमियत बताई जा चुकी है लेकिन फिर इसमें प्रदूषण की अधिकता हो गई। अब गंगाजल कोरोना वायरस से लडने में सक्षम है। यह दावा करते हुए इस संबंध में व्यापक अनुसंधान कराने की मांग इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और गंगा पर न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) अरुण कुमार गुप्ता ने प्रधानमंत्री से की है। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि उनके पत्र को संज्ञान में लेते हुए नमामि गंगे परियोजना की तरफ से आयुष मंत्रालय को भिजवा दिया गया है।

प्रेस क्लब में शोधकर्ता डा. विजय नाथ मिश्र और बीएचयू वाराणसी के डा. अभिषेक पाठक के साथ मीडिया से चर्चा में एमिकस क्यूरी ने बताया कि गंगाजल में 1300 फेज पाए जाते हैं। फेज यानी नदियों में मिलने वाला वायरस। यह विभिन्न रोगों से लडने में सहायक होता है। अरुण कुमार गुप्ता का कहना है कि जबसे कोरोना महामारी फैली है, दुनिया भर के वैज्ञानिकों द्वारा गंगाजल पर शोध किया गया। शोध पत्र तैयार कर उन्होंने राष्ट्रपति के पास मार्च 2020 में भेजा था।

राष्ट्रपति भवन की तरफ से इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) को पत्र भेज इस दावे की जांच के लिए निर्देशित किया गया। आइसीएमआर के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने अप्रैल 2020 में इस शोध पत्र का वर्चुअल अवलोकन करने के अलावा कुछ और नहीं किया। अरुण कुमार गुप्ता सहित अन्य विशेषज्ञों का कहना है कि नमामि गंगे ने आयुष मंत्रालय को जो पत्र भेजा है उसे संज्ञान लिया जाए ताकि और अनुसंधान हो सके। अभी तक कोरोना वायरस के जो प्रभाव हैं, उन्हें रोकने में गंगा फेज महत्वपूर्ण हैं। उन्हें उम्मीद है कि महामारी की रोकथाम के लिए इस दिशा में हुआ अनुसंधान सहायक होगा।

थाने में परवान चढ़ा शादी शुदा महिला का प्यार, तीन बच्चों की मां बनी दुल्हन, प्रेमी साथ रचाई शादी

बरेली। परिजनों के लाख विरोध के बाद आखिर शादीशुदा महिला और युवक का प्यार रविवार को थाने में परवान चढ़ ही गया।थानेदार द्वारा कराई गई परिजनों के बीच सहमति के बाद शादी शुदा महिला ने प्रेमी युवक के साथ थाने में ब्याह रचाया। गौरतलब है कि दोनों शादी करने की जिद को लेकर अड़े हुए थे।इसी बात का विरोध कर रहे दोनों के परिजनों के बीच जहां मारपीट हुई थी वहीं मामला थाने पहुंचा था। जहां काफी देर चले हंगामें और लंबी बहस के बाद दोनों पक्षों में सहमति बन ही गई।

एक साल पहले हो चुकी पति की मौत

बंडा कस्बे के एक मुहल्ला निवासी महिला के पति की एक साल पहले मौत हो गई थी। उसका मुहल्ले के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने जब शादी करने का निर्णय लिया तो घर वाले तैयार नहीं हुए। युवक के स्वजन ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि महिला के तीन बच्चे है। दोनों शादी की जिद पर अड़े थे।

बच्चों के साथ थाने पहुंच गए प्रेमी-प्रेमिका -जिसको लेकर रविवार शाम थाने पहुंच गए। वहां उनके स्वजन भी आ गए। दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। जिससे अफरा तफरी मच गई। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने किसी तरह स्थिति को संभाला। उन्होंने दोनों के स्वजन से अलग-अलग बैठकर बात की तो वे शादी के लिए राजी हो गए।

राजी हुए परिजन, डलवाई जयमाला-परिजनों को समझाने के बाद वह दोनो के विवाह के लिए सहमत हो गए। जिसके बाद थानेदार ने बकायदा जयमाला मंगवाई। इसके साथ ही थाने परिसर में बने मंदिर में ही दोनों ने एक दूसरे को माला पहना कर शादी कर ली। जिसके बाद थानेदार ने दोनों को थाने से घर के जाने के लिए रवाना कर दिया।

तब एक झटके में टूट गई थी लालू-रघुवंश की दोस्ती, एक नहीं कई थे कारण

पटना। जिंदगी भर राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के संकटमोचक रहे रघुवंश प्रसाद सिंह ने जीवन के अंतिम दिनों में उनसे किनारा कर लिया था। करीब 32 साल का साथ एक झटके के साथ टूट गया। आरजेडी से इस्तीफा देने के बाद रघुवंश प्रसाद सिंह के जीवन की डोर भी ठीक एक साल पहले 13 सितंबर को टूट गई। उन्होंने लालू व आरजेडी से नाता तोड़ने का कोई कारण तो नहीं बताया, लेकिन यह सवाल तो खड़ा हो ही गया कि आखिर ऐसा क्या हुआ आखिर इतनी लंबी व गहरी दोस्ती क्यों और कैसे टूट गई

एक पत्र से टूट गया 32 साल पुराना नाता- करीब 32 साल की दोस्ती के बाद 74 साल की उम्र में बीमार रघुवंश प्रसाद सिंह ने लालू प्रसाद यादव को पत्र भेजकर आरजेडी से इस्तीफा दे दिया। पत्र में उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के निधन के बाद 32 वर्षों तक लालू प्रसाद यादव के पीछे-पीछे खड़े रहने की बात लिखी, साथ हीं पार्टी व आमजनों से मिले स्नेह को भी याद किया। यह भी लिखा कि अब और नहीं, मुझे क्षमा करें। हालांकि, यह भी तथ्य है कि लालू प्रसाद यादव ने रघुवंश प्रसाद सिंह के इस्तीफा को स्वीकार नहीं किया। बहुत संभव है, अगर उनका तुरंत निधन नहीं हो जाता, तो लालू उन्हें मनाने में सफल हो जाते, लेकिन रघुवंश प्रसाद सिंह के साथ यह संभावना खत्म हो गई।

धीरे-धीरे पार्टी में जाती रही पुरानी हैयिसत- रघुवंश प्रसाद सिंह व लालू प्रसाद यादव की दोस्ती की मिसाल दी जाती थी। दोनों जननायक कर्पूरी ठाकुर के वक्त से ही साथ थे। कर्पूरी ठाकुर के निधन के बाद रघुवंश प्रसाद सिंह ने ही आगे बढ़ाया था। उन्होंने लालू के विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने में बड़ी मदद की थी। आरजेडी की स्थापना में भी रघुवंश प्रसाद सिंह की बड़ी भूमिका रही। पार्टी में रघुवंश प्रसाद सिंह की हैसियत लालू प्रसाद यादव जैसी रही, लेकिन बदलते वक्त के साथ सियासत बदली तो तेजस्वी यादव के साथ कई मुद्दों पर उनके मतभेद सामने आए। रघुवंश को कई बार बैकफुट पर जाना पड़ा। धीरे-धीरे पार्टी में उनकी पहले वाली हैयिसत जाती रही।

जगदानंद सिंह के खिलाफ उठाई आवाज- सवर्ण आरक्षण के मुद्दे पर रघुवंश प्रसाद सिंह एवं तेजस्वी यादव का मतभेद स्पष्ट दिखा। तेजस्वी नहीं झुके, रघुवंश को पीछे होना पड़ा। रघुवंश प्रसाद सिंह के विरोध को दरकिनार कर तेजस्वी यादव की पसंद जगदानंद सिंह को आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। जगदानंद सिंह द्वारा पार्टी में अनुशासन के नाम पर बनाए गए नियमों का विरोध आज भले हीं तेज प्रताप यादव कर रहे हों, लेकिन इसके खिलाफ पहली आवाज रघुवंश प्रसाद सिंह ने ही उठाई थी। इस मामले में भी रघुवंश प्रसाद सिंह की बातों को अहमियत नहीं दी गई।

रामा सिंह को पार्टी में लाले की कोशिश- साल 2019 के लोकसभा चुनाव में आरजेडी की हार के बाद रघुवंश प्रसाद सिंह को राज्यसभा भेजे जाने के कयास लगाए जा रहे थे। रघुवंश को भी इसकी उम्मीद थी, लेकिन लालू ने अपने एक अन्य पुराने सहयोगी प्रेमचंद गुप्ता तथा व्यवसायी अमरेंद्र धारी सिंह को राज्यसभा भेज दिया। रही-सही कसर रघुवंश के विरोधी व उन्हें साल 2014 के लोकसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर हरा चुके रामा सिंह को पार्टी में लाने की कोशिशों ने पूरी कर दी। रामा सिंह ने भी कहा कि वे आरजेडी में जरूर आएंगे। साथ ही उन्होंने रघुवंश प्रसाद सिंह के खिलाफ बयान भी दे दिया। इसपर तेजस्वी यादव के मौन से भी रघुवंश की नाराजगी को हवा मिली। रामा सिंह को पार्टी में लाने की कोशिशों के बाद ही रघुवंश प्रसाद सिंह कड़े एक्शन में आते दिखे। उन्होंने पार्टी उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया।

नीतीश को बनाना चाहते थे सीएम फेस- रघुवंश प्रसाद सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन में रखने तथा उन्हें मुख्यमंत्री चेहरा बनाने के पक्षधर थे। वे नीतीश कुमार को तेजस्वी यादव का राजनीतिक गुरु बनाने की बात करते थे। जबकि, लालू प्रयसाद यादव अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के राजनीतिक भविष्य से जुड़े इस मसले पर मौन साध गए। ऐसे में रघुवंश प्रसाद सिंह फिर बेकफुट पर नजर आए।

तेज प्रताप के बयानों ने पूरी कर दी कसर- रघुवंश प्रसाद सिंह का लालू प्रसाद यादव के परिवार से गहरे जुड़े थे। लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के तलाक के मामले में वे चंद्रिका राय और लालू परिवार के रिश्ते बनाए रखने के पक्ष में थे। रघुवंश प्रसाद सिंह के इस स्टैंड से तेज प्रताप यादव सहमत नहीं दिखे। कालक्रम में रघुवंश प्रसाद सिंह के खिलाफ तेज प्रताप यादव के हमलों ने उन्हें बेहद आहत किया। पार्टी में नाराज रघुवंश की तुलना तेज प्रताप यादव ने आरजेडी के समंदर में एक लोटा पानी से कर दी। कहा कि अगर आरजेडी के समंदर से रघुवंश का एक लोटा पानी निकल भी जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ने जा रहा।

यूपी में नहरों की सफाई के विशेष अभियान का परिणाम, सिंचाई के लिए पहली बार टेल तक पहुंचा पानी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में सत्ता संभालने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों को सिंचाई के पर्याप्त पानी मिलने का इंतजाम पहले से ही किया। उनके निर्देशन में प्रदेश में पहली बार नहरों की सफाई का विशेष अभियान पहली बार चला। सरकार ने इसके लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था की। जिससे की पानी टेल तक पहुंचा और बड़ी संख्या में किसानों को लाभ भी मिला।

उत्तर प्रदेश में नहरों में गाद की समस्या के साथ ही जल एक ही जगह एकत्र होने के कारण किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा था। फसलों को काफी क्षति पहंच रही थी। ऐसे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल में बड़ा काम किया। जिससे किसानों के सामने सिंचाई की समस्या नहीं रही। इसके साथ ही साथ अधिक उत्पादन से कृषकों की आय भी बढ़ी। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की पहल से जलभराव की समस्या से ग्रामीण इलाकों को छुटकारा भी मिला। ग्रामीण इलाकों में वर्षाकाल के दौरान नहरों में जलभराव की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ी पहल की है। उसने नहरों (ड्रेन्स) की सफाई का प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाया है। इसके लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था किए जाने के साथ पहले से कहीं अधिक दूरी तक नहरों की सफाई का लक्ष्य रखा गया है। इसको पूरा करने की जिम्मेदारी सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को सौंपी गई है। प्रदेश की बड़ी नहरों की सफाई से जलभराव के कारण होने वाली फसलों की क्षति रुकी है और अधिक उत्पादन से किसानों की आय में भी बढ़ोत्तरी हुई है।

प्रदेश में लगभग 59212 किमी. लम्बाई की 10675 नहरें हैं। जिनकी सफाई की जिम्मेदारी सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की है। अभी तक कम धनराशि उपलब्ध होने के कारण प्रतिवर्ष मात्र लगभग 1500 से 1600 किमी. नहरों की सफाई हो पाती थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने समस्या आने पर उन्होंने वर्ष 2020-21 में नहरों की सफाई के लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था की। जिसके बाद वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 23043 किमी. लम्बाई की ड्रेनों की सफाई का लक्ष्य रखा गया हैं। विभाग ने आज तक 15100 किमी. से अधिक दूरी तक ड्रेनों की सफाई करा ली है। इसकी लागत 185.00 करोड़ रुपये से अधिक आई है। जिन नहरों की सफाई का काम बचा है उसे वर्षाकाल के बाद पूरा करने का काम तेजी से किया जाएगा।

प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के साथ खेती और खलिहानी पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत उसने लॉकडाउन के दौरान भी किसानों को राहत देने के कई कार्य किये। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई और खेतों तक पानी पहुंचाने वाली नहरों की सफाई भी उसमें से एक है।

भागलपुर की छात्रा की शिकायत सुन चौंके नीतीश कुमार, जनता दरबार में पूरे बिहार से पहुंचे हैं छात्र-छात्रा

पटना । करीब पांच साल के अंतराल के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोबारा हर सोमवार को आम लोगों से मिलकर उनकी शिकायतें और समस्याएं सुनने का काम शुरू कर दिया है। लोग बड़ी उम्मीद से मुख्यमंत्री से मिलने पहुंच रहे हैं और बहुत से लोगों का काम तो उनके मुख्यमंत्री तक पहुंचने से पहले ही पूरा हो जा रहा है। आज जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दर्जन से अधिक विभागों से जुड़े मामलों पर लोगों की शिकायतों को सुन रहे हैं। भागलपुर से आई एक बच्ची ने बताया कि उसने 2016 में मैट्रिक परीक्षा पास की थी, बावजूद उसे मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना की राशि अब तक नहीं मिली है। इसे सुनकर सीएम चौंक गए। इसके बाद भी इस तरह के कई मामले आए। एक युवक ने 2017 में परीक्षा पास करने पर भी अब तक प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने की बात कही। सीएम आश्चर्यचकित थे कि इतने वर्षों बाद भी योजना की राशि क्यों नहीं दी गई।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड पर एक युवक ने गजब अंदाज में की बात- जनता दरबार में एक युवक ने गजब अंदाज में स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड को लेकर शिकायत की। उसने सीएम से तल्ख अंदाज में पूछा कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड बिहार में बीएड करने वालों को क्यों नहीं दिया जाता। उसने कहा कि आप जानते हैं कि बीएड करने वालों को टीचर की नौकरी नहीं दे पाएंगे, इसलिए वह लोन भी नहीं चुका पाएगा।

इसीलिए आप बीएड करने वालों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड नहीं दे रहे हैं। सीएम युवक के आरोप वाले अंदाज को देखकर दंग रह गए। उन्होंने युवक को शिक्षा विभाग के अधिकारी के पास भेज दिया।

जनता दरबार में महीने के हर सोमवार के लिए अलग-अलग विभाग तय किए गए हैं। निर्धारित समय पर मुख्यमंत्री केवल निर्धारित विभागों की शिकायतें ही सुनते हैं। इसके लिए संबंधित व्यक्ति को पहले ही रजिस्ट्रेशन कराना पड़ता है। रजिस्ट्रेशन के बाद अप्वाइंटमेंट मिलने पर ही मुख्यमंत्री से मिला जा सकता है। जिन विभागों के मामले सुने जाएंगे उनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, कला संस्कृति एवं युवा, वित्त, श्रम संसाधन एवं सामान्य प्रशासन विभाग से जुड़े मामले शामिल हैं।

राज्य में पिछड़ा वर्ग बना राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

प्रदेश में आधा सैकड़ा विधायक कर रहे पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

भोपाल (एजेंसी)।

आजादी के बाद से ही अपने संवैधानिक, मौलिक और बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष करते पिछड़े एक बार फिर प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए हैं। हाल ही में इस वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलने के बाद सत्ताधारी और प्रमुख विपक्षी दल में श्रेय लेने का मौखिक युद्ध चल रहा है तो अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियां भी इसी वर्ग के मुद्दे को आगे बढ़ाते हुए हो रही है।

यहां बता दें कि पूरे देश के साथ मध्यप्रदेश के राजनीतिक सामाजिक आर्थिक और प्रशासनिक क्षेत्र में भागीदारी के लिए पिछड़े संघर्ष करते रहे हैं। इन्हें कामयाबी तब मिली जब 90 के दशक में अर्जुन सिंह शासनकाल में पिछड़े वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। कारण भी है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज 52 फीसदी आबादी वाले पिछड़े वर्ग की 92 जातियां सत्ता का चयन करने में निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं। अर्जुन सिंह के बाद जब दिग्विजय सरकार आई तो पिछड़ों को 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी आरक्षण दिया गया। हालांकि उस समय यह मामला न्यायालय प्रक्रिया में पहुंचा तो यह वर्ग 14 प्रतिशत आरक्षण से ही संतुष्ट होता रहा है, लेकिन रिजर्वेशन के लिए इनका संघर्ष अनवरत जारी रहा। वर्ष 2000 के बाद जब उमा भारती सरकार आई तो पिछड़े वर्ग के अनेक संगठन 27 प्रतिशत आरक्षण के

पिछड़े वर्ग ने कहा कि मंडल कमीशन की 33 में से तीन अनुशंसा ओं का लाभ दे पाई है सरकारें

लिए सरकार पर दबाव बनाते रहे। 2003 के बाद उमा भारती मुख्यमंत्री पद से हटी तब भी पिछड़े वर्गों के संगठन भाजपा की सरकार पर 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए दवाब बनाते रहे हैं। वर्ष 2018 के बाद सत्ता परिवर्तन हुआ तब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने फिर पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए हरी झंडी दी। फिर से मामला कोर्ट में पहुंचने के बाद विधि विशेषज्ञों से पैरवी करवाने का क्रम जारी रहा। इसके एक साल बाद ही अल्पमत में आई कमलनाथ सरकार गिरने के बाद चौथी बार मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह चौहान ने पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने के लिए रास्ता साफ किया है। अब जानकारों की मानें तो पिछड़े प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गए हैं। कारण भी है कि अगले डेढ़ साल बाद मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव हैं। नतीजतन राजनीतिक लिहाज से सरकारों के गठन में हमेशा निर्णायक रहे पिछड़े वर्ग का मामला भुनाने के लिए अभी से काम शुरू हो चुका है। कांग्रेस जहां इस प्रमुख मुद्दे को लेकर श्रेय ले रही है तो वहीं भाजपा का कहना है कि उसकी सरकार में हमेशा से पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। इस वर्ग के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों की हमदर्दी इसलिए भी जरूरी मानी जा रही है क्योंकि संख्या बल इनका सर्वाधिक है। मौजूदा समय में देखें भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों में पिछड़े वर्ग से चुने हुए विधायकों की संख्या 53 हो रही है। इनमें अकेले 30 विधायक तो भाजपा की सरकार में रहते हुए अपने अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। जबकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में पिछड़े वर्ग के विधायकों की संख्या 22 है।

कमलनाथ सरकार को मिलना चाहिए 27 फीसदी आरक्षण देने का श्रेय : कुणाल चौधरी

इस मामले में कांग्रेस के युवा विधायक कुणाल चौधरी कहते हैं कि भाजपा की सरकार इस मामले में श्रेय लूट रही है। जबकि पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का श्रेय कमलनाथ सरकार को मिलना चाहिए। उन्होंने ही बाकायदा इस वर्ग को आरक्षण दिलाने के लिए काम किया है। श्री चौधरी का कहना है कि भाजपा पिछड़े वर्ग से मुख्यमंत्री तो चुनती रही है, लेकिन इस वर्ग से जातियों का उत्थान कभी नहीं किया है।

भाजपा हर वर्ग का कल्याण करने वाली पार्टी : प्रदीप पटेल

सरकार के पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग में सदस्य एवं मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल कहते हैं कि भाजपा हर वर्ग का कल्याण करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने न्यायालय में पक्ष रखा तब यह संभव हो सका है। इसके बाद ही सरकार ने पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के आदेश जारी किए हैं। भाजपा ने न्यायालय में पैरवी की है। जो डाटा मांगा गया है उसे उपलब्ध कराया है। अभी भी जिन दस्तावेजों और डेटा की जरूरत होगी सरकार पूरी तरह उन्हें उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी।

मंडल कमीशन की अनुशंसा नहीं हुई लागू : कुर्मवशी

इस मामले में पिछड़ा वर्ग अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष केपी कुर्मवशी कहते हैं कि जब 90 के दशक में पिछड़े वर्ग को 14 फीसदी आरक्षण लागू किया गया था। उस समय केंद्र की विश्वनाथ सरकार द्वारा मंडल कमीशन का गठन किया गया था। इसके बाद राज्य में राम जी महाजन आयोग बनाया गया था। इस कमीशन द्वारा जातियों का सर्वे करवाने के बाद पिछड़े वर्ग के लिए 33 अनुशंसाएं लागू की गई थीं। इनमें से मात्र दो या तीन का ही लाभ पिछड़े वर्ग को मिल रहा है। बकाया अनुशंसा का फायदा पिछड़े वर्ग को कभी नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा है कि तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में पिछड़ों को 50 प्रतिशत आरक्षण है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक आबादी होने के बाद भी यह वर्ग सबसे कम आरक्षण पा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा आज होमगार्ड्स की बैठक में होंगे शामिल

भोपाल । प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा होमगार्ड्स मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में शामिल होंगे। सुबह दस बजे से आयोजित बैठक में डीजी, एडीजी होमगार्ड्स, एडीशनल कमांडेंट जनरल, उपमहानिरीक्षक आपदा प्रबंधन और अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। प्रदेश के सभी जिलों के होमगार्ड्स अधिकारी ऑनलाइन बैठक में शामिल होंगे। सभी अधिकारियों को गृह मंत्री डॉ. मिश्रा संबोधित करेंगे। बैठक से पहले गृह मंत्री होमगार्ड्स मुख्यालय का भ्रमण करेंगे।

भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात राज्य नई ऊंचाइयों को छूएगा : मंगुभाई

भोपाल । मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सोमवार को भूपेंद्र पटेल को गुजरात के मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई दी है। श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भूपेंद्र पटेल को गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात राज्य नई ऊंचाइयों को छूएगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने दी शिवांगी को बधाई

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मैनेजमेंट के क्षेत्र में जीमेट टेस्ट में सफलता हासिल करने पर छात्रा शिवांगी को बधाई दी है। श्री चौहान ने ट्वीट के माध्यम से बधाई देते हुए कहा कि भोपाल की छात्रा शिवांगी गवांदे ने मैनेजमेंट के क्षेत्र में सबसे कठिन टेस्ट जीमेट में 800 में से 798 अंक लाकर मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। श्री चौहान ने कहा कि इस अद्भुत उपलब्धि के लिए आपको ढेरों बधाई। आप भविष्य में भी इसी तरह सफलता प्राप्त करें और अन्य बेटियों को भी प्रेरित करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी जीमेट में भोपाल की बेटी शिवांगी के सफलता अर्जित करने पर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

शिवराज सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस के निधन पर शोक जताया

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री चौहान ने अपने ट्वीट के जरिए कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ऑस्कर फर्नांडिस के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं। विनम्र श्रद्धांजलि। मुख्यमंत्री के साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी श्री फर्नांडिस के निधन पर शोक जताया और कहा कि श्री फर्नांडिस के निधन का शोक समाचार मिला। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में विश्रांति दें एवं शोकमय परिजनों को इस दुःखद घड़ी में संबल प्रदान करें।

कमलनाथ ने भी ऑक्सर फर्नांडिस के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट के माध्यम से शोक जताया और कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ऑस्कर फर्नांडीस के निधन की खबर बेहद दुखद होकर स्तब्ध करने वाली है। हमने वर्षों साथ काम किया है। पार्टी के प्रति उनकी लगन, उनका समर्पण, उनका काम करने का तरीका कभी भुलाया नहीं जा सकता है। परिवार के प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणो में स्थान व पीछे परिजनो को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे।

जेपी धनोपिया का बनाया मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रकोष्ठों का प्रभारी

भोपाल । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया को प्रदेश कांग्रेस द्वारा गठित विभिन्न प्रकोष्ठों का प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष, संगठन प्रभारी चंद्रप्रभाष शेखर ने उक्त संबंध में पत्र जारी कर आशा व्यक्त की है कि श्री धनोपिया उक्त जिम्मेदारी का निर्वहन निष्ठा के साथ करेंगे तथा प्रकोष्ठों की गतिविधियों से प्रदेश कांग्रेस के समय-समय पर अवगत कराते रहेंगे।

महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी प्रदेश की पदाधिकारी

भोपाल । अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेटा डिसूजा के नेतत्व में 15 सितंबर को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस का स्थापना दिवस कार्यक्रम 24 अकबर रोड नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। जिसमें मप्र की महिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अर्चना जायसवाल के नेतत्व में मप्र की प्रदेश पदाधिकारी, जिला/ब्लाक अध्यक्ष एवं सैकड़ों महिला कार्यकर्ता शामिल होंगी। कार्यक्रम के पश्चात नेटा डिसूजा की अध्यक्षता में आगामी चुनावी रणनीती पर भी चर्चा की जाएगी। उक्त जानकारी मप्र महिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी प्रतिभा विक्टर ने दी।

सीएम ने प्रदेश के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप सदस्यों और प्रतिनिधियों से किया आह्वान

वैक्सीनेशन महाअभियान 3.0 को सफल बनाने में सभी सहयोग दें

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रत्येक जिले में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएं, जिला स्तरीय, विकास खंड स्तरीय, ग्राम स्तरीय और वार्ड स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य जन-जागरूकता बढ़ाने की योजना पर मिलकर कार्य करें। श्री चौहान सोमवार को यहां मंत्रालय में मंत्री-परिषद के सदस्यों की उपस्थिति में विभिन्न स्तर की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के सदस्यों और जन-प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना से बचाव में सबसे प्रभावी माध्यम है वैक्सीनेशन। इसके साथ ही मास्क के उपयोग और व्यक्तियों के बीच डिस्टेंसिंग कायम रखने से संक्रमण को रोकना आसान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म-दिवस पर मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान -3.0 आगामी 17 सितंबर को संचालित किया जा रहा है। महाअभियान को सफल बनाने में सभी सहयोग दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने वैक्सीनेशन में रिकार्ड बनाया है। अभी भी प्रदेश में करीब दो करोड़ लोग वैक्सीन के डोजेस लगवाने के लिए शेष हैं। इन लोगों को 17 सितंबर को वैक्सीनेशन केंद्र तक लाने के लिए प्रेरित कर उन्हें सुरक्षा चक्र प्रदान करना है। श्री चौहान ने कोविड वैक्सीनेशन महाअभियान -3.0 के संदर्भ में सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों के क्राइसिस मैनेजमेंट समूह के सदस्यों, विधायकों,सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्हें महाअभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग देने का आह्वान किया।

अपनी जागरूकता से रोकना है कोरोना की तीसरी लहर

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत 17 माह में हमने कोरोना की दो लहरों का सामना कर तकलीफ उठाई है, कई अपने हमें छोड़कर चले गए। खतरा अभी टला नहीं है। जबलपुर में सामने आए पॉजिटिव प्रकरण चिंता का विषय हं। हमें निश्चिंत नहीं होना है। अपनी जागरूकता से तीसरी लहर को रोकना है। उन्होंने कहा कि कई पर्व- त्यौहार भी आने वाले हैं। त्यौहारों पर हम इस तरह कार्यक्रम करें कि संक्रमण न फैले। हम सभी अनिवार्य रूप से मास्क लगाएँ। यदि किसी व्यक्ति को वैक्सीन के दोनों डोज लग जाते हैं तो खतरा कम हो जाता है। आगामी 26 सितंबर तक 100 प्रतिशत लोगों को जो वैक्सीन के पात्र हैं, उन्हें वैक्सीन का प्रथम डोज लगवाकर सुरक्षा चक्र प्रदान करना है।

लोगों को पीले चावल देकर वैक्सीन लगवाने का दें आमंत्रण

श्री चौहान ने कहा कि कोरोना वॉलेंटियर, जन-प्रतिनिधि और नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए वैक्सीन से छूटे लोगों को 17 सितंबर को वैक्सीनेशन केंद्र तक लाने का कार्य करें। लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए अनुरोध करें, पीले चावल देकर वैक्सीन लगवाने का आमंत्रण दें, घर-घर संपर्क कर लोगों को वैक्सीनेशन का महत्व बताएं। वैक्सीनेशन केंद्र पर उत्सवी वातावरण बनाया जाए। सोशल मीडिया में वैक्सीन का प्रचार कर वैक्सीन लगवाने वाले सेल्फी भी पोस्ट करें। इससे अन्य लोग प्रेरित होंगे। प्रदेश में पर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सहयोग से निःशुल्क रूप से प्राप्त वैक्सीन का पूरा उपयोग किया जाए।

डेंगू से जंग-जनता के संग अभियान कल

श्री चौहान ने कहा कि 15 सितंबर को 'डेंगू से जंग-जनता के संग' अभियान में सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक हर मोहल्ले में लार्वा नष्ट करने का कार्य होगा। घरों में कूलर, वाटर टैंक और आसपास गड्ढों में जमा पानी को उलटाकर स्वच्छता अभियान चलाएं। ग्रामीण विकास, नगरीय विकास विभाग, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग मिलकर डेंगू से बचाव और नियंत्रण के लिए कार्य करें। आवश्यक स्थानों पर फॉगिंग भी की जाए। अनावश्यक जल जमाव के दोषी लोगों पर दण्ड लगाने की कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू के उपचार के लिए सभी जिला अस्पतालों में दस-दस बिस्तर का आइसोलेशन वार्ड बनाया जा रहा है।

पदोन्नति की राह निकालने में जुटी प्रदेश सरकार

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में अब शासकीय सेवकों की पदोन्नति की राह खुल सकती है। अब सरकार शासकीय सेवकों को पदोन्नति देने के लिए रास्ता निकालने की जुगत में लग गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने मंत्री समूह का गठन कर दिया है। मंत्री समूह शासकीय सेवकों को उनके सेवाकाल में पात्रतानुसार पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराने के संबंध में भविष्य की रणनीति का निर्धारण करेगी।

राज्य सरकार ने गठित किया मंत्री समूह

मंत्री समूह में गृह, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, वन मंत्री विजय शाह, सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अरविंद भदौरिया और राज्य मंत्री सामान्य प्रशासन, स्कूल शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार इंदर सिंह परमार रहेंगे। अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन मंत्री समूह के समन्वयक होंगे। यहां बता दें कि प्रदेश में पिछले पांच वर्ष से शासकीय सेवकों को पदोन्नत नहीं किया जा सका है। मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण इसमें लगातार देरी हो रही है। इसी के चलते प्रदेश में हजारों शासकीय सेवक बगैर पदोन्नति का लाभ लिए ही सेवानिवृत्त हो गए हैं। यह सिलसिला लगातार चल रहा है। कर्मचारी संगठनों ने भी राज्य सरकार पर दबाव बनाया हुआ है कि उन्हें पदोन्नत करने के लिए राज्य सरकार रास्ता निकाले। इस संबंध में पहले भी राज्य सरकार ने पहल की है, लेकिन अब जाकर मंत्री समूह का गठन किया गया है।

कर्मचारी संगठन के नेताओं ने कहा

यह आदेश जारी होते ही अब कर्मचारी संगठनों के उन नेताओं के कान खड़े हुए हैं जो लोक सेवकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने का दावा करते रहे हैं। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि प्रदेश में शिक्षकों सहित अन्य संवर्ग की विभागों में पदोन्नति करने के लिए उन्होंने राज्य सरकार को कई पत्र दिए हैं। व्यक्तिगत तौर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की गई है। उसके बाद यह आदेश जारी किया गया है। मप्र समग्र शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चंद दुबे का कहना है कि हम शुरू से ही पदोन्नति पर प्रतिबंध होने को लेकर सरकार की खिलाफत करते रहे हैं। सरकार को भी मालूम है कि प्रमोशन ना होने के कारण सबसे अधिक शिक्षक पीड़ित थे। इस कारण यह आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रवक्ता सुभाष शर्मा ने कहा है कि अगले सप्ताह से हमारी बे शमुद्दत हड़ताल प्रस्तावित है। यही वजह है कि अब सरकार को पदोन्नति यों के लिए मंत्रियों की कमेटी का गठन करना पड़ा है। बता दें कि प्रमोशन पर प्रतिबंध होने के कारण अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संगठन की नाराजगी भी सरकार को कहीं ना कहीं चिंता में डालती रही है। संगठन के अध्यक्ष और महासचिव समय.समय पर यह को यह चेतावनी देते रहे हैं कि अगर शासन ने पदोन्नति के रास्ते नहीं खोले तो उसे अगले विधानसभा चुनाव में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। यही कारण है कि सरकार को भारी मंथन के बाद यह आदेश जारी करने पड़े हैं।

खरगौन मामले में एसपी को हटाने के बाद एसडीओपी निलंबित

भोपाल (एजेंसी)। खरगौन में पुलिस अभिरक्षा में हुई आदिवासी युवक की कथित मौत के ममले में रविवार को एसपी शैलेंद्र कुमार चौहान को हटाने के बाद सोमवार को भीकनगांव एसडीओपी प्रवीण कुमार उईके को निलंबित कर दिया गया है।

कर्तव्य में लापरवाही के चलते गृह विभाग ने की कार्रवाई

गृह विभाग के अवर सचिव अन्नू भलावी ने इस अशय के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि में श्री उईके का मुख्यालय भोपाल रहेगा। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि खरगौन जिले के बिस्टान थाना क्षेत्र में हुई आरोपी बिशन भील की मौत के मामले में भीकनगांव एसडीओपी प्रवीण कुमार उईके ने जांच के दौरान अपने कर्तव्य का पालन करने में लापरवाही की है, इसलिए उन्हें निलंबित किया जाता है। गौरतलब है कि बिस्टान थाना क्षेत्र के खेरकुंडी में लूट और डकैती का वारदात हुई थी। पुलिस ने इस मामले में विगत चार सितंबर को बिशन भील सहित 11 अरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपी बिशन की 07 सितंबर को जेल में मौत हो गई। बिशन की मौत से गुस्साए अदिवासियों ने बिस्टान थाना में जमकर तोड़फोड़ की। मामले ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए थे।

17 को सभी निकायों में 100-100 पौधे लगाए जाएं

मंत्री भूपेंद्र सिंह ने विभागीय समीक्षा में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के खाते में सीधे राशि भेजी जाए। श्री सिंह ने यह निर्देश विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में जरूरी कार्रवाई समय-सीमा में करें। श्री सिंह ने कहा कि 17 सितंबर को सभी नगरीय निकायों में 100-100 पौधे लगाए जाएं। पौधों के पेड़ बनने तक देखरेख भी करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद के कार्यों की नगरीय निकाय बार समीक्षा करें। योजना में अभी तक 382 स्वीकृत कार्यों में 149 पूरे हो चुके हैं। श्री सिंह ने स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए विभिन्न क्लस्टरों में चल रहे कार्यों की सतत मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने कहा कि अन्य निकायों के लिए भी अपशिष्ट प्रबंधन की बेहतर मैकेनिज्म बनाएं। श्री सिंह ने नल जल एवं सीवरेज परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री सिंह ने कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के कार्य संतोषप्रद नहीं है। इस योजना में कार्य मिशन मोड में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमानुसार स्व-सहायता समूह का गठन किया जाए। इस दौरान प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास मनीष सिंह एवं आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास निकुंज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कैबिनेट ने उत्पादन को बढ़ावा देने की नई नीति को दी मंजूरी

प्रदेश में एथेनॉल बनाने पर मिलेगी रियायत

भोपाल (एजेंसी)। राज्य सरकार प्रदेश में किफायती ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करेगी। इसके लिए एथेनॉल और जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देगी। प्रदेश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए प्लांट लगे, इसके लिए राज्य सरकार जमीन से लेकर कई तरह के शुल्क में भी रियायत देगी।

कैबिनेट ने इस संबंध में सोमवार को नई नीति के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। निर्णय के तहत ऐसे प्रोजेक्ट को वित्तीय सहायता मिलेगी। निर्णय के मुताबिक उत्पादन से जुड़े प्लांट एवं मशीनरी में किए गए पूंजी निवेश के 100 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तक, पेट्रोलियम तेल उत्पादन कंपनियों को इकाई द्वारा उत्पादित एथेनॉल प्रदाय करने पर 1.50 रुपए प्रति लीटर की वित्तीय सहायता मिलेगी। यह सहायता वाणिज्यिक उत्पादन की दिनांक से सात वर्ष के लिए मिलेगी। इसी तरह इकाइयों के लिए भूमि क्रय करने पर स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने के दिनांक से पांच साल के लिए विद्युत शुल्क में 100 प्रतिशत छूट दी जायेगी। 100 प्रतिशत पेटेंट शुल्क की प्रतिपूर्ति 5 लाख रुपए तक की सीमा तक की जाएगी। जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सुविधा के लिए इक्विपमेंट पर 50 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान, जो एक करोड़ रूपये की अधिकतम सीमा तक होगा, प्रदान किया जाएगा। इस नीति के क्रियान्वयन के लिए एमपीआईडीसी भोपाल नोडल एजेंसी बनाया गया है।

न्यायिक सेवा वालों को तीन वर्ष तक सेवा देना होगा अनिवार्य

कैबिनेट ने मप्र उच्च न्यायिक सेवा भर्ती तथा सेवा की शर्तें, नियम, 2017 में संशोधन कर दिया है। इस के तहत अब न्यायिक सेवा वालों को न्यूनतम तीन वर्ष की सेवा देना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके तहत अभ्यर्थी से नियमित नियुक्ति के समय इस आशय का रुपये 5 लाख का बंधपत्र निष्पादित कराया जाएगा कि उसे पदभार ग्रहण करने के बाद न्यूनतम तीन वर्ष तक सेवाएं देना अनिवार्य होगा अन्यथा किसी भी कारण से त्यागपत्र देकर सेवाएं नहीं देने पर उक्त राशि या तीन महीने के वेतन और भत्ते के बराबर राशि, जो भी अधिक हो, देना होगी। उस शर्त के उल्लंघन के मामले में बांड की पूरी राशि राजसात की जा सकेगी। यदि आवेदक केंद्र या मप्र राज्य की शासकीय सेवा के लिए पूर्व अनुमति के साथ त्यागपत्र देता है तो बंधपत्र की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी।

यह निर्णय भी लिये

- मानसिक चिकित्सालय, इंदौर का सेंटर ऑफएक्सीलेन्स के रूप में उन्नयन किए जाने के लिए नवीन एसओआर दरों के अनुसार परियोजना के लिए 33.1 करोड़ रुपए की स्वीकृति और संस्था में पूर्व से स्वीकृत 25 पदों को समर्पित करते हुए 13 नवीन पदों के सृजन की प्रशासकीय स्वीकृति। मनोरोग विषय में एमडी की 4 सीट, क्लीनिकल साइकोलॉजी की 18 एमफिल सीट, साइकियाट्रिक सोशल वर्क की 18 एमफिल सीट और साइकियाट्रिक नर्सिंग डिप्लोमा कोर्स की 40 अतिरिक्त सीट शुरू होगी।
- मप्र सड़क विकास निगम द्वारा चयनित एजेंसी के माध्यम से सागर-दमोह मार्ग पर 29 अप्रैल 2028 तक, महू-घाटाबिल्लोद मार्ग पर 13 फरवरी 2035 तक, भिंड-मिहौना-गोपालपुरा मार्ग पर 30 अप्रैल 2030 तक और बीना-खिमलासा-मालथोन मार्ग पर 30 अप्रैल 2035 तक टोल वसूली होगी।
- कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के उत्पादों का प्रमोशन, ब्रांड बिल्डिंग और विपणन अधोसंरचना नवीन योजना का अनुमोदन।
- शासकीय महाराजा स्वशासी स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, छतरपुर का महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर में समस्त संसाधनों सहित संविलियन एवं पूर्व में स्वीकृत 236 पदों के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- अजा, अजजा तथा अन्य पिछड़े वर्गों के बैकलॉग कैरीफारवर्ड पदों तथा निःशक्तजनों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान की समय-सीमा एक जुलाई, 2021 से 30 जून, 2022 तक एक वर्ष और बढ़ी।

प्रदेश में हर वर्ग के लोग परेशान : कमलनाथ

भोपाल । मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने कहा कि सत्तारुढ़ भाजपा सरकार में आज हर वर्ग के लोग परेशान हैं। श्री कमलनाथ ने सोमवार को ट्वीट के माध्यम से प्रदेश सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि पिछले 15 वर्ष की हज़ारों घोषणाएं अभी तक अधूरी हैं। उन्होंने कहा कि 28 उपचुनाव की हज़ारों घोषणाओं के अभी तक पते नही और अब प्रदेश में चार उपचुनावों को देखते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झूठी घोषणाएं करना फिर शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में हर वर्ग के लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग को बढ़ा हुआ डीए नहीं, एरियर नहीं, चयनित शिक्षकों को नौकरी नहीं, बेरोजगारों को रोजगार नहीं, बाढ़ग्रस्त इलाक़ों में राहत के कार्य नहीं, मुआवजा नहीं, विकास कार्य ठप, टूटे पुल-पुलियाओ के निर्माण का काम शुरू नहीं हुआ। श्री कमलनाथ ने कहा कि इसके अलावा कोयले का भुगतान बाक़ी है। बिजली संकट चरम पर और दूसरी तरफ़ मुख्यमंत्री शिवराज का चुनावी क्षेत्रों में जनता को झूठी घोषणाओं का काम जारी है।

जयपुर घराने में मुख्य भूमिका निभाएंगी ज्योति सक्सेना

ज्योति सक्सेना ने हाल ही में हिट गीत खोया हूं मैं में देखा है, जिसमें से अभिनेत्री को दर्शकों से प्यार और सराहना मिली है। अभिनेत्री ज्योति सक्सेना जयपुर घराने में विशेषज्ञता के साथ एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं। ज्योति सक्सेना ने बचपन से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखा है और हमेशा बॉलीवुड उद्योग के प्रमुख निर्देशकों और अभिनेताओं के साथ काम करना चाहती हैं। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनके संघर्ष की अवधि का इंतजार अब खत्म हो गया है क्योंकि वह जल्द ही एक आगामी बॉलीवुड एक्शन कॉमेडी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं, ज्योति सक्सेना ने कहा, मैं आभारी हूं कि मुझे यह अवसर मिल रहा है क्योंकि मैं हूं जल्द ही अपनी आगामी एक्शन कॉमेडी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने जा रहा हूं, मैं फिल्म के बारे में अधिक विवरण और कई अन्य चीजों का खुलासा नहीं कर सकटी, पहला शेड्यूल नवंबर में दुबई में शूट किया जाएगा। बॉलीवुड में शुरुआत करना चुनौतीपूर्ण है लेकिन मुझे लगता है कि मुझे बहुत मज़ा आने वाला है और बहुत कुछ सीखने को मिलेगा क्योंकि मेरी प्रतिभा को उतनी लाइमलाइट नहीं मिली है जितनी वह योग्य है। मैं अपनी नई फिल्म के बारे में अधिक जानकारी साझा करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। अभिनेत्री अपने किरदार पर कड़ी मेहनत कर रही है क्योंकि वह एक एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी जिसके लिए ज्योति सक्सेना नियमित रूप से काम कर रही हैं। ज्योति सक्सेना के पास पाइपलाइन के तहत कई और रोमांचक परियोजनाएं हैं जिनकी घोषणा जल्द ही की जाएगी.

गोविंदा की वजह से शो में नहीं पहुंचे कृष्णा अभिषेक

कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और गोविंदा के बीच की तकरार लंबे समय से चली आ रही है। मामा-भांजे के बीच का झगड़ा एक बार फिर से खुलकर सामने आ गया जब हाल ही में गोविंदा 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचे। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने शो में हिस्सा लिया है। कृष्णा इस एपिसोड की शूटिंग के लिए मौजूद नहीं रहे। यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ है इससे पहले भी जब गोविंदा शो आए थे तो कृष्णा एपिसोड में नहीं दिखे। अब इस बारे में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कहा कि जिन लोगों ने इनको बड़ा किया है उन्हीं के साथ बदतमीजी पर उतर गए हैं।

-सम्मानजनक दूरी रखना चाहते हैं

गोविंदा की पत्नी सुनीता ने बातचीत में कहा कि 'पिछले साल नवंबर में गोविंदा ने एक बयान जारी कर कहा था कि परिवार के मुद्दों को पब्लिकली नहीं करना चाहते। एक जेंटलमैन की तरह उन्होंने अपना यह वादा निभाया। हम एक सम्मानजनक दूरी बनाए रखना चाहते हैं लेकिन ये चीजें एक ऐसे प्वॉइंट पर पहुंच गई हैं जहां से कोई समाधान निकालने की जरूरत महसूस होती है।

-मीडिया में बोलने की क्या जरूरत

सुनीता आगे कहती हैं कि 'जब भी हम शो में आते हैं वह पब्लिसिटी के लिए मीडिया में कुछ ना कुछ कहता है। क्या फायदा है ये सब बोल के? परिवार के मामलों को मीडिया में बोलने का क्या फायदा है? गोविंदा इस बारे में कोई रिएक्शन नहीं देते हैं लेकिन यह दुखद है। उसके बगैर भी तो हमारा शो हिट होता है, और ये वाला भी होगा।

-रिश्ते सुधारने पर कही ये बात

गोविंदा और कृष्णा अभिषेक के बीच की यह दरार पिछले तीन सालों से चल रही है जब कृष्णा की पत्नी कश्मीरा ने ट्वीट कर कहा था कि 'कुछ लोग पैसों के लिए डांस करते हैं।' सुनीता का मानना है कि यह पोस्ट गोविंदा की ओर इशारा था। क्या दोनों परिवारों के बीच दूरियां कभी कम होंगी? वह आगे कहती हैं कि 'वह कभी नहीं होगा। तीन साल पहले मैंने कहा था कि यह ऐसी चीजें हैं जो मेरे जीते जी नहीं सुलझ सकतीं। आप परिवार का नाम लेकर बदतमीजी नहीं कर सकते। हमने पाल-पोस कर बड़ा किया है तो सिर पर चढ़ जाएंगे और बदतमीजी करेंगे। अगर मेरी सास के निधन के वक्त हमने कृष्णा से घर छोड़कर चले जाने के लिए कहा होता तो क्या होता? जिन्होंने इनको पाल-पोस कर बड़ा किया ये उन्हीं के साथ बदतमीज पर उतर गए हैं।

आयुष शर्मा ने फैक्कर हाथ के साथ की अंतिम की शूटिंग-महेश मांजरेकर

फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर ने अभिनेता आयुष शर्मा की प्रशंसा की है। आयुष ने अपनी आगामी फिल्म अंतिम द फाइनल ट्रुथ के गीत विघ्नहर्ता के लिए घायल और फ्रैक्चर हथेली के साथ शूटिंग की है। इस साल जनवरी में आयुष ने शूटिंग के दौरान फिल्म के सेट पर चोटिल होने की जानकारी शेयर की थी। आयुष के बारे में बात करते हुए, मांजरेकर ने कहा, एक चीज जो मुझे आयुष की सबसे ज्यादा पसंद थी, वह थी उसके काम करने का जुनून। वह किरदार के लिए इतना समर्पित था, वह राहुलिया बन गया। गाने की शूटिंग के दौरान, एक दिन मुझे जल्दी जाना था और केवल कुछ छोटे एक्शन सीक्वेंस बचे थे, इसलिए मैं घर चला गया था। फिल्म निमार्ता ने आगे कहा, अगले दिन, सुबह सबसे पहले मुझे पता चला, एक्शन सीन में गलती से एक क्लोज अप शॉट के दौरान उसकी उंगलियां टूट गईं। चूंकि हमारे पास बहुत सारे दृश्य और शॉट लंबित थे, इसलिए मैं थोड़ा चिंतित था, लेकिन मैं चकित था, जब उस टूटे हाथ से उसने शूटिंग खत्म कर दी। वह भयानक दर्द में रहा होगा लेकिन किसी भी तरह वह शूटिंग पूरी करने में कामयाब हो गया। मांजरेकर को पता था कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के बहनोई आयुष दर्द में हैं। उन्होंने कहा, मैं उन्हें अपनी कलाई बांधते, व्यायाम करते हुए और हर शॉट को मेहनत से करते हुए देखा है। जब आपका हाथ फ्रैक्चर हो जाता है, तो यह एक झकझोर देने वाला एहसास होता है, लेकिन वह भूमिका में डूब गया था। यह पहली बार है जब सलमान खान और आयुष स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सलमान खान फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, अंतिम सलमान खान द्वारा निर्मित और महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित है।

हिमाचली होने पर मुझे गर्व है-यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम को अपनी नवीनतम फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग के दौरान अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश घूमने का मौका मिला। इस क्षेत्र में पैदा होने और पहाड़ों के साथ लगातार रोमांस करने के कारण, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि कैसे फिल्म की शूटिंग के अनुभव ने उनमें पहाड़ों के साथ अपनेपन की भावना को फिर से स्थापित किया। यामी ने बताया, हम कठिन मौसम की स्थिति में शूटिंग कर रहे थे क्योंकि काफी ठंड थी। बहुत सारे बाहरी दृश्य थे और रोशनी और मौसम को ध्यान में रखते हुए, हमें एक दिन में बहुत कुछ शूट करना पड़ता था। लेकिन मैं इन सब के लिए तैयार थी। क्योंकि जब भी मैं हिमाचल में होती हूं, मुझे अपनेपन का एहसास होता है। जब मैं सूर्योदय, बर्फ से ढके पहाड़ देखती हूं तो इस तथ्य को महसूस करती हूं कि मैं हिमाचल में पैदा हुई हूं। यह मेरा जन्मस्थान है। यह मेरे लिए इतना आध्यात्मिक है कि मुझे लगता है कि भगवान वहां मौजूद मौन में, पहाड़ में, बर्फ में और मुझे है। मुझे प्रकृति माँ से सबसे अच्छा आलिंगन मिलता है। अपनी शूटिंग खत्म करते हुए, जब मैं अपनी कार से खिड़की से बाहर देखती थी, तो मेरी थकान छू हो जाती थी . फिल्म भूत पुलिस एक हॉरर-कॉमेडी है जो पवन कृपलानी द्वारा निर्देशित है, जिसे रमेश तौरानी अक्षय पुरी द्वारा निर्मित किया गया है और इसमें सैफ अली खान, अर्जुन कपूर, जैकलीन फर्नांडीज और जावेद जाफरी भी हैं। फिल्म को पिछले साल शूट किया गया था जब अनलॉक प्रक्रिया शुरू हुई और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, कलाकारों और चालक दल को बायो-बबल में रहना पड़ा था। हालांकि, उन्होंने कहा कि दिवाली के दौरान अपने परिवार से न मिलने का अफसोस करने के बजाय, मैंने भूत पुलिस की टीम के साथ जश्न मना लिया था। यामी ने साझा किया कि मैंने पारंपरिक पहाड़ी भोजन, हमारे पहाड़ी धाम की व्यवस्था की, जिसे हम दिवाली के दौरान खाते हैं और यह मेरे सभी सह-कलाकारों और चालक दल के सदस्यों को खुशी और हमारी पहाड़ी संस्कृति साझा करने का मौका था। सैफ एक खाने के शौकीन हैं और उन्होंने हमारे सभी पारंपरिक भोजन का सबसे अधिक आनंद लिया। हमने दिवाली को पहाड़ी तरीके से मनाया। मेरे जन्मदिन पर, जो एक कामकाजी जन्मदिन था, जैकलीन ने मुझे एक सरप्राइज पार्टी देने का प्रयास किया और कुछ सुंदर उपहार लाई थी। विक्की डोनर की अभिनेत्री ने आगे कहा कि मैं हिमाचल में पैदा हुई, चंडीगढ़ में पली-बढ़ी। लेकिन मैं हमेशा हिमाचल जाती थी क्योंकि मेरे रिश्तेदार वहां रहते हैं। मुझे हिमाचली, पहाड़ी होने पर गर्व महसूस होता है। भूत पुलिस 10 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

कुब्रा सैत ने वेब शो के लिए शाहिद संग शूटिंग के दिए संकेत

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने सोशल मीडिया पर एक तीखे कमेंट में बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर के साथ आगामी वेब सीरीज में काम करने का संकेत दिया है। उन्होंने गुरुवार को फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके की एक पोस्ट पर टिप्पणी की। राज और डीके ने प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा कुछ बताए बिना अपने सोशल मीडिया पेज पर शाहिद को टैग किया और कहा कि वे कुछ रोमांचक देख रहे थे। कुब्रा और कबीर सिंह स्टार ने फिर उस पर टिप्पणी की, जिस पर राज और डीके ने जवाब दिया, जैसे ही आप सेट पर आते हैं.. । निर्देशक की जोड़ी की प्रतिक्रिया ने उत्सुकता पैदा कर दी कि क्या कुब्रा आगामी अनटाइटल्ड वेब सीरीज के कलाकारों में शामिल हो रही हैं, जो शाहिद के डिजिटल डेब्यू को चिह्नित करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो में विजय सेतुपति और राशि खन्ना भी हैं। कुब्रा को सेक्रेड गेम्स, रिजेक्टएक्स, द वर्डिक्ट-स्टेट वर्सेज नानावती जैसी वेब सीरीज में उनके काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने जवानी जानेमन और डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

मैं खुद को स्टार कहने में थोड़ी शर्माती हूं-भूमि

साल 2015 में अपनी शुरूआत से ही भूमि पेडनेकर ने आलोचकों को आश्चर्यचकित कर दिया था, और एक अधिक वजन वाली दुल्हन की भूमिका निभाकर पुरस्कार कई जीते थे। रोमांटिक कॉमेडी दम लगा के हईशा में अपने अधिकारों के लिए बोलने वाली भूमि ने तब से अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। वह टॉयलेट एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान, सांड की आंख, बाला, पति पत्नी और वो और डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे में नजर आ चुकी हैं। लेकिन क्या भूमि स्टार टैग के साथ सहज हैं? एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने कबूल किया कि मैं खुद को स्टार कहने में थोड़ा शर्माती हैं। वह जोर देकर कहती हैं कि वह एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्हें बहुत प्यार मिला है। भूमि ने कहा कि मुझे लगता है कि अलग-अलग पीढ़ियों में स्टारडम की परिभाषा बदल गई है। लेकिन हां, मैं आभारी हूं कि मेरी फिल्मों को सराहा गया और लोग मुझे प्यार करते हैं। हिंदी सिनेमा में आपकी पहचान हिट फिल्मों से बनती है, लेकिन भूमि ने केवल संदेश-संचालित फिल्मों में अभिनय करके अपनी जगह बनाई है और खुद को भाग्यशाली कहती है। भूमि ने कहा, मैं हमेशा से चाहती हूं कि मेरी फिल्मों में मनोरंजन के साथ-साथ एक सकारात्मक संदेश भी हो, क्योंकि सिनेमा मुख्य रूप से यही करता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि भविष्य में भी फिल्में ऐसी ही होंगी। अगर कोई फिल्म देखने में दो घंटे खर्च कर रहा है, या मेरे कंटेंट को देख रहा है, तो इससे उसकी मानसिकता में किसी तरह का सकारात्मक बदलाव आना चाहिए। एक पब्लिक फिगर के तौर पर भूमि दुनिया के लिए भी काम कर रही हैं। 2019 में, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग पर जागरूकता बढ़ाने के लिए जलवायु योद्धा अभियान शुरू किया। तो, क्या यह हिंदी सिनेमा के लिए जलवायु परिवर्तन और स्थायी जीवन शैली से संबंधित मुद्दों को उठाने का समय है? भूमि से जवाब दिया कि हां, मुझे लगता है कि यह उचित समय है कि हिंदी सिनेमा अपनी फिल्मों में रहने का एक स्थायी तरीका दिखाना शुरू कर दे। संयोग से, भूमि को जलवायु संरक्षण और स्थिरता की दिशा में अपने प्रयासों के कारण भारत के पहले एमएसी वैश्विक सौंदर्य प्रसाधन ब्रांड एंबेसडर के रूप में नामित किया गया है। वास्तव में, वह यह सुनिश्चित करती है कि जिस सेट पर वह काम करती है, वहां वह प्लास्टिक की बोतलों और एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक का यथासंभव उपयोग न करे। भूमि ने कहा कि मुझे पता है कि यह मुश्किल है, लेकिन मैं अपने पारिस्थितिकी तंत्र को यथासंभव टिकाऊ बनाने की कोशिश करती हूं। मुझे लगता है कि हमें उन फिल्मों और कथाओं की आवश्यकता है जो संदेश देती हैं क्योंकि फिल्म, नाटक जनता को संदेश देने के लिए सबसे शक्तिशाली माध्यम हैं।

तैमूर-जहांगीर के नाम पर ट्रोल करने वालों को सैफ अली खान का जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर और सैफ अली खान इसी साल दूसरी बार माता-पिता बने हैं। दोनों ने जब अपने पहले बेटे का नाम तैमूर रखा तो उन्हे खूब ट्रोल किया गया था। वहीं दूसरे बेटे का नाम जहांगीर रखने पर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। हाल ही में एक इंटरव्यू में सैफ अली खान ने दोनों बेटों के नाम पर हो रही ट्रोलिंग पर बात की है। उन्होंने कहा, दुनिया सबके लिए समान नहीं है, सभी लोग यहां खुश नहीं रहते। हम लोग प्रिविलेज्ड हैं और मुझे लगता है कि हम अच्छे लोग हैं। हम अपना टैक्स चुकाते हैं, हम सबकुछ कानून के दायरे में करते हैं। सैफ ने कहा, हम लोगों को एंटरटेन करने के लिए काफी मेहनत करते हैं, साथ ही हम दुनिया को अच्छी खासी पॉजिटिविटी देते हैं। ऐसे में उन लोगों पर कमेंट करना जो नेगेटिविटी फैलाते हैं, बांटने का काम करते हैं और बुरे है... कोई मायने नहीं रखता है। मैं कोशिश करता हूं कि ऐसे कमेंट्स को ना पढ़ूं और इसकी जगह किसी और चीज पर फोकस करूं। बता दें कि सैफ अली खान की बहन सबा ने तैमूर और जाहंगीर के नाम पर सैफ और करीना को ट्रोल करने वालों को जमकर फटकार लगाई थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करके लिखा था, बच्चों का नाम क्या होगा इस बारे में सोचने का काम सिर्फ उसके पेरेंट्स का होता है और किसी का नहीं यहां तक कि रिश्तेदारों का भी नहीं

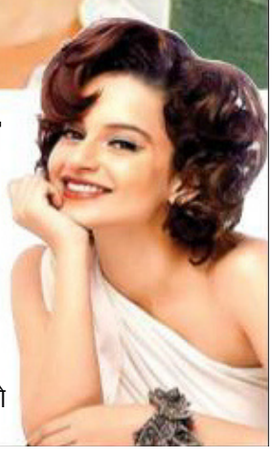

द कपिल शर्मा शो में दिखेंगी कंगना

बॉलीवुड दिवा और थलाइवी स्टार कंगना रनौत शनिवार के एपिसोड में द कपिल शर्मा शो में विशेष अतिथि के रूप में नजर आएंगी। इसमें अभिनेत्री कंगना के साथ फिल्म के निर्देशक एएल विजय, निमार्ता विष्णु वर्धन इंदुरी और शैलेश आर सिंह सहित थलाइवी कलाकारों के साथ गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया जाएगा। यह तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता के जीवन पर आधारित है। फिल्म में कंगना रनौत जयललिता की भूमिका में हैं। द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

रवि शास्त्री और सपोर्ट स्टाफ 15 सितंबर को हो सकते हैं भारत रवाना, बीसीसीआई अधिकारी ने दिए संकेत

ओवल। भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री के अलावा सपोर्ट स्टाफ के उनके साथी भरत अरुण और आर श्रीधर के बुधवार को भारत रवाना होने की उम्मीद है, बशर्ते इससे पहले उनकी आरटी-पीसीआर की रिपोर्ट दो बार निगेटिव आ जाए। शास्त्री ओवल में चौथे टेस्ट से पहले कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए थे जिसके बाद से वह चार सितंबर से एकांतवास में हैं। उनका अरुण और श्रीधर के साथ 10 दिन का एकांतवास सोमवार को खत्म होगा। फिर उनके आईपीएल के बाद दुबई में कड़े 'बायो-बबल' से जुड़ने की उम्मीद है, जब भारतीय टीम टी20 विश्व कप अभियान के लिए एकत्रित होगी। 19 सितंबर से आईपीएल के 14वें सीजन का दूसरा चरण खेला जाएगा और 17 अक्तूबर से टी20 विश्व कप का आयोजन होगा। इस बीच भारतीय दल के अन्य सहयोगी स्टाफ सदस्य सोमवार दोपहर को कमर्शियल फ्लाइट से दुबई से होते हुए भारत पहुंचेंगे। आठ सितंबर को पॉजिटिव आने वाले जूनियर फिजियो योगेश परमार कुछ और दिन क्वारंटीन में रहेंगे और पूरा होने पर ही स्वदेश रवाना होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, रवि, श्रीधर और अरुण को कोई समस्या नहीं है और उन्हें कोई ज्यादा लक्षण नहीं है। वे सोमवार को अपना आरटी-पीसीआर परीक्षण कराएंगे और अगर सब ठीक रहता है तो वे रवानगी की पूर्व निर्धारित तारीख पर रवाना हो सकते हैं जो 15 सितंबर है। अंतिम फैसला चिकित्सीय टीम द्वारा लिया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने किया टी-20 सीरीज पर कब्जा, दूसरे मैच में श्रीलंका को नौ विकेट से रौंदा

कोलंबो। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को नौ विकेट से हराकर टी-20 सीरीज पर 2-0 से कब्जा कर लिया है। तीन मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की टीम 103 रन पर सिमट गई। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने क्विंटन डीकॉक (58*) की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर 35 गेंदें शेष रहते ही यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। प्रोटियाज टीम की तरफ से तबरेज शम्सी और एडेन मार्करम ने तीन-तीन विकेट चटकाए। तबरेज ने 20 रन देकर तीन विकेट झटके। इस शानदार गेंदबाजी के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

अगर मैच की बात करें तो, पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाईटीमकी खराब शुरुआत हुई। 10 रन के स्कोर पर टीम को दिनेश चांदीमल (5) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद टीम के धड़ाधड़ विकेट गिरने लगे। 78 रन के स्कोर पर श्रीलंका की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। कुसल परेरा ने मेजबान टीम की तरफ से सबसे अधिक 30 रन बनाए। सात बल्लेबाजों ने तो दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका। वहीं, श्रीलंका के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम ने डीकॉक (58 रन, 48 गेंदें, सात चौके) और रिजा हेंड्रिक्स (18) की मदद से जीत हासिल की। दोनों के बीच पहले विकेटे के लिए 62 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद डीकॉक ने दूसरे विकेट के लिए मार्करम (21*) के साथ 43* रन की साझेदारी की।

फटकार: अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान ने टिम पेन को लताड़ा, बोले- बिना जाने ना दें आक्रामक बयान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान टिम पेन को फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों को बगैर जाने उन्हें आक्रामक बयान नहीं देना चाहिए। दरअसल, पेन ने कहा था कि इस युद्धग्रस्त देश का आगामी टी-20 विश्व कप में खेलना असंभव है। इसी टिप्पणी को लेकर असगर ने पेन को लताड़ा है। पेन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान के खिलाफ 27 नवंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच को रद्द करने के फैसले को सही ठहराते हुए कहा था कि तालिबान ने महिलाओं को क्रिकेट खेलने से रोक दिया है और ऐसे में अफगानिस्तान जैसी टीम के लिए आईसीसी से मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट में खेलना मुश्किल होगा। अफगान ने पेन को लिखे पत्र में कहा कि आईसीसी के नियमों के अनुसार, देश की टीम को न सिर्फ आगामी टी-20 विश्व कप बल्कि आईसीसी के अन्य टूर्नामेंटों में खेलने का भी अधिकार है। अफगान ने कहा, 'क्रिकेट में इस स्तर पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। अफगानिस्तान क्रिकेट में कम सुविधाओं वाला देश है, उसके पास आधारभूत ढांचा नहीं है, इसके बावजूद अभी हम जहां हैं और शीर्ष 10 देशों से कंधे से कंधा मिलाकर खेल रहे हैं।

जोकोविच का करियर ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना टूटा

फाइनल में मेदवेदेव से हारने के बाद दहाड़ मारकर रोए

न्यूयार्क। विश्व के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकेविच का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने का सपना टूट गया।

12 सितंबर को न्यूयॉर्क में खेले गए यूएस ओपन फाइनल में जोकोविच को विश्व के दूसरे वरीयता प्राप्त रूस के दानिल मेदवेदेव ने सीधे सेटों में 3-0 से हराकर उनके 21वें ग्रैंड स्लैम जीतने के ख्वाब पर पानी फेर दिया। जोकोविच अगर फाइनल जीत जाते तो इस साल वह अपना करियर ग्रैंड स्लैम भी पूरा कर लेते।

साल 2021 में सर्बियाई खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब पहले ही जीत चुके थे। लेकिन यूएस ओपन फाइनल में नोवाक इतिहास रचने से चूक गए। इस खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव ने उन्हें 6-4, 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। फाइनल हारने के बाद जोकोविच काफी भावुक

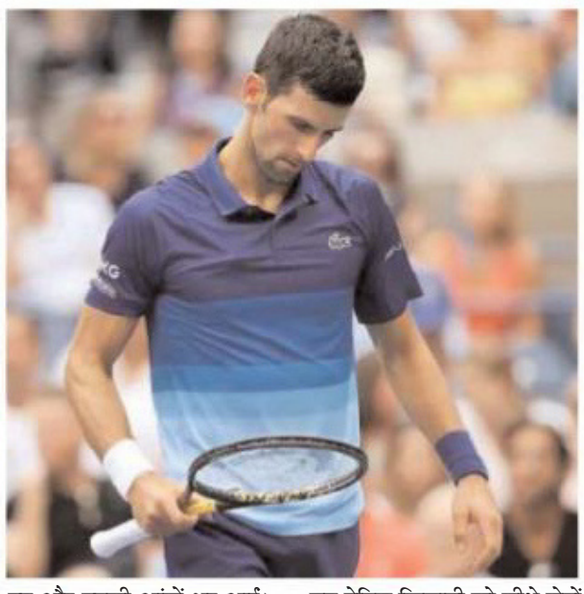

हुए और उनकी आंखें भर आईं।

फाइनल मुकाबले में मेदवेदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें टिकने नहीं दिया। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराना आसान नहीं था। लेकिन मेदवेदेव ने कर दिखाया। 25 वर्षीय रूसी खिलाड़ी के आगे फाइनल में जोकोविच बौने नजर आए। मुकाबले के दौरान मेदवेदेव के झन्नाटेदार शॉट्स का जवाब उनके पास नहीं था। पूरे मुकाबले में सर्बियाई खिलाड़ी वापसी के लिए संघर्ष करते रहे।

मुकाबला हारने के बाद भावुक हुए जोकोविच

फाइनल मुकाबला हारने के बाद जोकोविच काफी भावुक हुए। मैच समाप्त होने के बाद वह रोते हुए दिखाई पड़े। उनके रोने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फाइनल में लगातार यह जोकोविच की दूसरी हार है।

इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में उन्हें खिताबी मुकाबले में अलक्जेंडर ज्वेरेव ने हराया था। मैच के बाद जोकोविच ने कहा कि मैंने कभी न्यूयॉर्क में ऐसा महसूस नहीं किया।

शेन वॉर्न का विवादों से रहा नाता, कभी डोपिंग में फंसे तो कभी नर्स को भेजे अश्लील मैसेज

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व लेग स्पिनर शेन वॉर्न का शुमार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में किया जाता है। उन्होंने अपनी फिरकी गेंदबाजी में दुनिया के सभी बल्लेबाजों को फंसाया। वॉर्न के सामने ज्यादातर बल्लेबाज खेलने से कतराते थे। बॉल ऑफ सेंचुरी जैसे गेंद फेंकने का रिकॉर्ड उनके नाम है। उसे क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंद कहा जाता है। क्रिकेट करियर में कई रिकॉर्ड दर्ज करने वाले शेन वॉर्न आज अपना 52वां जन्मदिन मना रहे हैं। 13 सितंबर 1969 को शेन वॉर्न का जन्म ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में हुआ। वॉर्न एक बेहतरीन क्रिकेटर होने के बावजूद विवादों में भी रहे।

करीब 28 साल पहले साल 1993 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैनचेस्टर में खेले गए टेस्ट मैच में शेन वॉर्न ने बॉल ऑफ सेंचुरी डाली थी। यह शेन वॉर्न की पहली एशेज सीरीज थी और उन्होंने अपनी पहली गेंद पर इंग्लैंड के बल्लेबाज माइक गैटिंग को आउट किया था। वॉर्न ने यह गेंद दाहिने हाथ के बल्लेबाज माइक गैटिंग के लेग स्टंप के बहुत बाहर डाली। लेकिन बॉल ने गैटिंग का ऑफ स्टंप उड़ा दिया। इसी गेंद ने वॉर्न की जिंदगी बदल दी जिसे शेन वॉर्न ने खुद स्वीकार किया था।

शेन वॉर्न का विवादों से गहरा नाता रहा। साल 2003 क्रिकेट विश्व कप टीम में उन्हें शामिल किया गया। दक्षिण अफ्रीका पहूंचने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों का डोप टेस्ट हुआ जिसमें शेन वॉर्न फेल हो गए। जिसके चलते उन पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया। अपने ऊपर लगे आरोप के बचाव में उन्होंने कहा था कि मां के कहने पर यह दवा ली थी। हालांकि वॉर्न ने इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न पर मार्क वॉ के साथ बुकी को पिच से संबंधित जानकारी देने का आरोप लगा था। जिसका खुलासा इन दोनों खिलाड़ियों ने खुद किया। दोनों क्रिकेटरों का कहना था कि साल 1994 में सिंगर कप के दौरान मौसम और पिच से जुड़ी जानकारी उन्होंने बुकी के साथ साझा की थी।

विश्व चैंपियनशिप: ओस्लो में दो अक्तूबर से शुरू होगी चैंपियनशिप

भारतीय पहलवानों की तैयारियों के लिए नहीं लगा शिविर

नई दिल्ली। भारतीय पहलवानों की विश्व चैंपियनशिप के लिए तैयारियां अब तक शुरू नहीं हो पाई हैं। ओस्लो (नार्वे) में दो से 10 अक्तूबर तक होने वाली चैपियनशिप के लिए महज 20 दिन बचे हैं। टीम ट्रायल के जरिए चयनित हो चुकी है। पहलवान तैयारी शिविर शुरू नहीं होने के चलते घरों पर बैठने को मजबूर हैं। भारतीय कुश्ती संघ ने पुरुषों की सोनीपत और महिला पहलवानों की लखनऊ में तैयारियां प्रस्तावित कर रखी हैं। वर्षों बाद विश्व चैंपियनशिप में भारतीय दल युवा पहलवानों के भरोसे चुनौती पेश करेगा। पुरुषों में सत्यव्रत कादियान (97 किग्रा) और महिलाओं में अंशु मलिक (57 किग्रा), (सरिता 59 किग्रा), संगीता फोगाट (62 किग्रा) और दिव्या काकरान (72 किग्रा) अनुभवी पहलवान हैं।

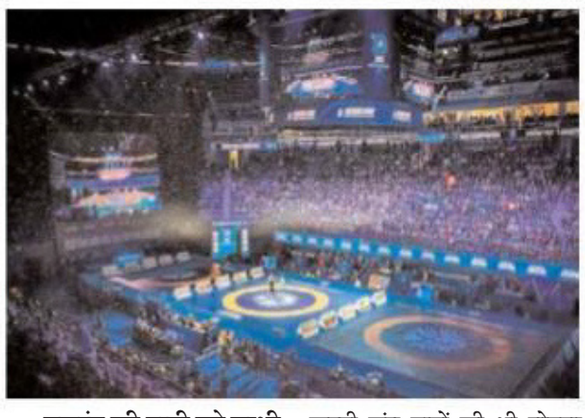

बजरंग की पत्नी को साक्षी कराएंगी तैयारियां

शिविर को मंजूरी नहीं मिलने के पीछे साई का तर्क ओलंपिक के बाद वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) का मंजूर नहीं होना बताया जा रहा है। शिविर के लिए कुश्ती संघ नामों की भी घोषणा कर चुका है। उसने सरिता की तैयारियों के लिए पूजा ढांडा और संगीता की तैयारियों के लिए साक्षी मलिक को शामिल किया है।

डूरंड कप: हैदराबाद एफसी की शानदार जीत, असम राइफल्स को 5-0 से दी शिकस्त

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम हैदराबाद एफसी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए यहां मोहन बागान एथलेटिक क्लब मैदान पर असम राइफल्स को 5-0 से करारी शिकस्त देकर डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की।

इस हार से असम राइफल्स की टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो गईं। हैदराबाद को अब्दुल रबीह (सातवें), चांगते (18वें), रोहुलपुइया (21वें) और अरुण कबरबाम (27वें मिनट) ने गोल करके मध्यांतर तक टीम को 4-0 से आगे कर दिया। चांगते ने 87वें मिनट में फ्री किक पर पांचवां गोल दागा। इससे पहले कल्याणी में खेले गए मैच में मौजूदा चैंपियन गोकुलम केरल अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत नहीं कर पाया तथा कई मौके गंवाने के कारण उसे

आर्मी रेड के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ खेलना पड़ा। आर्मी रेड ग्रुप डी में चार अंक लेकर अब भी शीर्ष पर है। गोकुलम ने घाना के रहीम ओसुमानु के नौवें मिनट में किए गए दर्शनीय मैदानी गोल से अच्छी शुरुआत की लेकिन वह आर्मी रेड पर दबाव नहीं बना पाया। सेना की टीम की तरफ से पी जैन ने 30वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि बिकास थापा ने 43वें मिनट में उसे बढ़त दिला दी। गोकुलम के लिए शरीफ मोहम्मद ने 70वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर बराबर किया। दोनों टीमों ने अच्छी शुरुआत की लेकिन गोकुलम रहीम के गोल से जल्द ही बढ़त हासिल करने में सफल रहा लेकिन जैन के गोल से एकदम से आर्मी रेड का पलड़ा भारी हो गया। थापा के गोल से सेना की टीम मध्यांतर के समय 2-1 से बढ़त पर थी। गोकुलम ने दूसरे हाफ में आक्रामक रवैया अपनाया। उसके कप्तान शरीफ मोहम्मद के पास बीच में गोल करने का बेहतरीन मौका था लेकिन उनका शॉट क्त्रससबार से टकरा गया।

हॉकी: सीनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने रविवार को सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 25 खिलाड़ियों का चयन किया है। इन खिलाड़ियों में टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली राष्ट्रीय टीम की सदस्य भी शामिल हैं। बता दें कि यह शिविर सोमवार से शुरू होने वाला है।

इन 25 संभावित खिलाड़ियों में गगनदीप कौर, मारियाना कुजुर, सुमन देवी थौडाम और महिमा चौधरी शामिल हैं, जिन्हें जूनियर से सीनियर कोर ग्रुप में लाया गया है।

वहीं, अनुभवी खिलाड़ी लिलिमा मिंज, रश्मिता मिंज, ज्योति राजविंदर कौर और मनप्रीत कौर को भी शिविर के लिए बुलाया गया है। उधर, सलीमा टेटे, लालरेमसियामी और शर्मिला टोक्यो ओलंपिक टीम का हिस्सा थीं, वे बंगलूरू के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में उसी परिसर

में चल रहे जूनियर भारतीय महिला टीम के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर से जुड़ेंगी।

हॉकी इंडिया ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'कोर ग्रुप 12 सितंबर राष्ट्रीय शिविर के लिए रिपोर्ट करेगा, जिसमें ओलंपिक खेल टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले भारतीय दल की 16 खिलाड़ी भी शामिल हैं और यह 20 अक्तूबर 2021 को समाप्त होगा।'

कोर संभावित ग्रुप :

सविता, रजनी इतिमारपू, दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, मनप्रीत कौर, गुरजीत कौर, निशा, निक्की प्रधान, मोनिका, नेहा, लिलिमा मिंज, सुशीला चानू पुखराम्बाम, नमिता टोप्पो, रानी, वंदना कटारिया, नवजोत कौर, नवनीत कौर, राजविंदर कौर, उदिता, रश्मिता मिंज, ज्योति, गगनदीप कौर, मारियाना कुजुर, सुमन देवी थौडाम और महिमा चौधरी।

रोनाल्डो के दो गोल के दम पर मैनचेस्टर यूनाइटेड की शानदार जीत, न्यूकैसल को 4-1 से हराया

मैनचेस्टर। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से अपनी दूसरी पारी का शानदार आगाज किया है। रोनाल्डो के दो गोल के दम पर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शनिवार को न्यूकैसल को 4-1 से हराया। रोनाल्डो ने पहला गोल 45+2वें मिनट में जबकि दूसरा गोल 62वें मिनट में किया। बता दें कि मैच में रोनाल्डो ने 45+2वें मिनट में शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसी के साथ पहला हाफ मैनचेस्टर यूनाइटेड के नाम रहा है। वहीं, दूसरे हाफ में न्यूकैसल की तरफ से जैवियर ने 56वें मिनट में गोल किया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद रोनाल्डो 62वें मिनट में ओक और गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। वहीं, खेल के 80वें मिनट में

ब्रूनो फर्नांडिस ने मैनचेस्टर के लिए एक और गोलकर टीम को 3-1 से बढ़त दिला दी। इसके बाद 90+2वें मिनट में जेसी लिंगार्ड ने एक और गोल दागा। इसी के साथ मैनचेस्टर की टीम यह मुकाबला 4-1 से अपने नामकर ली। गौरतलब है कि रोनाल्डो की 12 साल बाद पुराने क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड में वापसी हुई है। क्लब ने रोनाल्डो के साथ दो साल का करार किया है।

टोक्यो पैरालंपिक: गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत ने सचिन को दिया सफलता का श्रेय, बोले- उनकी खेल भावना ने मुझे काफी प्रभावित किया

मुंबई। टोक्यो पैरालंपिक में गोल्ड जीतने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने कहा है कि टीम इंडिया के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की खेल भावना ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। उन्होंने खेल के दौरान अपने शांत और एकाग्र व्यवहार का श्रेय सचिन तेंदुलकर को देते हुए कहा कि उन्हें इस दिग्गज क्रिकेटर की खेल भावना और शानदार व्यवहार से प्रेरणा मिली। भगत ने पिछले सप्ताह टोक्यो पैरालंपिक के एसएल 3 वर्ग के फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल पर सीधे गेम में जीत के साथ भारत का बैडमिंटन में पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल जीता।

चार साल की उम्र में पोलियो से ग्रसित होने वाले 33 साल के इस भारतीय ने फाइनल के दूसरे सेट में आठ अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। भगत ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में बताया,

'मैं बचपन में क्रिकेट खेला करता था। उस दौरान हम दूरदर्शन पर क्रिकेट देखते थे और मैं हमेशा सचिन तेंदुलकर के शांत और एकाग्र व्यवहार से प्रभावित होता था। परिस्थितियों से निपटने के उनके तरीके का मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा।' उन्होंने कहा, 'मैं उनका अनुसरण करने लगा। उनकी खेल भावना ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसलिए जब मैंने खेलना शुरू किया, तो मैंने उसी विचार प्रक्रिया का पालन किया और इससे मुझे विश्व चैंपियनशिप सहित कई मैचों में यादगार वापसी करने में मदद मिली।'

बात दें कि बीते दिनों आठ सितंबर को प्रमोद भगत ने स्वदेश लौटने के बाद टीम इंडिया के महान क्रिकेट सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की थी। उन्होंने सचिन को पैरालंपिक फाइनल में इस्तेमाल किए गए अपने रैकेट को उपहार में दिया। तेंदुलकर ने उन्हें एक ऑटोग्राफ वाली टी-शर्ट और अपनी आत्मकथा की किताब दी। उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से ही सचिन से प्रेरित रहा हूं, इसलिए जब मैं उनसे मिला तो यह मेरे लिए एक बड़ा क्षण था। उन्होंने मुझे जीवन और खेल के संतुलन के बारे में बताया। यह एक सपने के सच होने का क्षण था।'

नियुक्ति: रमीज राजा बने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन, तीन साल का होगा कार्यकाल

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर रमीज राज को निर्विरोध चुनाव जीतने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन बना दिया गया है। वह तीन साल तक पीसीबी के अध्यक्ष पद पर रहेंगे। वह इस पद के लिए अपना नामांकन पत्र जमा करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। जिसके लिए छह पीसीबी गवर्निंग बोर्ड द्वारा मतदान किया गया था। पीसीबी के साथ रमीज का यह दूसरा कार्यकाल है। इससे पहले, उन्होंने 2003 से 2004 तक पीसीबी के मुख्य कार्यकारी के रूप में कार्य किया था। उन्होंने 2004 में भारत के पाकिस्तान के ऐतिहासिक दौरे को बिना किसी परेशानी के सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पीसीबी के ध्यक्ष बनने वाले चौथे क्रिकेटर

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पीसीबी के संरक्षक इमरान खान ने 27 अगस्त को रमीज राजा को सीधे अध्यक्ष के लिए नामांकित किया था। रमीज हमेशा इमरान की पहली पसंद थे क्योंकि यह पहले ही पता चल गया था कि एहसान मनी अपना कार्यकाल जारी नहीं रखेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का यह 36वां कार्यकाल होगा जबकि यह पद संभालने वाले रमीज राजा 30वें व्यक्ति हैं। इसके अलावा वह एजाज बट, जावेद बुर्की और अब्दुल हफीज कारदार

के बाद चौथे क्रिकेटर हैं जो पीसीबी के अध्यक्ष बने हैं। प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा नामित चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्त न्यायाधीश शेख अजमत सईद ने उस प्रक्रिया का निरीक्षण किया जिसके परिणामस्वरूप रमीज को आधिकारिक रूप से पीसीबी का अध्यक्ष बनाया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद रमीज ने सक्रिय रूप से खिलाड़ियों और पीसीबी अधिकारियों के साथ बैठक की। यह भी समझा जाता है कि पाकिस्तान की आगामी टी-20 विश्व कप टीम के चयन में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी थी। टीम की घोषणा के कुछ घंटे बाद, मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक और गेंदबाजी कोच वकार यूनिस ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

रमीज के सामने कई चुनौतियां

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष बनने के बाद रमीज राज के आगे 17 साल पहले की तुलना में काफी अलग प्रशासनिक चुनौतियां हैं। टी-20 विश्व कप होने में एक महीने का वक्त बचा है और पीसीबी ने अभी तक नेशनल कोचिंग स्टाफ में बदलाव नहीं किया है। पाकिस्तान सुपर लीग के प्रसारण और वाणिज्यिक अधिकार जो वर्तमान में पीसीबी के लिए राजस्व उगाही करते हैं उनका नवीनीकरण होना है। बीते कुछ समय में पीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय दौरों को नियमित बनाने में प्रगति की है और उसे प्राथमिकता के तौर पर जारी रखने की संभावना है।